खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 27 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-357

साहिबजादों की अद्वितीय वीरता और बलिदान की याद में वीर बाल दिवस की शुरुआत

इतिहास से वर्तमान तक युवा ऊर्जा ने देश की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाई : मोदी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को यहां वीर बाल दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और कहा कि इतिहास से लेकर वर्तमान तक युवा ऊर्जा ने हमेशा भारत की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाई है।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने साहिबजादों की अद्वितीय वीरता और बलिदान की याद में वीर बाल दिवस की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि यह दिन अब करोड़ों भारतीयों के लिए राष्ट्रीय प्रेरणा का पर्व बन गया है। इस दिन ने कई बच्चों और युवाओं को अदम्य साहस के लिए प्रेरित किया है।

श्री मोदी ने वीरता, नवाचार, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, खेल और कला के क्षेत्र में आज वीर बाल पुरस्कार से सम्मानित किए गए 17 बच्चों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के पुरस्कार विजेता भारत के बच्चों और युवाओं की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता के प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गुरुओं और वीर साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की और पुरस्कार विजेताओं और उनके परिवारों को बधाई भी दी। वीर साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के लिए उनकी वीरता की गाथा को जानना जरूरी है और इसलिए उन घटनाओं को याद करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि तीन शताब्दी पहले आज ही के दिन वीर साहिबजादों ने कम उम्र में अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि साहिब जोरावर सिंह और साहिब फतेह सिंह की कम उम्र के बावजूद उनके साहस की कोई सीमा नहीं थी। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने मुगल सल्तनत के सभी प्रलोभनों को ठुकरा दिया, सभी अत्याचारों को सहन किया और वजीर खान द्वारा दिए गए मौत के दंड को पूरी बहादुरी के साथ

स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने उन्हें गुरु अर्जन देव, गुरु तेग बहादुर और गुरु गोविंद सिंह की वीरता की याद दिलाई और यह वीरता हमारी आस्था की आध्यात्मिक ताकत थी। उन्होंने कहा कि साहिबजादों ने अपने प्राणों की आहुति देने का विकल्प चुना लेकिन आस्था के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि वीर बाल दिवस हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, राष्ट्र और राष्ट्रहित से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, देश के लिए किया गया हर कार्य वीरता का कार्य है और देश के लिए जीने वाला हर बच्चा और युवा वीर बालक है। प्रधानमंत्री ने कहा, इस वर्ष का वीर बाल दिवस और भी विशेष है, क्योंकि यह भारतीय गणतंत्र और हमारे संविधान की स्थापना का 75वां वर्ष है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संविधान के इस 75वें वर्ष में देश का प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए काम करने के लिए वीर साहिबजादों से प्रेरणा ले रहा है। उन्होंने कहा कि देश के मजबूत लोकतंत्र को इस बात पर गर्व है कि यह दिन साहिबजादों की बहादुरी और बलिदान पर बना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमारा लोकतंत्र हमें समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की ओर प्रेरित करता है। ▶10 पर

स्वामित्व योजना के तहत 50 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित करेंगे पीएम

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 200 जिलों के 46,000 से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 50 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित करेंगे।प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरूवार को यहां बताया कि सर्वेक्षण की नवनीतम ड्रोन तकनीक के माध्यम से गांवों में घरों के मालिकों को 'अधिकारों का रिकॉर्ड' प्रदान करके ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना शुरू की थी। यह योजना संपत्तियों के मुद्रीकरण और बैंक ऋण के माध्यम से संस्थागत ऋण को सक्षम करने, संपत्ति से संबंधित विवादों को कम करने, ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों और संपत्ति कर के बेहतर मूल्यांकन की सुविधा प्रदान करने और व्यापक ग्राम-स्तरीय योजना को सक्षम करने में भी मदद करती है। अभी तक 3 लाख दस हजार से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जिसमें लक्षित गांवों का 92 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। ▶10 पर

सीडब्ल्यूसी अधिवेशन में लगा भारत का गलत नक्शा

नई मुस्लिम लीग है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होने वाली है। इससे पहले वहां नेताओं के स्वागत में पोस्टर-बैनर लगाए गए है। जिसको लेकर विवाद छिड़ गया है। आरोप है पार्टी कार्यकर्ताओं ने बैनरों और फ्लैक्स में भारत के मानचित्र को विकृत रूप में पेश किया है। बेलगावी शहर के एंट्री द्वार पर लगाए गए बैनरों में जो भारत का मानचित्र छपा है, उनमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अक्साई चिन का क्षेत्र गायब कर दिया गया है। बीजेपी ने इस मामले में जबरदस्त हमला बोला है। साथ ही कांग्रेस को नई मुस्लिम लीग करार दिया है।

बता दें, कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) 26-27 दिसंबर को बेलगावी में बैठक होने वाली है। कांग्रेस पार्टी इस साल को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सत्र की शताब्दी वर्ष के तौर पर मना रही है, जिसकी स्थापना 1924 में हुई थी। इस कार्यक्रम में सोनिया गांधी, राहुल, प्रियंका समेत पार्टी के तमाम बड़े नेता शिरकत करने वाले हैं।

भाजपा ने कांग्रेस पर भारत के मानचित्र को विकृत करने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर बेलगावी सम्मेलन में विकृत भारतीय मानचित्रों का उपयोग करने का आरोप लगाया।

त्रिवेदी ने भाजपा की कर्नाटक राज्य शाखा 'बीजेपी4कर्नाटक' के एक सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए ये आरोप लगाए। 'बीजेपी4कर्नाटक' के सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है, कर्नाटक कांग्रेस ने बेलगावी कार्यक्रम में कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताते हुए एक विकृत मानचित्र प्रदर्शित करके भारत की संप्रभुता के लिए घोर अनादर दिखाया है। यह सब सिर्फ़ अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए किया जा रहा है। यह शर्मनाक है!

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इस घटना से यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस के संबंध उन शक्तियों से हैं जो भारत को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने इस घटना पर अपना दुख व्यक्त करते हुए कहा कि जब देश वीर बल दिवस मना रहा है, कांग्रेस विकृत मानचित्रों का उपयोग कर रही है, जो दिल को दुखाता है।

त्रिवेदी ने कहा कि आज हमारा देश वीर बल दिवस मना रहा हैलेकिन इस समय, एक और तस्वीर सामने आई है जो हमारे दिल को दुखाती है। भाजपा कर्नाटक ने एक ट्वीट पोस्ट किया है जिसमें देखा जा सकता है कि बेलगावी में कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जो भारतीय मानचित्र लगाया है, उसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर और अक्साई चीन नहीं हैवे पहले भी ऐसी चीजें कर चुके हैंमहत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने इसे महात्मा गांधी की तस्वीर के साथ लगाया है। इसलिए, मैं अपना दर्द व्यक्त करना चाहता हूंयह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस के संबंध उन शक्तियों से हैं जो ▶10 पर

सरकारी नियंत्रण से मुक्त हो हिंदू मंदिर

विश्व हिंदू परिषद चलाएगा अभियान

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) सरकारी नियंत्रण से मंदिरों की मुक्ति की वकालत करने के लिए जागरण अभियान नामक एक अभियान शुरू कर रही है। वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मंदिर को नियंत्रण मुक्त करना समय की मांग है। विहिप पिछले कई दशकों से यह मांग उठाती रही है। जब कोई मस्जिद, मदरसा, मजार या चर्च उनके (सरकार के) नियंत्रण में नहीं है, तो यह भेदभाव केवल मंदिरों के साथ ही क्यों है?

विनोद बंसल ने आगे कहा कि इन सबको लेकर समाज में गहरा आक्रोश है। इसलिए, विहिप ने इन मंदिरों की मुक्ति के लिए एक अभियान, जागरण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया। हमारे संगठन के महासचिव शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं, जिसमें बताएंगे कि इसका स्वरूप क्या होगा और कैसे किया जाएगा। बंसल ने यह भी उल्लेख किया कि विहिप पदाधिकारियों ने हाल ही में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात कर इस मुद्दे पर समर्थन का अनुरोध किया है।

इससे पहले, विहिप ने अपना सांसद संपर्क अभियान चलाया, जिसके दौरान उसने मंदिरों की मुक्ति, वक्फ संशोधन विधेयक और हिंदू समाज के लिए विशेषाधिकारों के विस्तार सहित विभिन्न प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 350 से अधिक सांसदों से मुलाकात की। विश्व हिंदू परिषद ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान चलाए गए अपने वार्षिक सांसद संपर्क अभियान में अब तक 350 से अधिक सांसदों से संपर्क किया है और हिंदू समाज से संबंधित तीन अलग-अलग विषयों पर चर्चा की है। ▶10 पर

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह नहीं रहे

92 की उम्र में दिल्ली के एम्स में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में गुरुवार रात निधन हो गया। उन्हें बेहोश होने के बाद शाम 8:06 बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। रात 9:51 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

मनमोहन सिंह 2 बार देश के प्रधानमंत्री रहे। वे लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे थे। इससे पहले भी उन्हें कई बार स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। एम्स के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है।

प्रियंका गांधी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी एम्स पहुंचे। उधर, पीएम मोदी ने सिंह के परिवार से बात की।

इस बीच, कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी मीटिंग रद्द कर दी गई है। राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बेलगावी से दिल्ली रवाना हो गए हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक मना रहा है।

▶10 पर

बिहार में भजन पर छिड़ा विवाद

'ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' गाने पर गायिका को मांगनी पड़ी माफी

पटना, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में उस समय बवाल हो गया जब लोक गायिका ने प्रतिष्ठित भजन रघुपति राघव राजा राम की प्रस्तुति दी और ईश्वर अल्लाह तेरो नाम की पंक्तियाँ गाईं। ▶10 पर

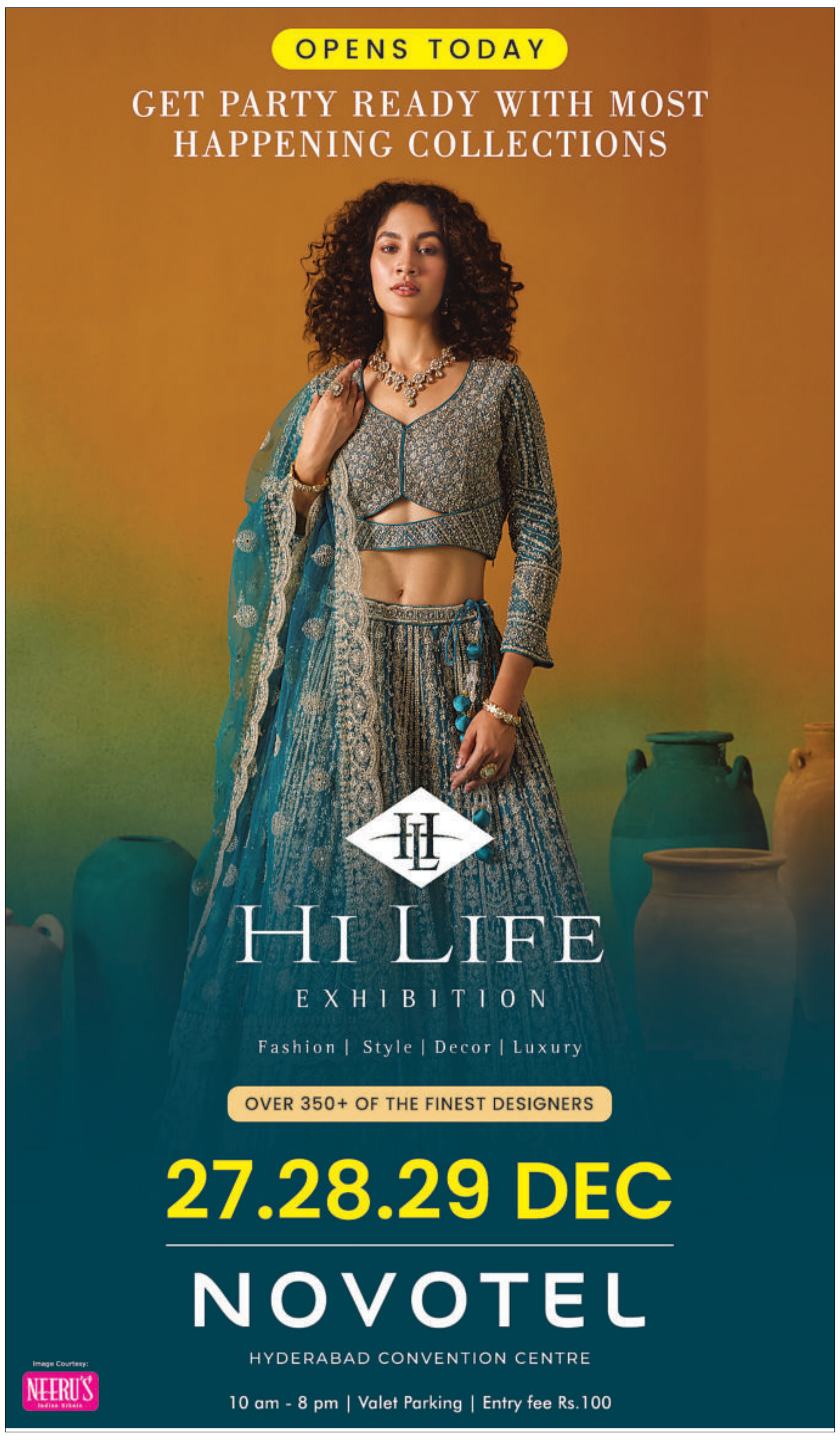

एलएसी पर कैसे घटेगी टेंशन!

चीन ने सैनिक पीछे बुलाए लेकिन ताजा तस्वीरों से उठे मंशा पर सवाल

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक के मैदानों में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच सैनिकों की वापसी पूरी हो गई है। इस बात की तस्दीक सैटेलाइट इमेजेस से होती है, तस्वीरों में साफ पता चल रहा है कि सैनिकों को वापस बुला लिया गया है, लेकिन जब विवादित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के तेजी से हो रहे निर्माण पर प्रकाश डाला गया, जिससे चीन की तनाव कम करने की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर संदेह पैदा होता है।

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने इस महीने की शुरुआत में संसद में कहा था कि तात्कालिक प्राथमिकता टकराव वाले पॉइंट्स से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित करना था, ताकि आगे कोई अप्रिय घटना या झड़प न हो। ये प्रक्रिया पूरी हो गई

9 दिसंबर की सैटेलाइट इमेज में देपसांग के पीछे के क्षेत्र में दूसरी पीएलए फैसिलिटी दिखाई गई है

है। अब अगली प्राथमिकता तनाव कम करने पर विचार करना होगी, जो एलएसी पर सैनिकों की भीड़भाड़ को कम करेगी।

समाचार एजेंसी की ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस (ओएसआईएनटी) टीम द्वारा हाई रेज्योलूशन सैटेलाइट तस्वीरों में सैनिकों की वापसी के संकेत साफ दिखाई देते हैं, लेकिन चीन की ओर से तनाव कम करने का कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिलता है। चीन पैंगोंग लेक के उत्तरी तट के पास विवादित क्षेत्रों में अपने सैन्य और दोहरे इस्तेमाल के लिए बुनियादी ढांचे बना रहा है, जबकि दोनों देश (भारत-चीन) द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर बातचीत कर रहे हैं। स्पेस फर्म मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट तस्वीरों से पहली बार ये भी पता चलता है कि डिसइंगेजमेंट की प्रक्रिया के दौरान आगे की पोजिशन खाली करने के बाद डेपसांग में पीछे की पोजिशन में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा नए कैंप बनाए गए हैं। हालांकि दोनों पक्षों ने हाल ही में देपसांग और डेमचोक के टकराव वाले क्षेत्रों में मई 2020 की यथास्थिति बहाल करने पर सहमति जताई है। फरवरी 2021 में बफर जोन बनाकर पैंगोंग झील पर डिसोल्यूशन किया गया था। ▶10 पर

न्यूज ब्रीफ

बुशरा बीबी को अदालत से राहत, सात मामलों में 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को यहां एक स्थानीय अदालत ने बड़ी राहत प्रदान की। अदालत ने उन्हें 26 नवंबर के विरोध प्रदर्शन के संबंधित मामलों में अंतरिम जमानत दे दी। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। एआरवाई के अनुसार, बुशरा बीबी अपने खिलाफ तारनोल पुलिस स्टेशन में दर्ज चार और रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज तीन मामलों में अंतरिम जमानत के लिए अपने वकीलों के साथ जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश हुईं। न्यायालय ने प्रत्यके मामले में 50 हजार रुपये के जमानती मुचलके पर उनकी जमानत मंजूर की। ड्यूटी जज शबीर भट्टी ने अंतरिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई की। उन्होंने बुशरा बीबी को 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत दी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 21 दिसंबर को रावलपिंडी की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने उन्हें 32 मामलों में 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत दी थी। यह मामले नौ मई की हिंसा से जुड़े हुए हैं।

इमरान खान के दूतों की अदियाला जेल में मुलाकात संभव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के दूतों के अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में अपने नेता इमरान खान से मिलने की उम्मीद है। पीटीआई संस्थापक और मुल्क के अपदस्थ प्रधानमंत्री खान इस जेल में लंबे समय से बंद हैं। सरकार ने उनके दूतों से गतिरोध खत्म करने पर लंबी चर्चा की है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मांग है कि टकराव खत्म करने के लिए सबसे पहले पीटीआई के लोगों और समर्थकों की रिहाई के साथ न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की जाए।

दक्षिण कोरिया में अब विपक्ष का कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ मोर्चा

सियोल, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया में अब विपक्ष ने कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मुख्य विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) ने हान पर सवैधानिक न्यायालय में खाली तीन जजों के पदों पर नियुक्ति पर आनाकानी का आरोप लगाया है। साथ ही महाभियोग का सामना करने के लिए चेताया है। दक्षिण कोरिया के दो प्रमुख समाचार पत्रों द कोरिया टाइम्स और द कोरिया हेराल्ड ने अपनी खबर में इस विवाद पर विस्तार से चर्चा की है। दरअसल कार्यवाहक राष्ट्रपति हान ने कहा है कि वह तब तक सवैधानिक न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करेंगे जब तक प्रतिद्वंद्वी पार्टियां राजनीतिक समझौता नहीं कर लेतीं। उनके इस बयान के बाद डीपीके ने कार्यवाहक राष्ट्रपति हान के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश कर गुरुवार को नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में इसकी सूचना दी। डीपीके की मांग है कि नौ सदस्यीय सवैधानिक न्यायालय के तीन खाली पदों पर कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्ति को मंजूरी दें।

दरअसल संवैधानिक न्यायालय को यह तय करना है कि तीन दिसंबर की अल्पकालिक मार्शल लॉ घोषणा पर राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ पारित हो चुके महाभियोग प्रस्ताव को चलाया जा सकता है या नहीं।

देश के संविधान के अनुसार, महाभियोग प्रस्ताव को बरकरार रखने के लिए संवैधानिक न्यायालय में कम से कम छह मतों की आवश्यकता होती है।

मुख्य विपक्षी दल डीपीके ने शुक्रवार को नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान कराने की रणनीति तैयार की है। कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने साफ कहा कि वह द्विदलीय समझौते के बिना किसी भी न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करेंगे।

इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने हान पर महाभियोग चलाने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसमें कार्यवाहक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा का सहयोगी बताया गया।

उल्लेखनीय है कि 300 सदस्यों वाली नेशनल असेंबली में डेमोक्रेटिक पार्टी का बहुमत है। उसके 170 सदस्य हैं। 108 सदस्यों वाली सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी ने गुरुवार को नेशनल असेंबली के मतदान सत्र का बहिष्कार किया। इस घटनाक्रम से कुछ समय पहले कार्यवाहक राष्ट्रपति हान ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए द्विदलीय समझौता एक शर्त है। हान ने कहा, मैं नए संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के अपने निर्णय को तब तक रोक कर रखूंगा जब तक कि सत्तारूढ़ और मुख्य विपक्षी दल न्यायाधीशों के लिए नामांकित व्यक्तियों के संबंध में समझौता नहीं कर लेते।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो वह तुरंत नए न्यायाधीशों की नियुक्ति कर देंगे। हान ने दावा किया कि यून के महाभियोग के साथ शक्ति शून्यता के समय द्विदलीय समझौते के बिना नए संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों को नियुक्त करने के लिए उनकी कार्यकारी शक्ति का उपयोग संवैधानिक व्यवस्था को नष्ट कर सकता है।

कुर्स्क पर यूक्रेन के हमले में चार लोगों की मौत

मॉस्को, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की लपटों से कुर्स्क झुलस रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि रूस के दक्षिण-पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के एलजीओवी शहर पर यूक्रेनी हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए।

कुर्स्क क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने टेलीग्राम पर लिखा, प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार यूक्रेनी सशस्त्र बलों की एलजीओवी में की गई बर्बर गोलाबारी में तीन लोगों की जान चली गई। एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

खिनशेटिन ने कहा कि पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक महिला की हालत गंभीर है। उधर, रूस की जांच समिति ने आरोप लगाया कि यह हमला अमेरिकी रॉकेटों से किया गया। इस हमले में एक अपार्टमेंट ब्लॉक की छत उड़ गई।

उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के साथ रूस की सीमा से लगभग 70 किलोमीटर (44 मील) पूर्व में स्थित एलजीओवी को अगस्त की शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों द्वारा अचानक घुसपैठ शुरू करने के बाद से नियमित गोलाबारी का सामना करना पड़ रहा है। यह शहर कुर्स्क परमाणु ऊर्जा संयंत्र के ठीक पश्चिम में स्थित है। बुधवार को हुए इस हमले के बारे में रूस के रक्षा मंत्रालय या क्रेमलिन ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तानी हमले के बाद तालिबान ने की निंदा, बदला लेने की खाई कसम

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं। यह हमले अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में किए गए जिससे महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार रात हुए इन हमलों में लमन सहित कई गांवों पर हमले किए गए। सूत्रों का दावा है कि बमबारी के लिए पाकिस्तानी ने जेट विमान का इस्तेमाल किया। हवाई हमलों के बाद इलाके में तनाव और बढ़ गया है। मरने वालों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमलों के बाद बचाव कार्य जारी है।

॥ श्री हरीः ॥

उठावना

श्रीमती मनी बाई कुंछल

(धर्मपत्नी : किरोड़ीमल कुंछल)

स्वर्गवास : बुधवार दि.25-12-2024

उठावना (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)

आज शुक्रवार दि.27-12-2024 को दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक KJR वायसराय गार्डन न्यू स्टॉफ लेन, जिमखाना रोड, मडफोर्ट, सिकन्दराबाद पर होगा।

शोकाकुल

करोड़ीमल कुंछल (पति), मुरारीलाल कुंछल (देवर),
राजकुमार, ललितप्रसाद, सुभाष अग्रवाल, नरेश कुमार (पुत्र),
इन्दरमल, सतीश, निर्मल, उमेश, चेतनप्रकाश, रितेश, योगेश, अतुल (भतीजे),
सिद्धार्थ, तरुण, लोकेश, प्रेम, स्पन्दन, तनिष्क, गर्व, भूपेश, नयन, केशव,
द्वियांशु, मोहक, देवेश, जाग्रित (पौत्र), अयांशु (पड़पौत्र) एवं समस्त कुंछल परिवार

फर्म : छोटेलाल किरोड़ीमल कुंछल
लाल बाजार, सिकन्दराबाद

बैठक (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)

रविवार दि.29-12-2024 को मध्याह्न 3:00 से सायं 5:00 बजे तक
हमारे निवास स्थान बंगला नं.217, न्यू स्टॉफ लेन, जिमखाना रोड, केजेआर वायसराय गार्डन के समीप, सिकन्दराबाद पर रहेगी।

BHAVES

Subhash Textile — B.G. Market, Hyderabad ✆ 9848053501
L. B. Textile — Gopal Market, Hyderabad ✆ 9440848343
Dolly Prints — Hyderabad ✆ 9849037749
Naresh Traders — Gopal Market, Hyderabad ✆ 8121250847

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

निर्माता बोनी कपूर ने बदला लुक

बोले- हेयर ट्रांसप्लांट और वजन घटाने का सफर काफी खर्चीला

र्माता बोनी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'नो एंट्री 2' को लेकर उत्साहित हैं। निर्माता ने आईएएनएस से बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने हेयर ट्रांसप्लांट, वजन घटाने के सफर के साथ ही 'नो एंट्री 2' के बारे में भी अपडेट दिया।

नए लुक की प्रेरणा को लेकर पूछे गए सवाल पर बोनी बोले, मैंने यह नया लुक कैसे हासिल किया? इसकी शुरुआत वजन घटाने से हुई। अपने बालों पर ध्यान देने से पहले, मैं लगभग 14-15 किलोग्राम वजन कम करने में कामयाब रहा। हालांकि, दिवाली के दौरान मेरा वजन 2-3 किलोग्राम बढ़ गया था। मेरी लंबाई के हिसाब से मेरा वजन लगभग 87-88 किलो होना चाहिए। अभी मेरा वजन 95-97 के बीच में रहता है।

बोनी कपूर ने परिवार के रिएक्शन पर कहा, मेरे बच्चों-अर्जुन, अंशुला, जान्हवी और खुशी की प्रतिक्रियाएं शानदार रही। जब भी मैं तस्वीरें पोस्ट करता हूं, तो वे हमेशा अपनी राय व्यक्त करते हैं। मेरी बेटियां मुखर हैं। वहीं, अर्जुन थोड़ा संकोची है। वह व्यक्तिगत रूप से मेरी तारीफ करता है।

फिल्म निर्माता ने हेयर ट्रांसप्लांट और वजन घटाने को खर्चीला बताते हुए कहा, खर्चे बढ़ गए हैं! बाल उगाना और वजन घटाना दोनों ही कीमत के साथ आते हैं। वहीं, बदलाव पर अनिल कपूर की प्रतिक्रिया को लेकर उन्होंने कहा, अनिल हमेशा से मेरे लिए प्रेरणा रहे हैं। 69 की उम्र में मुझे लगता है कि मुझे उनसे प्रतिस्पर्धा करनी है और युवा दिखना है! यही मेरी प्रेरणा है, उनसे एक कदम आगे रहना है।

'नो एंट्री' का बेसब्री से इंतजार कर रहे दर्शकों को फिल्म के बारे में अपडेट देते हुए कपूर ने कहा, फिल्म की स्क्रिप्ट शानदार है, इसे सुनने वाले कई कलाकारों को लगता है कि यह पहली फिल्म से भी बेहतर है। मैंने मूल कलाकारों के सहमत होने का लंबा इंतजार किया फिर शुरुआत की।

बोनी कपूर से जब पुरानी फिल्मों को फिर से रिलीज करने के चलन के बारे में पूछा गया तब उन्होंने बताया, किसी फिल्म को फिर से रिलीज करने में काफी निवेश करना पड़ता है। फिल्म को पॉलिश करना फिर से मार्केटिंग करना। यह तभी सार्थक है जब फिल्म में क्षमता हो और दर्शकों की स्पष्ट मांग हो। 'लैला मजनू' जैसी कुछ फिल्मों ने दूसरी बार असाधारण प्रदर्शन किया। हालांकि, प्रत्येक प्रोजेक्ट की लागत और रिटर्न का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

इस बीच बोनी कपूर ने से पूछा गया कि क्या आप मिस्टर इंडिया या इसी तरह की क्लासिक फिल्मों को फिर से बनाने की योजना बना रहे हैं तो उन्होंने कहा, जी, हमेशा योजनाएं बनती हैं, लेकिन हर फिल्म की अपनी नियति होती है। अगर सितारे साथ देते हैं और किस्मत साथ देती है, तो वे योजनाएं पूरी हो जाती हैं।

पत्नी श्रीदेवी को याद करते हुए उन्होंने कहा, आज अगर वह होती तो बहुत खुश होतीं। वह अभी भी हमारे साथ हैं, मेरी देखभाल कर रही हैं और मेरा मानना है कि मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनकी वजह से है।

भारत में 1100 करोड़ कमाने वाली बनी पहली फिल्म पुष्पा 2 द रूल

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' भारत में 1100 करोड़ की कमाई करने वाली पहली फिल्म बन गयी है।

सुकुमार के निर्देशन में बनी पुष्पा 2 : द रूल 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी थी।फिल्म पुष्पा 2 : द रूल की रिलीज को 21 दिन हो गये हैं, इसके बाद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है।पुष्पा 2 द रूल ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार 'पुष्पा 2 : द रूल ' भारत की पहली फिल्म बन गई है, जिसने 1100 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म ने 21 दिनों में 1109.85 करोड़ का कारोबार कर लिया है। पुष्पा: द राइज के सीक्वल पुष्पा 2: द रूल का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने किया है।

सूर्या 44 का टीजर रेट्रो आउट

एक्शन और इमोशन की दिखी झलक

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार सूर्या और अभिनेत्री पूजा हेगड़े स्टारर अपकमिंग फिल्म 'सूर्या 44' का टीजर सामने आ चुका है। फिल्म निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर फिल्म के टाइटल 'रेट्रो' की घोषणा करते हुए टीजर को दर्शकों के साथ शेयर किया।

सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री पूजा हेगड़े मोस्ट-अवेटेड फिल्म से जुड़ी हर एक अपडेट को शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर कर अहम जानकारियां दी।

पूजा हेगड़े ने दो मिनट के टीजर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा, ''इस किरदार में मेरे दिल का एक टुकड़ा है। 'रेट्रो' भावनाओं के उतार-चढ़ाव भरी एक प्रेम कहानी, 'सूर्या 44' का टाइटल टीजर 'रेट्रो' आ चुका है।''

शेयर किए गए टीजर में पूजा हेगड़े और सूर्या ए क तालाब के किनारे बैठे नजर आए। वीडियो में अभिनेत्री एक गांव की लड़की की भूमिका में हैं। वह सूर्या की कलाई पर प्रेमिका के तौर पर रक्षा सूत्र बांधती हैं।इसके बाद टीजर में सूर्या कहते हैं, ''मैं अपने गुस्से पर काबू रखूंगा, मैं इस पल से सब कुछ पीछे छोड़ दूंगा। मैं मुस्कुराने और खुश रहने की कोशिश करूंगा। मेरे जीवन का उद्देश्य, शुद्ध प्रेम है, केवल शुद्ध प्रेम।''

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'किसी का भाई किसी की जान' फेम पूजा हेगड़े के पास कई खास प्रोजेक्ट हैं। पूजा के पास थलपति विजय के साथ 'थलापति 69' और 'है जवानी तो इश्क होना है' सहित कई अन्य रोमांचक प्रोजेक्ट हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में चेन्नई में 'थलपति 69' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दी थी।'थलपति 69' के साथ हेगड़े, विजय के साथ पहली बार ऑनस्क्रीन नजर आएंगी। एच. विनोथ फिल्म के निर्देशक हैं और निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले वेंकट के. नारायण ने किया है।

साउथ सुपरस्टार सूर्या के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार 'कंगुवा' में नजर आए थे। फिल्म में अभिनेता के साथ वर्सेटाइल बॉबी देओल विलेन की भूमिका में थे।

थाई स्लिट ड्रेस पहने श्रद्धा दास ने बिखेरा हुस्न का जादू

साउथ एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी और हॉट अवतार देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।अपनी एक्टिंग से ज्यादा फैशन स्टेटमेंट्स के कारण लाइमलाइट में रहने वाली एक्ट्रेस श्रद्धा दास लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट एंड सेक्सी अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने ब्लू कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का हाई बन बनाकर और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।श्रद्धा दास सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।श्रद्धा दास सोशल मीडिय पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ये ही नहीं एक्ट्रेस का हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही बवाल मचाने लगता है।

जान्हवी की पायजामा पार्टी में शामिल हुए कई सितारे

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपने दोस्तों संग क्रिसमस मनाने के लिए एक शानदार पायजामा पार्टी आयोजित की, जिसमें राधिका अंबानी के साथ ही कई हस्तियों ने शिरकत की। सोशल मीडिया पर सक्रिय जान्हवी ने दोस्तों के साथ मनाए जश्न की क्लिप्स साझा की। निकिता चौहान की पोस्ट को स्टोरीज सेक्शन पर री-पोस्ट किया, जिसमें वह और उनकी अन्य दोस्त मुस्कुराती दिख रही हैं। फ्रेम में राधिका अंबानी, निकिता चौहान के साथ उनके कई दोस्त हैं।

जान्हवी कपूर सोशल मीडिया पर अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट साझा करती रहती हैं। पायजामा पार्टी की झलक से पहले अभिनेत्री ने 30 नवंबर को ओरी की पोस्ट को साझा किया था, जिसमें जान्हवी और खुशी कपूर के साथ ओरी क्रिसमस ट्री सजाते दिखे थे। तस्वीर में जान्हवी कैजुअल टी-शर्ट और ब्लैक एंड व्हाइट चेकर्ड पैंट पहनी हुई थीं। खुशी भी कैजुअल आउटफिट में नजर आई थीं।

अद्रिजा रॉय ने अनुपमा में ली एंट्री

अलीशा परवीन को किया रिप्लेस निभाएंगी राही का रोल

अनुपमा में इन दिनों काफी फेरबदल दिख रहा है। शो में राही का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस अलीशा परवीन को मेकर्स ने निकाल दिया। उनकी जगह मेकर्स ने एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय को कास्ट किया है।अद्रिजा रॉय के साथ शूटिंग शुरू हो गई है। अद्रिजा को शिवम खजूरिया के अपोजिट रोल में देखा जाएगा। मेकर्स ने ऑफिशिय अनाउंसमेंट कर दी है।अद्रिजा रॉय का जन्म कोलकाता में हुआ था और उन्होंने बंगाली सीरीज से ही टीवी डेब्यू किया था। वो 2016 में शो बेदिनी मोलुआर कोठा में नजर आई थी।इस शो से उन्हें बहुत तारीफ मिली थी। उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया था। इसके बाद उन्होंने और भी बंगाली शो में काम किया।वो दुर्गा दुर्गेश्वरी, पोटोल कुमार गाणवाला, जय काली कलकत्तेवाली, बिक्रम बेताल और मौउ एर बारी जैसे शो में नजर आई थीं।2023 में अद्रिजा ने हिंदी टीवी इंडस्ट्री में एंट्री ली और खुद को प्रॉमिनेंट फिगर के तौर पर स्टैब्लिश किया। उन्होंने इमली में काम किया।उन्होंने पॉपुलर शो कुंडली भाग्य में भी काम किया। इस शो में डॉक्टर पालकी खुराना का रोल प्ले किया था।उन्होंने बंगाली फिल्म परिणीता और गोल्पेर मायाजाल में भी काम किया है। अब उन्हें अनुपमा में देखा जाएगा। अद्रिजा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं।

जम्मू की मशहूर आरजे सिमरन सिंह की मौत

गुरुग्राम के फ्लैट में फंदे से लटका मिला शव

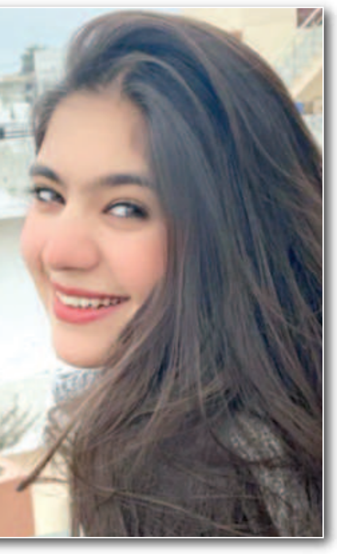

मशहूर आरजे सिमरन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। गुरुग्राम के सेक्टर-47 में अपने ही फ्लैट में सिमरन का शव बरामद हुआ है। घटना बुधवार की बताई जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सिमरन जम्मू के नानक नगर की रहने वाली थी। वो रेडियो मिर्ची में आरजे थी। 2021 तक वहां काम करने के बाद उसने नौकरी छोड़ दी थी और फिलहाल फ्रीलांसिंग किया करती थी। साथ ही वो मनोरंजक वीडियो भी बनाया करती थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उसके लाखों फॉलोअर्स थे। इंस्टाग्राम पर ही उसके 6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। गुरुग्राम पुलिस ने आरजे सिमरन का शव परिवार को सुपुर्द कर दिया है। एक दोस्त उसके साथ रह रहा था, उसी ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी।गुरुग्राम पुलिस सूत्रों ने बताया कि 25 वर्षीय इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर और आरजे का शव बुधवार को गुरुग्राम के सेक्टर 47 में एक किराए के अपार्टमेंट में मिला।घटना के समय उसे पहले पार्क अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

मेरे लिए रैप संगीत बनाने से कहीं बढ़कर है : राजा कुमारी

रैपर राजा कुमारी ने कहा कि उनके लिए रैप करना संगीत बनाने से कहीं बढ़कर है। राजा कुमारी ने वरुण धवन-कीर्ति सुरेश स्टारर फिल्म 'बेबी जॉन' के गाने 'बीस्ट' के लिए अपनी आवाज दी। 'बीस्ट' के लिए संगीत थमन एस ने दिया है।

राजा कुमारी ने कहा, मैं दर्शकों से मिल रहे प्यार को देखकर बेहद खुश हूं। हालांकि, मैंने 'बीस्ट' मोड और 'बेबी जॉन' के ट्रैक को अपना दिल और आत्मा दे दिया है। इस गाने को मिल रहा प्यार बहुत ज़्यादा है और मैं इसके लिए आभारी हूं। 'बेबी जॉन' में वरुण पूरी तरह से एक्शन मोड में हैं। राजा कुमारी ने कहा, मेरे लिए रैप सिर्फ संगीत बनाने से कहीं बढ़कर है। यह मेरा ही एक विस्तार है और मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि दर्शकों ने इसे बेहद पसंद किया। राजा कुमारी का असली नाम स्वेता यल्लाप्रगदा राव है और वह ग्वेन स्टेफनी, इग्गी अजालिया, फिफ्थ हार्मनी, सिद्धू मूसेवाला, नाइफ पार्टी, फॉल आउट बॉय समेत अन्य शानदार कलाकारों के साथ काम करने के लिए जानी जाती हैं। राजा कुमारी ने शाहरुख खान स्टारर फिल्म जवान के टाइटल ट्रैक के लिए भी आवाज दी थी।कलीज के निर्देशन में बनी 'बेबी जॉन' की बात करें तो इसमें वरुण धवन के साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जारा जियाना और जैकी श्रॉफ अहम रोल में हैं। फिल्म के निर्माता एटली हैं। यह साल 2016 में आई तमिल फिल्म 'थेरी' की रीमेक है।

वार्षिक राशिफल 2025

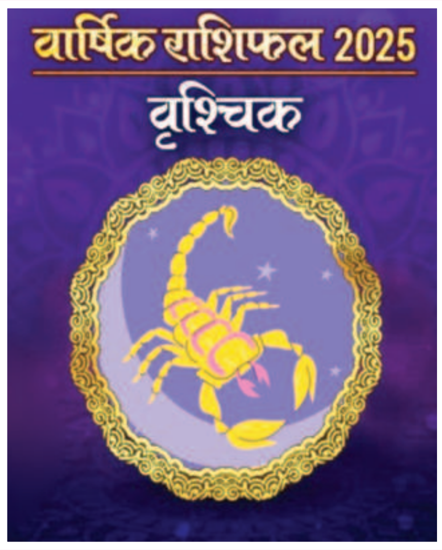

8.वृश्चिक राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल आपको मिले-जुले परिणाम दे सकता है। एक ओर जहां मार्च के बाद शनि का गोचर चतुर्थ भाव से अपनी नकारात्मकता समेटता हुआ प्रतीत हो रहा है, वहीं मई से राहु का गोचर चतुर्थ भाव में हो जाएगा। अतः कुछ बड़ी और पुरानी समस्याएं दूर हो सकती हैं लेकिन नए सिरे से भी पुनः कुछ परेशानियां भी देखने को मिल सकती हैं। हालांकि यदि आपको पेट या मस्तिष्क से संबंधित कुछ परेशानियां पिछले दिनों से रही हैं, तो उनमें आपको राहत देखने को मिल सकती है। बृहस्पति का गोचर भी मई मध्य तक सप्तम भाव से आपको अच्छी खासी अनुकूलता देता हुआ प्रतीत हो रहा है लेकिन मई मध्य के बाद बृहस्पति अष्टम भाव में जाकर कुछ कमजोर हो जाएंगे। हालांकि दूसरे भाव पर प्रभाव डालने के कारण कोई बड़ी आर्थिक समस्या नहीं आएगी लेकिन आमदनी के स्रोत कुछ हद तक धीमें रह सकते हैं। शिक्षा से संबंधित मामलों के लिए भी मई तक का समय अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल कहा जाएगा। विवाह, सगाई, प्रेम प्रसंग और संतान आदि से संबंधित मामलों के लिए भी मई मध्य से पहले का समय ज्यादा अच्छा कहा जाएगा। आपके करियर में अच्छी ग्रोथ होगी। आप सफ़लता की नई ऊंचाइयों को ग्रहण करोगे। आपके जीवन में कई उपलब्धियां आएंगी। धन वृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आपकी सेहत में पोजिटिव सुधार आएंगे। कार्यक्षेत्र में किसी महिला की वजह से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। इस साल आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही फायदा आपको होगा। यात्राओं द्वारा शुभ संदेश प्राप्त होगा। आप इस साल अपनी मेहनत से एक नया मुकाम हासिल कर सकोगे। आपको आर्थिक उन्नति मिलेगी। कुछ ऐसे क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स आपके हाथ लगेंगे जिनसे आपको उत्तम लाभ होगा। लव रिलेशनशिप के लिए समय अच्छा रहेगा। परिवार में सुख समृद्धि के संयोग बन रहे है। आप किसी सुखद समारोह में शामिल हो सकते है या फिर किसी लंबी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हो। समाज में आपका उठना-बैठना बढ़ेगा। आप भविष्य को लेकर संजीदा रहेंगे एवं अपने सपनों को पाने के लिए कड़े अनुशासन का पालन भी करेंगे। महिलाओं के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। आप आत्मनिर्भर होकर अपने पैरों पर खड़े होने में सफल रहेंगी। इस साल आप अच्छी मात्रा में धन कमा सकती हैं।

कैरियर- वृश्चिक राशि वालों, नौकरी के दृष्टिकोण से भी यह साल मिले-जुले परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। छठे भाव का स्वामी मंगल इस वर्ष कुछ समय अच्छे तो वहीं कुछ समय कमजोर परिणाम दे सकता है। वैसे ज्यादातर समय मंगल आपको औसत परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक शनि की दृष्टि छठे भाव पर रहेगी। अतः नौकरी को लेकर कुछ असंतोष मन मस्तिष्क में रह सकता है। मार्च के बाद शनि की पोजीशन बदलने के कारण आप नौकरी को लेकर संतुष्ट रह सकते हैं या काफी हद तक बेहतर अनुभूति कर सकते हैं। मई महीने के मध्य तक बृहस्पति लाभ भाव को देखकर अच्छे परिणाम देने और दिलाने का प्रयास करेंगे। इस तरह से हम पाते हैं कि मई महीने तक नौकरी में उपलब्धियां मिलती रहेगी लेकिन मार्च तक आप कुछ कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं, जबकि मार्च से मई महीने के मध्य तक का समय काफी अच्छा और अनुकूल है यदि इस बीच में जॉब में परिवर्तन करने की इच्छा हो तो आप कर सकते हैं। मई महीने के मध्य के बाद स्थितियां थोड़ी सी कठिनाई भरी रह सकती हैं। हालांकि विदेश में काम करने वाले या दूर जाकर नौकरी करने की इच्छा रखने वाले लोगों को इस अवधि में भी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। मई से राहू चतुर्थ और केतु दशम भाव से गोचर करेगा जिसके चलते आपके करियर में कुछ उथल-पुथल हो सकती है। इस अवधि में आपकी वर्तमान नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। ऑफिस में आपकी अपने सहकर्मियों के साथ कुछ अनबन रह सकती है या हो सकता है आपके विचार आपके बॉस से मेल न खाएं। आपको वैचारिक मतभेदों का सामना करना पड़ेगा। इस समय आपको अपने काम से मतलब रखना है और दूसरों के मसलों में नहीं उलझना है।

आर्थिक स्थिति – यह वर्ष आपके लिए बहुत ही श्रेष्ठ साबित होगा। आपको आर्थिक मोर्चे पर सफलता मिलेगी। इस साल आप अच्छी मात्रा में धन कमाअ-गे। मेहनत का हाथ थामे रहोगे तो आपको आर्थिक लाभ जरूर होगा। वर्ष 2025 की शुरुआत में देव गुरु बृहस्पति आपके भाग्य स्थान से गोचर करेंगे। इससे आपको धन लाभ होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके पास निश्चित रुप से धन होगा और आपको धन की कोई कमी नहीं होगी। नौकरीपेशा लोगों को इस साल पदोन्नति के माध्यम से अच्छा वेतन मिलने की पूरी संभावना है। वर्ष 2025 के शुरुआती महीने आपके लिए बेहद शानदार रहने वाले हैं। आपके जीवन में आजीविका के साधनों में बढ़ोतरी होगी। बिजनेस की दुनिया में आपका नाम होगा। आपकी पद-प्रतिष्ठा बनी रहेगी और सभी कार्य आपकी योजना के अनुरूप होते चले जाएंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और समय आपके अनुकूल होता जाएगा। यह वर्ष बहुत समृद्धि देगा। पूरे वर्ष अप्रैल के बाद आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही शानदार रहेगी। आभूषण, जमीन, मकान या वाहन खरीदने के संयोग बनेंगे। फरवरी तक धन का व्यय मेडिकल कार्य में हो सकता है। आर्थिक तौर पर इस वर्ष आपकी उन्नति मील का पत्थर साबित होगी। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति धन भाव का स्वामी होकर धन भाव को देखेगा। ऐसी स्थिति में बचत करने के मामले में अथवा बचाए हुए धन के मामले में बृहस्पति सकारात्मक परिणाम देना चाहेंगे लेकिन आमदनी के मामले में कोई मदद नहीं कर पाएंगे। कहने का तात्पर्य यह कि साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य तक का समय आमदनी की दृष्टिकोण से काफी अच्छा है। तो वहीं बाद का समय आमदनी की दृष्टिकोण से थोड़ा सा कमजोर लेकिन बचत की दृष्टिकोण से अच्छा बना रहेगा।

परिवार –पारिवारिक दृष्टिकोण से यह साल सकारात्मक और सुखद समय लेकर आ रहा है। मई तक गुरु की शुभ दृष्टि के कारण परिवार में खुशहाली और सौहार्द्र बना रहेगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार

मिल सकता है, और उनकी प्रगति आपके जीवन में खुशी लाएगी। मई महीने के मध्य तक आपके दूसरे भाव का स्वामी बृहस्पति अच्छी पोजीशन में रहेगा, जो घर परिवार में सुमति देकर संबंधों को बेहतर रखने का काम करेगा। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति आठवें भाव में जाने के कारण कुछ कमजोर हो जाएंगे। हालांकि बृहस्पति तब भी दूसरे भाव और चौथे भाव को देखेंगे। अतः कोई बड़ी विसंगति नहीं आने देंगे लेकिन कमजोर होने के कारण पहले के जैसे परिणाम देने में असमर्थ हो सकते हैं। इसी बीच में मार्च के बाद से शनि की दृष्टि दूसरे भाव पर पड़ने लग जाएगी। अतः कुछ परिजनों के बीच असंतुलन व असंतोष देखने को मिल सकता है। गृहस्थ जीवन की बात करें तो गृहस्थ जीवन में इस वर्ष तुलनात्मक रूप से बेहतर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। विशेषकर मार्च के बाद शनि का प्रभाव चतुर्थ भाव से दूर हो जाएगा, ऐसे में पिछले दिनों से चली आ रही समस्याएं दूर होंगी। हालांकि मई के बाद से राहु का प्रभाव चतुर्थ भाव पर शुरू हो जाएगा जो कुछ व्यवधान देने का काम करेगा लेकिन पुरानी समस्याएं दूर होने से आप राहत की सांस ले सकेंगे। मई महीने के मध्य के बाद बृहस्पति का प्रभाव चतुर्थ भाव पर रहेगा; वह भी आपकी मदद करता रहेगा। इस तरह से हम पाते हैं कि पारिवारिक मामलों के लिए साल का पहला हिस्सा ज्यादा अच्छा है जबकि दूसरा हिस्सा कुछ कमजोर है। वहीं गृहस्थ मामलों के लिए साल का दूसरा हिस्सा ज्यादा अच्छा रह सकता है।

प्रेम – रोमांस –यह वर्ष आपके लिए बहुत ही रोमांटिक रहने वाला है। वर्ष की शुरुआत रिश्तों नातों को लेकर आराम और सुकून देने वाला होगा। देवगुरु बृहस्पति आपके जीवन में पॉजिटिव प्रभाव लेकर आएगा। आप एक आराम दायक जीवन का आनंद लेंगे। आपकी सभी बाधाएं दूर होंगी और आप जीवन में आसानी से आगे बढ़ेंगे। वैवाहिक जीवन में आपको उम्मीद से बेहतर लाभ होगा। इस साल आप अपने जीवनसाथी को खुश रखने में कोई कसर नहीं छोड़ोगे। आप अपने साथी को ढेरों गिफ्ट्स दे सकते हो या आपक दोनों किसी ट्रिप पर घूमने जा सकते है। आप अपने रिश्तों में वफादारी, प्यार और सम्मान खूब लुटाओगे। प्रेमी जोड़ों के लिए यह साल सबसे यादगार रहने वाला है। आप इस साल अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने का फैसला कर सकते हो यानि इस साल आपके जीवन में शादी की शहनाई बज सकती है। आपके घर परिवार मे खुशियों की बहार होगी। आपका मन खुश रहेगा। आपके घर में इस साल कई धार्मिक अनुष्ठान हो सकते हैं। जो लोग सिंगल हैं उनके लिए इस साल कई अच्छे लव प्रपोज़ल या मैरिज प्रपोज़ल आ सकते हैं। आपके जीवन में यह नया अनुभव आपको बहुत ही सुकून देगा। आप इस नई शुरुआत के हर पल को इंजॉय करोगे। मई महीने के बाद से पंचम भाव से राहु केतु का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति में एक दूसरे को लेकर जो गलतफहमियां थी वो दूर हो सकती हैं। आप लोगों का नजरिया प्रेम संबंध को लेकर और भी अच्छा और सच्चा होता जाएगा लेकिन मार्च के महीने के बाद से शनि का गोचर पंचम भाव में हो जाएगा जो प्रेम संबंधों में कुछ बेरुखी दे सकता है। हालांकि शनि सच्चा प्रेम करने वाले लोगों के लिए मददगार भी बन सकता है। अर्थात यदि आपका प्रेम वास्तविक है आप एक दूसरे से प्रेम करते हैं और भविष्य में विवाह करने की इच्छा भी रखते हैं तो ऐसी स्थिति में आपको अच्छे परिणाम भी मिल सकते हैं लेकिन यदि आपका प्रेम टाइम पास है या आप प्रेम का दिखावा मात्र करते हैं, समय के अनुसार आपका प्रेम बदलता रहता है तो; शनि का यह गोचर आपके प्रेम संबंध में दरार देने का काम कर सकता है।

शिक्षा – साल औसत परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। इस वर्ष आपके चतुर्थ और पंचम भाव पर शनि और राहु का प्रभाव आता जाता रहेगा। स्वाभाविक है कि ऐसी स्थिति में अपने सब्जेक्ट पर प्रॉपर फोकस बनाए रखना कठिन होगा। कठिन होने का मतलब यह बिल्कुल नहीं की फोकस बनाना संभव होगा, जो लोग लगातार कोशिश करेंगे वह न केवल अपने सब्जेक्ट पर फोकस बना सकेंगे बल्कि अच्छे परिणाम भी प्राप्त कर सकेंगे लेकिन ऐसा करना सहज नहीं बल्कि कठिन होगा। वहीं जो लोग अध्ययन के प्रति अधिक गंभीर नहीं रहते हैं अथवा कम समय में अभी तक अच्छे परिणाम प्राप्त कर लेते रहे हैं; उन्हें इस वर्ष अपने अध्ययन के टाइम को बढ़ाने की आवश्यकता रहेगी। बृहस्पति का गोचर भी मई महीने के मध्य भाग से पहले आपको ज्यादा अच्छे परिणाम देना चाहेगा लेकिन मई मध्य के बाद खूब मेहनत की आवश्यकता का संकेत बृहस्पति का गोचर भी कर रहा है। हालांकि शोध के विद्यार्थियों को बृहस्पति का गोचर मई मध्य के बाद भी अच्छे परिणाम देगा लेकिन अन्य विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता रहेगी। शिक्षा के मामले में यह साल थोड़ा सा कमजोर है। उस कमजोरी को दूर कर अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अब तुलनात्मक रूप से अधिक मेहनत करने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप अपने तकनीकी और चिकित्सीय ज्ञान को पुष्ट करना चाहते हैं, तो अनुकूल माहौल मिलेगा। यानी प्रयास करें और अपने ज्ञान को बढ़ाएं, अज्ञानता की समस्याओं से न जूझें, तो सितारों की चाल सुखद और शानदार परिणाम देने वाली होगी। कुल मिलाकर वर्ष के इन महीनों में सितारों की चाल अच्छी रहेगी। किन्तु अपने स्तर पर प्रयासों को कमजोर न करें, तो वांछित परिणाम मिलते रहेंगे।

स्वास्थ्य – इस वर्ष में आपकी हेल्थ विगत वर्षों की तुलना में बहुत सुंदर व अच्छा रहेगा। प्रतिकूल मंगल उदर तथा रक्त संबंधी रोगों सहित हृदय के रोग देता है। अत: सावधानी बरतें। मई से जून तक का समय बहुत बेहतर नहीं है। मंगल अष्टम उदर विकार देता है। मार्च व जून में लीवर के प्रति बहुत सावधानी बरतें। इन सबके बावजूद स्वास्थ्य में कोई विशेष परे-शानी नहीं आएगी।अपने स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं का हल निकालने के लिए आपको नियमित रुप से मेडिटेशन करना चाहिए। आपको अपने खान-पान और अपने आस-पास की सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अपने बिजी लाइफ़स्टाइल से समय निकालकर फिज़िकल एक्टिविटीज़ करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको सेहत को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं लेनी है वरना आगे चल कर यह आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपको प्रतिदिन सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए और गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। वर्ष के अंतिम महीनों में आपकी सेहत में सुधार आ सकता है। आप मानसिक रुप से मजबूत रहोगे। आप जीवन की मुश्किलों का आसानी से सामना करने में सक्षम बनोगे। आपके अंदर एक नई शक्ति का संचार होगा। आप अपने हर काम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करोगे। एक अच्छी सेहत का अच्छा असर आपके रिश्तों में और आपके करियर पर देखने को मिलेगा। महिलाओं को अपनी सेहत को नजरअंदाज नहीं करना है। अपनी बिज़ी लाइफ़ से अपने लिए कुछ समय जरूर निकालें और योग व मेडिटेशन जरूर करें। छात्रों को कुछ समय मनोरंजन के साधनों जैसे म्यूज़िक, अपना पसंदीदा गेम या फिर अपनी कोई हॉबी जरूर करें। ऐसा करने से आपको खुशी मिलेगी और मानसिक सुकून का एहसास होगा। मई महीने के बाद से राहु का गोचर चतुर्थ भाव में हो जाएगा जो सीने से संबंधित कुछ परेशानियां दे सकता है। मार्च के बाद शनि का गोचर पेट आदि से संबंधित कुछ परेशानियां दे सकता है। इस तरह से कुछ पुरानी समस्याएं दूर होगी तो नई समस्याओं के आने की संभावनाएं भी रहेंगी। ऐसे में स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से साल मिला-जुला रह सकता है। अतः इस वर्ष स्वास्थ्य के प्रति खूब जागरूक बने रहना है। विशेषकर जिन लोगों को पेट, सिर दर्द, कमर दर्द व सीने आदि से संबंधित समस्याएं हैं, उन्हें विशेष जागरूक रहने की आवश्यकता रहेगी।

ज्योतिष उपाय – शनिवार को सरसों के तेल का दीपक पीपल के पेड़ के नीचे में जलाएं। हनुमान चालीसा और संकट मोचन का पाठ करें। चीटियों को आटा डालें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

अगले साल इन राशियों पर बरसेगी शनिदेव की कृपा

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, साल 2025 में शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन से कई राशि के जातकों को मनचाही जॉब मिलेगी। वहीं, कई राशि के जातकों को कारोबार में सफलता मिल सकती है। लेकिन क्या आपको पता है कि अगले साल किन राशियों पर शनिदेव की कृपा बरसेगी? ज्योतिषियों की मानें तो साल 2025 में 2 राशि के जातकों पर न्याय के देवता शनिदेव की विशेष कृपा बरसने वाली है। उनकी कृपा से हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे।

शनि गोचर 2025

ज्योतिषियों की मानें तो न्याय के देवता शनिदेव अगले साल मार्च महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव 29 मार्च को कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। वर्तमान समय में शनिदेव कुंभ राशि में विराजमान हैं और मार्गी चाल चल रहे हैं। शनिदेव के कुंभ राशि में गोचर के चलते मीन राशि के जातकों पर साढ़े साती का प्रथम चरण चल रहा है। वहीं, कुंभ राशि के जातकों पर दूसरा और मकर राशि के जातकों पर साढ़े साती का अंतिम चरण चल रहा है।

तुला राशि –न्याय के देवता शनिदेव की कृपा तुला राशि पर हमेशा बरसती है। इसके लिए तुला राशि के जातकों को कम उम्र में सफलता मिल जाती है। शनिदेव की कृपा से तुला राशि वाले कारोबार में भी बेहतर करते हैं। हालांकि, जल्दबाजी या बिना सोचे समझे कार्य करने के चलते तुला राशि के जातकों को हानि होती है। इसके लिए भावनाओं में बहकर कोई फैसला न लें और न ही जल्दबाजी में कोई कार्य करें।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, अगले साल शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से आपको विशेष लाभ होगा। कर्ज की समस्या से मुक्ति मिलेगी। शत्रु भय से मुक्ति मिलेगी। करियर और कारोबार की चिंता दूर होगी। कोर्ट-कचहरी संबंधी विषयों में सफलता मिल सकती है, लेकिन आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल रखना है। अनदेखी करने से नुकसान हो सकता है। आर्थिक लाभ हो सकता है। मेहनत के अनुरूप फल मिलेगा। कई अवसर पर दोगुना फल मिलेगा। हर शुक्रवार के दिन जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा करें। वहीं, सोमवार के दिन कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से सुखों में वृद्धि होगी।

मकर राशि–अगले साल शनिदेव की विशेष कृपा मकर राशि के जातकों पर बरसेगी। उनकी कृपा से सभी रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। धन संबंधी परेशानी दूर हो जाएगी। मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी। उधार से भी निजात मिलेगी। अगर जीवन में सब कुछ सही नहीं है, तो 29 मार्च के बाद से समय सही होगा। अगले साल शनिदेव के राशि परिवर्तन करने के साथ ही मकर राशि के जातकों को शनि की साढ़े साती से मुक्ति मिल जाएगी।

हालांकि, अपनी वाणी पर कंट्रोल रखें। अनदेखी करने या गुस्सा करने से काम बिगड़ सकता है। कई बार आप अपनी बुद्धि से काम पूरा करने में सफल होंगे। विवाह के योग बनेंगे। कई जातकों को नौकरी के योग हैं। अगर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, तो अगले साल जॉब मिल सकती है। कारोबार में भी बदलाव देखने को मिल सकता है। कुल मिलाकर कहें तो साल 2025 शुभ रहने वाला है।

शनि त्रयोदशी पर न्याय के देवता को चढ़ाएं ये चीजें, नहीं मिलेगा साढ़ेसाती में भी कष्ट

शनि त्रयोदशी व्रत बेहद शुभ माना जाता है। इसे शनि प्रदोष के नाम से भी जाना जाता है। शनिवार को पड़ने की वजह से इसे शनि त्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। यह दिन भगवान शिव और न्याय के देवता को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि त्रयोदशी का उपवास रखने से जीवन की सभी मुश्किलें समाप्त होती हैं। इसके साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और कार्य में सफलता मिलती है।

कहते हैं कि जो भक्त इस दिन साढ़ेसाती समेत विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं, उन्हें इस तिथि पर राशि अनुसार भगवान शनि को कुछ खास चीजें अर्पित करनी चाहिए।

राशि अनुसार चढ़ाएं भगवान शनि को ये चीजें

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को शनि त्रयोदशी पर भगवान शनि को तिल का तेल चढ़ाना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस दिन भगवान शनि को शमी पत्र अर्पित करने चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के जातक को इस खास दिन पर न्याय के देवता को काले तिल अर्पित करने चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातक को इस शुभ दिन पर लोहे से बनी वस्तुओं का दान करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि के जातक को इस पावन तिथि पर भगवान शनि के सामने तिल के तेल का दीपक जलाना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को गंगाजल से छाया पुत्र का अभिषेक करना चाहिए।

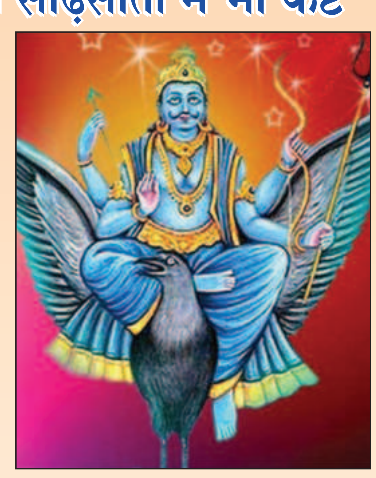

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को रवि पुत्र के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातक को इस तिथि पर भगवान शनि को उड़द की दाल अर्पित करनी चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के जातक को शनि देव महाराज का सरसों के तेल से अभिषक करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को न्याय के देवता को शमी के फूल अर्पित करने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातक को इस दिन पर सरसों के तेल में काले तिल डालकर शनि देव के सामने दीपक जलाना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि के जातक को इस शुभ दिन पर शिव भक्त को शमी के पत्र अर्पित करने चाहिए।

सोमवती अमावस्या तक इन राशियों को होगा धन लाभ, बनेंगे सारे बिगड़े काम

वैदिक पंचांग के अनुसार, 29 दिसंबर को पौष अमावस्या है। सोमवार के दिन पड़ने के चलते यह सोमवती अमावस्या कहलाएगी। इस शुभ अवसर पर देवों के देव महादेव की पूजा की जाएगी। साथ ही पितरों का तर्पण किया जाएगा। गरुड़ पुराण में निहित है कि सोमवती अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। पितरों की कृपा बरसने से धन-संपत्ति एवं वंश में वृद्धि होती है। ज्योतिषियों की मानें तो सोमवती अमावस्या तक चंद्रमा वृश्चिक राशि में रहेंगे। इससे कई राशि के जातकों को लाभ होगा। उनके सभी बिगड़े काम बनेंगे।

तुला राशि – चंद्र देव के वृश्चिक राशि में गोचर करने से तुला राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। इस राशि के स्वामी शुक्र देव हैं और आराध्या मां दुर्गा हैं। वहीं, शनिदेव की असीम कृपा तुला राशि के जातकों पर बरसती है। इसके लिए तुला राशि के जातकों को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। चंद्र देव की कृपा से तुला राशि के जातकों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। शुभ कामों में सफलता मिलेगी। रुके काम पूरे होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। दोस्तों के साथ सैर-सपाटे का भी प्लान बनेगा। कुल मिलाकर कहें तो समय अनुकूल है।

मकर राशि – चंद्र देव की कृपा मकर राशि के जातकों पर भी बरसेगी। इससे यात्रा के योग बनेंगे। बिगड़े काम बनेंगे। घर में खुशी का माहौल रहेगा। किसी दोस्त से मिलना होगा। साथ ही दोस्तों के साथ पिकनिक पर जाने का प्लान बनेगा। धन लाभ के योग बनेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी। आंखों की परेशानी हो सकती है। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख प्राप्त हो सकता है। विशेष मनोकामना पूरी होगी। बड़े भाई के साथ संबंध मधुर होंगे। वहीं, बड़ी बहन से कोई उपहार या गिफ्ट मिल सकता है। सोमवती अमावस्या के दिन सफेद चीजों का दान करें।

संपादकीय

बजट-पूर्व विमर्श

प्रधानमंत्री मोदी ने बजट-पूर्व का विमर्श शुरू कर दिया है, तो उनका फोकस 7-8 फीसदी की आर्थिक विकास दर पर है। वैश्विक चुनौतियों, अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद अर्थव्यवस्था की गति और बढ़ोतरी ऐसी रहनी चाहिए, जिससे 2047 में 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल किया जा सके। फिलहाल विकास दर कुछ पिछड़ी हुई है, लेकिन भारत इस संदर्भ में, विश्व में, प्रथम स्थान पर है। बहुत जल्द भारत की अर्थव्यवस्था, जापान को पछाड़ कर, चौथे स्थान पर आ सकती है। प्रधानमंत्री का मानना है कि 2047 का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब अर्थव्यवस्था संबंधी मानसिकताएं बदलेंगी। प्रधानमंत्री के इस विमर्श में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और नीति आयोग के नेतृत्व के साथ-साथ कई अर्थशास्त्री भी शामिल थे। विकास-दर के अलावा विमर्श का फोकस यह रहा कि यदि अमरीका और चीन के बीच 'टैरिफ वार' छिडऩे की नौबत आती है, तो भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? भारत को ऐसी योजनाएं तैयार करनी चाहिए, जिनसे हम उन स्थितियों का लाभ उठाते हुए अवसरों को बटोर सकें। फिलहाल आर्थिक विशेषज्ञों ने सुझाव दिए हैं कि हमें देश में रोजगार-सृजन, कौशल-विकास, कृषि उत्पादकता को बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और निर्यात बढ़ाने सरीखे मुद्दों पर विशेष फोकस रखना होगा। बेरोजगारी भारत की प्रमुख समस्या है, जिससे अलग-अलग तनाव पैदा होते हैं। किसान भी आंदोलित है, क्योंकि आज भी वह आर्थिक तौर पर विपन्न है और फसलों के व्यापार के संकट भी उसके सामने हैं। देश के जीडीपी में कृषि का योगदान 17 फीसदी से ज्यादा है। आर्थिक विकास-दर की एक चिंता सामने आई कि जुलाई-सितंबर की तिमाही में बढ़ोतरी 5.4 फीसदी हुई, जो सात तिमाहियों में कम है। जाहिर है कि नीति-निर्माताओं में 'खतरे की घंटी' बज गई होगी! विशेषज्ञों ने आर्थिक विकास-दर और कुछ सुधारों की व्यापकता पर भी विमर्श किया। जो आर्थिक पतन सामने आया है, उससे भारतीय रिजर्व बैंक समेत कई एजेंसियां सचेत हुई हैं। हालांकि आरबीआई की हालिया रपट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की छमाही के बाद निजी खपत और ग्रामीण मांग में बढ़ोतरी होगी। त्योहारी मौसम की अर्थव्यवस्था के आंकड़े भी स्पष्ट होंगे, नतीजतन विकास-दर में सुधार दिखाई देगा। बहरहाल विशेषज्ञों के सुझाव हैं कि कृषि क्षेत्र और कराधान क्षेत्र में सुधार जरूरी हैं। टमाटर, प्याज, आलू के क्षेत्रों में कीमतें स्थिर होनी चाहिए। इन फसलों का फायदा किसान को भी मिलना चाहिए। जलवायु-परिवर्तन और ऊर्जा संक्रमण संबंधी रणनीतियां बनाने के सुझाव भी दिए गए। व्यापार और निर्यात से जुड़े मुद्दों पर भी विमर्श किया गया। मुक्त व्यापार समझौतों, टैरिफ रणनीति, रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण आदि पर विशेषज्ञों ने सुझाव दिए। खासकर रोजगार के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण गहरा किया जाए और श्रम की गरिमा पैदा की जाए, ऐसे सुझाव भी दिए गए। यह चिंतित पहलू भी सामने आया कि जीडीपी में बीमा क्षेत्र की हिस्सेदारी सिकुड़ कर 3.7 फीसदी ही रह गई है। यह बीते दो सालों से लगातार घट रही है। विमर्श के बाद मीडिया को जो खुलासा किया गया, उसमें रोजगार के अवसर और अधिक से अधिक नौकरियां पैदा करने की बात प्रमुख थी। उसी से निजी समृद्धि, निजी मांग और खपत तथा अंततः बाजार जुड़े हैं। वे ही किसी अर्थव्यवस्था की विकास-दर को बढ़ा सकते हैं। बहरहाल तमाम गतिविधियों के बावजूद भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से फिलहाल कुछ दूर रहेगा। यदि 4.5 ट्रिलियन डॉलर तक भी भारत पहुंचता है, तो वह दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

वैश्विक चुनौतियों, अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद अर्थव्यवस्था की गति और बढ़ोतरी ऐसी रहनी चाहिए, जिससे 2047 में 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल किया जा सके। फिलहाल विकास दर कुछ पिछड़ी हुई है, लेकिन भारत इस संदर्भ में, विश्व में, प्रथम स्थान पर है। बहुत जल्द भारत की अर्थव्यवस्था, जापान को पछाड़ कर, चौथे स्थान पर आ सकती है। प्रधानमंत्री का मानना है कि 2047 का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब अर्थव्यवस्था संबंधी मानसिकताएं बदलेंगी। प्रधानमंत्री के इस विमर्श में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और नीति आयोग के नेतृत्व के साथ-साथ कई अर्थशास्त्री भी शामिल थे। विकास-दर के अलावा विमर्श का फोकस यह रहा कि यदि अमरीका और चीन के बीच 'टैरिफ वार' छिडऩे की नौबत आती है, तो भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? भारत को ऐसी योजनाएं तैयार करनी चाहिए, जिनसे हम उन स्थितियों का लाभ उठाते हुए अवसरों को बटोर सकें। फिलहाल आर्थिक विशेषज्ञों ने सुझाव दिए हैं कि हमें देश में रोजगार-सृजन, कौशल-विकास, कृषि उत्पादकता को बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और निर्यात बढ़ाने सरीखे मुद्दों पर विशेष फोकस रखना होगा।

भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है

कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था

प्रियंका सौरभ

भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं।

भारतीय शासन व्यवस्था को अक्सर 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है, जो कि प्रभावी शासन के लिए उपलब्ध बड़ी प्रशासनिक मशीनरी और सीमित मानव संसाधनों के बीच असंतुलन को दर्शाता है। जबकि नौकरशाही प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं, कर्मियों की कमी कुशल कार्यान्वयन में बाधा डालती है। यह विरोधाभास देरी, अक्षमताओं और अपर्याप्त सार्वजनिक सेवा वितरण का कारण बनकर शासन को प्रभावित करता है, जिससे नागरिकों की जरूरतों के प्रति राज्य की जवाबदेही कम होती है। शासन व्यवस्था को 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास केवल 7,000 कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में 22,000 कर्मचारी हैं, जो राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन में प्रभावशीलता को सीमित करता है। नीति-निर्माण अत्यधिक केंद्रीकृत है, लेकिन कार्यान्वयन सीमित फ्रंटलाइन कर्मियों द्वारा की जाने वाली एक बोझिल प्रक्रिया बनी हुई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, जबकि नीति निर्माण मंत्रालय स्तर पर रहता है, जिससे देरी और लागत में कमी आती है। सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी

नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। बोझिल विनियामक मंजूरी और अग्रिम पंक्ति के निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की कमी के कारण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को लागत में वृद्धि और देरी का सामना करना पड़ता है। नीति निर्माण और निष्पादन का विभाजन निर्णय लेने वालों और सेवा कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच एक वियोग पैदा करता है, जिससे खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही कम हो जाती है। जब सड़क निर्माण परियोजनाओं में समस्याएँ आती हैं, तो मंत्रालयों और कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच निगरानी के लिए स्पष्ट ज़िम्मेदारी की अनुपस्थिति के कारण दोषारोपण और अक्षमताएँ होती हैं। सरकार के भीतर कौशल की कमी के कारण महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निजी परामर्श फर्मों पर निर्भरता बढ़ जाती है, जिससे सार्वजनिक व्यय बढ़ जाता है। भारत सरकार ने उन कार्यों के लिए परामर्श शुल्क पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षित अधिकारियों के साथ घर में ही प्रबंधित किया जा सकता था। नौकरशाही की जटिल प्रक्रियाएँ जोखिम लेने और विवेकाधीन निर्णय लेने से परहेज़ पैदा करती हैं, जिससे नवाचार बाधित होता है और अनुकूलन धीमा होता है। उच्च सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन और नौकरी की सुरक्षा के साथ प्रोत्साहनों का गलत संरेखण ऐसे लोगों को आकर्षित करता है जो सामाजिक सेवा के बजाय वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय लेने, जवाबदेही में सुधार और प्रक्रियाओं को गति देने के लिए प्रत्यायोजित अधिकार के साथ फ्रंटलाइन कर्मियों को सशक्त बनाएँ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समान नीतियों को क्रियान्वित करने में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अधिक नियंत्रण देने से देरी कम होती है और दक्षता में सुधार होता है। लाइसेंस और मंजूरी के बोझ को कम करने के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें, जिससे नागरिकों और व्यवसायों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच आसान हो। परमिट और अनुमोदन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करने वाले ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जटिलता को कम कर सकते हैं और प्रक्रियाओं को गति दे सकते हैं। मध्यम वेतन सुधार लागू करें जो सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन को निजी क्षेत्र के मुआवजे के साथ संरेखित करते हैं, भ्रष्टाचार को हतोत्साहित करते हैं और सामाजिक सेवा से प्रेरित व्यक्तियों को आकर्षित करते हैं। प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहनों को लागू करना और प्रतिस्पर्धी, लेकिन उचित वेतन सुनिश्चित करना सामाजिक सोच वाले पेशेवरों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के आकर्षण को बढ़ा सकता है। निरीक्षण और जवाबदेही तंत्र को मजबूत करें: नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसी एजेंसियों में सुधार करें ताकि ऑडिट और जांच को अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके और केवल अनुपालन के बजाय नीति उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। निरीक्षण एजेंसियों को नीतिगत निर्णयों की जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बनाने से यह सुनिश्चित होगा कि वे संदर्भ को समझें, जिससे मुकदमेबाजी और परियोजना निष्पादन में देरी कम होगी।. भारत के 'लोगों की संख्या कम' लेकिन 'प्रक्रियाओं की संख्या अधिक' होने के कारण शासन में अधिक जवाबदेही और दक्षता की आवश्यकता है।

दृश्टि कोण

औपनिवेशिक विरासत को त्यागे भारतीय सेना

यदि यह पूछा जाए कि क्या भारतीय सेना में अभी भी अंग्रेजों द्वारा स्थापित परंपराएं जारी हैं जो हमें विरासत में मिली हैं तो जवाब हां में ही होगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीय सेना को ब्रिटिशकालीन नीतियों एवं परंपराओं की तर्ज पर ही संगठित किया गया था और वे तौर तरीके अभी भी प्रचलन में हैं। यह सच है कि भारतीय सेना का आधुनिकीकरण तो हुआ है, लेकिन रेजिमेंटों के तौर तरीके, नियम कायदे अभी भी अंग्रेजों द्वारा स्थापित परंपराओं के हिसाब से चल रहे हैं। जो थोड़े बहुत बदलाव हुए भी हैं तो उनमें सितंबर 2022 में भारतीय नौसेना ने ब्रिटिश-प्रेरित जॉर्ज क्रॉस को हटाकर एक नया ध्वज अपनाया गया है। यह ध्वज शिवाजी महाराज की मुहर से प्रेरित है, शेष कुछ खास बदलाव नहीं दिखता है। हालांकि औपनिवेशिक प्रथाओं को खत्म करने के लिए, स्वदेशी रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की जा रही है। इसमें प्राचीन भारतीय रणनीतिकारों के कार्यों को सैन्य नेतृत्व द्वारा पाठ्यक्रमों में शामिल करना शामिल है। जिन क्षेत्रों में आज भी भारतीय सेना में बदलावों की जरूरत है, उनमें निचले दर्जे के जेसीओज और अन्य रैंक के नामकरण में बदलाव होना चाहिए। अंग्रेजों के समय वाले सैन्य कानूनों में आधुनिक समय की जरूरतों के अनुरूप बदलाव आवश्यक है। अंग्रेजों ने क्षेत्रवार, धर्म एवं समुदायों पर आधारित रेजिमेंटों की स्थापना की थी जो अभी भी जस की तस हैं। हां! अधिकारी जरूर मिलेजुले वर्गों के हैं। बड्डी अथवा बैटमैन यानी सहायक प्रथा अभी भी प्रचलन में है जिसकी प्रायः आलोचना सुनने को मिलती रहती है, क्योंकि एक ट्रेंड सोल्जर से जूते पॉलिश करवाना या अन्य घरेलु काम करवाना कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। अभी भी अधिकारियों और जवानों की सहूलियतों, वेतन-भत्तों एवं ड्यूटी में भारी अंतर है। संसद में इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में रक्षा राज्य मंत्री सुभाष भामरे ने बताया था कि सशस्त्र बलों में कामकाज के माहौल को स्वस्थ बनाने के लिए सरकार द्वारा कई तरह के कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत जवानों के कपड़ों, खाने-पीने, परिवार के साथ रहने, यात्रा सुविधा, स्कूल, मनोरंजन, योग, मेडिटेशन, स्ट्रेस मैनेजमेंट आदि के मामले में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यही नहीं, सेना के उत्तरी और पूर्वी कमांड में जवानों के तनाव को कम करने के लिए 'मिलाप' और 'सहयोग' जैसे प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। कुछ ऐसे ही कार्यक्रम एवं उपाय केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कार्मिकों के लिए भी प्राथमिकता के आधार पर शुरू किए जाने की जरूरत है। यह देखते हुए कि आने वाले समय में लड़ी जाने वाली लड़ाईयां परमाणुयुक्त, एनबीसी वारफेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोनॉमस सिस्टम, हाइपरसोनिक हथियार, डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स, बायोटेक्नोलॉजी, क्वॉन्टम टेक्नोलॉजी वाली, अत्याधुनिक मिसाईल और ड्रोन तकनीक पर आधारित होंगी। लिहाजा हमारे सैनिकों को व्यवहारकुशल एवं बौद्धिक रूप से सक्षम बनाने, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, कम्युनिकेशन स्किल, साइबर लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स वारफेयर, प्रोपेगेंडा, मनोवैज्ञानिक तौर तरीके, मीडिया तथा सोशल मीडिया के इस्तेमाल में सतर्कता बरतने, हनिट्रेप आदि पर आधारित नई लड़ाइयों से निपटने की सिखलाई देने की आवश्यकता है। सख्त शारीरिक प्रशिक्षण के अतिरिक्त विशेषज्ञों और मोटिवेटरों द्वारा सैनिकों के मोटिवेशन लेवल को बढ़ाने की भी जरूरत है। अधिकारियों एवं जवानों के बीच बढ़ती दूरियों, गाली गलौच और अनुशासन के नाम पर सैनिकों के उत्पीडऩ की वजह से उनमें बढ़ते असंतोष के दृष्टिगत पुरानी पारम्परिक कार्यप्रणालियों, नियमों, रहन-सहन एवं खानपान संबंधी व्यवस्थाओं में बदलाव की जरूरत है। भर्ती संबंधी नियमों में बदलाव लाकर निचले स्तर पर सीधे जेसीओज एवं हवलदार पदों पर उच्च शिक्षित युवाओं को भर्ती करने तथा पुराने रेंक्स का नाम बदलकर वायुसेना की तर्ज पर नए पद नाम दिए जाने चाहिए। इसके अलावा मार्डन सोल्जर्स की वेशभूषा में हमारे सैनिकों को सुसज्जित करने की भी जरूरत है ताकि इनका मनोबल बढ़े। औपनिवेशिक काल में भारतीय सेना ब्रिटिश साम्राज्य के हितों की पूर्ति के लिए बनाई गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश शासन को बनाए रखना था। आज जब हम एक स्वतंत्र राष्ट्र हैं, तो ऐसी प्रथाओं और प्रतीकों को बनाए रखना राष्ट्रीय गर्व के लिए उचित नहीं है। इसलिए यह अनिवार्य हो जाता है कि सशस्त्र सेनाओं के आला अधिकारी ब्रिटिशकालीन प्रथाओं का पुनर्मूल्यांकन करें और ब्रिटिश समय के रैंक और पदनामों को बदलें, वहीं सलामी देने की परंपराएं औपनिवेशिक प्रणाली का हिस्सा हैं, इन्हें बदलकर भारतीय संदर्भ में अनुकूलित किया जाना चाहिए। भारतीय सशस्त्र सेनाओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं को प्रतिबिंबित करने वाले प्रतीकों को अपनाना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, नौसेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित ध्वज अपनाया। इसी प्रकार, सेना और वायुसेना को भी भारतीय परंपराओं से प्रेरणा लेकर बदलाव करना चाहिए। इन बदलावों के सामरिक लाभ भी होंगे और औपनिवेशिक प्रतीकों को हटाने से सेना के जवानों में मानसिक गुलामी की भावना समाप्त होगी। इसके अलावा, हमारे रक्षा बलों के आधुनिकीकरण को तेजी से बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। दुनिया के कई देशों ने औपनिवेशिक विरासत को त्यागकर अपनी राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए, इजराइल, चीन और जापान ने अपनी सैन्य संरचना में स्वदेशी परंपराओं को प्राथमिकता दी है।

कुछ अलग

फिसलती सड़क पर दावे

जी हुजूर, हमें स्वीकार है कि यह मुहावरा पुराना है। इसे आप बाबा आदम के जमाने का भी कह सकते हैं। इक्कीसवीं सदी के पहले बीस साल गुजरने को आए, पर्यटक धरती के रमणीक स्थलों से उठ कर व्योम में सैर के लिए व्याकुल हो उठे हैं। इनके अग्रदूत के रूप में एक हंसता-बोलता नारी रूप रोबोट भी व्योम में जाने की तैयारी में है। अंतरिक्ष ही नहीं, धरती से परे दूसरे ग्रहों में भी सामथ्र्यवान अपनी बस्तियां बसाने की तैयारी में हैं, इसके लिए आरक्षण करवाए जा रहे हैं। अग्रिम भुगतान की तैयारी हो रही है। लेकिन किसी पिछलग्गू की तरह हम अभी भी किसी नए फैशनेबल, परंतु व्याकरण और अर्थ की दृष्टि से गलत भाषा का सृजन करने के स्थान पर अपनी अभिव्यक्ति में प्राचीन कर्मी भाषा के तकिये ढूंढ रहे हैं? जाहिर तौर पर आपको यह हमारी लेखन क्षमता का अभाव या नए सच को स्वीकार न कर पाने की असमर्थता कह सकते हैं। लेकिन जब युग के बाद युग बदलते जाएं और देश प्रगति और विकास के बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद अपने आप को पीछे की ओर फिसलता पाए, सपने आकाश में उडऩे के हों और पांव पाताल की ओर रपटते नजर आएं, तो इसे अपने भाषणों और दावों में एक तरक्कीपसंद स्वप्न संसार रचने वाले लोगों को आप क्या उपालम्भ देंगे, 'नाम बड़े और दर्शन छोटे।' जी नहीं, इस देश की तरक्की की चाल के बारे में एक और बात भी कही गई है, 'दो कदम आगे और दो कदम पीछे।' महानुभाव, नतीजा देश की आम जनता के लिए क्या निकला कि महापुरुषों ने अपनी बस्तियां ग्रहों में बसाने की सोच ली और हमारा बसेरा पहले भी फुटपाथ था, आज भी फुटपाथ है। हां, इस बीच ये कुछ और टूट-फूट गए, तो इसे आने वाले इस युग की तैयारी कह लीजिए कि जिसमें फुटपाथ इतने बड़े बन जाएंगे कि जिस पर सीधे हैलीकाप्टर उतर जाएं। ये फुटपाथ तो नए बन जाएंगे, लेकिन फटेहाल आदमी अपना गूदड़ उठा कर सोचता है, अब इन फुटपाथों पर हैलीकाप्टर उतरेंगे तो हम सोचेंगे कहां? खैर, साहिब चिंता कैसी? जहां नाम बड़े होंगे, वहां तो दर्शन छोटे ही रहेंगे। कहां तो सपना था आम आदमी के लिए हैलीकाप्टर वाहन बनाने का। जी नहीं, आजादी की पौन सदी बीत चली, हैलीकाप्टर तो नहीं रहे, उन एक प्रतिशत लोगों के पास कि जिनके पास धन सम्पदा भारत जैसे बड़े देश के एक वर्ष के बजट के बराबर हो गई और हमारे लिए साइकिल युग की वापसी। अब आम लोगों के लिए फुटपाथ तोड़ हैलीपैड बनाओगे? वह तो फुटपाथ से भी गए, अब सोने के लिए क्या किसी नावदान की तलाश करें? वैसे आजकल देश के नावदान तलाश करने कठिन नहीं। जब से देश में स्वच्छ भारत की आवाज ऊंचे स्वर में होने लगी है, देश और भी अस्वच्छ हो गया है। सडक़ों के किनारे कूड़े के ढेर लगने लगे हैं। सफाई का मशीनीकरण हो रहा है। सप्ताह में रोज कूड़ा फेंकने वालों की ट्रालियां इन सडक़ों के किनारों पर कृपा करती रहती हैं। कूड़ा फैंकना बाकायदा एक व्यवसाय बन गया। बड़े होटलों, अस्पतालों और व्यावसायिक संस्थानों का कूड़ा-करकट, बचा खुचा, रात के अंधेरे में इन सडक़ों किनारे फैंकने के लिए बाकायदा कूड़ा माफिया और इनकी ट्रालियां बन गयीं। हां, देश में कूड़ा सफाई का मशीनीरण हो गया, एक ही दिन में सब कूड़ा साफ हो जाता है। शेष छह दिन इन किनारों पर नियोजित ढंग से कूड़ा फैंका जाता है। अहा! इक्कीसवीं सदी के साथ कैसा कूड़ा नियोजन हुआ। हफ्ते का काम एक दिन में निपट गया, अब मजे से सप्ताह भर कूड़ा फेंकिए, एक दिन में उठवा दीजिए। इस अभियान में देश अधिक स्वच्छ हुआ कि अस्वच्छ? इस पर चिंतन बाद में करेंगे।

देश दुनिया से

ये दाग अच्छा है!

पूजा करना, दान देना, व्रत-उपवास रखना आदि सभी सद्कर्म हैं और निश्चयपूर्वक इनके पालन का फल अच्छा ही होगा। हर धर्म इनकी अनुशंसा करता है। ध्यान बस यह रखना है कि हम घर में बैठ कर पूजा करें या किसी पूजा स्थल पर जाकर माथा टेकें, उसका जो महत्व है उससे भी ज्यादा महत्व इस बात का है कि पूजा के बाद हम दिन भर क्या करते हैं, हमारा व्यवहार कैसा रहता है? हमारा दिन भर का व्यवहार और हमारे काम ही नियत करते हैं कि हम आस्तिक हैं या नहीं। मंत्रों का जाप करके, भजन-कीर्तन करके, पूजा-पाठ करके हम खुद को आस्तिक मानते रह सकते हैं, पर आस्तिक सिर्फ और सिर्फ वही है जो दिन भर के अपने कामों और व्यवहार में ईमानदार है, दयालु है और समाज की भलाई के लिए योगदान देने को तैयार है। एक अच्छा पति वह नहीं है जो बीवी को शॉपिंग करवाए, उसे देश-विदेश की सैर करवाए, बल्कि वह है जो ध्यान से उसकी बात सुने, उसके भावों को समझे, उसे आदर दे और प्यार दे। भूख रोटी से मिटती है, मक्खन से नहीं। शॉपिंग और सैर मक्खन हैं। भावों की समझ, आदर और प्यार वह रोटी है जो बीवी का रिश्ता निभा रही महिला को तृप्ति देती है। इसी तरह पूजा-पाठ, दान, व्रत-उपवास आदि मक्खन हैं, दिन भर लोगों से शांति का व्यवहार, उनकी गलतियों के बावजूद उनसे सहानुभूति, इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु से प्यार, जरूरतमंदों की सहायता, मार्गदर्शन और ममतापूर्ण प्रेम हमें अच्छा इनसान बनाती हैं। हम पूजा-पाठ करते हों, व्रत-उपवास रखते हों, दान देते हों, लेकिन हम क्रोधी हों, अहंकारी हों, निर्दयी हों, लालची हों, झूठ बोलते हों, धोखेबाज हों, शिकायती हों, तो हमारी आस्तिकता और हमारे पूजा-पाठ, व्रत-उपवास और दान किसी काम के नहीं हैं। तब हमारी आस्तिकता या तो लोक दिखावा है, या हमारे अहंकार को बढ़ाने वाला अस्त्र है। अच्छा इनसान बने बिना हम आस्तिक हैं ही नहीं। आस्तिक होना पूजा-पाठ, व्रत-उपवास और दान तक ही सीमित नहीं है। वास्तविक आस्तिकता का मतलब है कि हमारे कारण हमारे आसपास का वातावरण सुखमय, शांतिमय और सौहार्दपूर्ण हो जाए, हमारे कारण हमारे आसपास के लोगों में उत्साह जगे, हमारे कारण हमारे संपर्क में आने वाले लोगों का भला हो, वे जीवन में आगे बढ़ सकें और अपनी व दूसरों की सहायता के काबिल बन सकें। आस्तिकता ग्रंथों और मूर्तियों तक ही सीमित नहीं है, इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु के प्रति प्रेम, आदर और श्रद्धा ही असली आस्तिकता है। देहरादून के निवासी मेरे मित्र विनीत पंछी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो संगीत के रसिया ही नहीं पारखी भी हैं। वे 'वर्ड ऑव माउथ मीडिया' नामक मीडिया इन्क्यूबेटर तथा 'जय हिंद प्रोजेक्ट' के संस्थापक होने के साथ-साथ शायर हैं, कवि हैं, लेखक हैं, अभिनेता हैं, टेडएक्स स्पीकर हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी ने उन्हें घर से बाहर रहने पर विवश किया, पर अंततः उन्होंने अपने घर देहरादून वापस आकर अपने शौक को व्यवसाय में बदला। विनीत पंछी एक ऐसे टेढ़े इनसान हैं जो सीधे काम करते हैं। उनकी माता जी सिख परिवार से हैं, अत्यंत धार्मिक हैं, सिख धर्म से जुड़े हर पर्व पर गुरुद्वारा जाना उनकी रूटीन है। परिवार की इस संस्कृति के बावजूद वे किसी पूजा स्थल पर नहीं जाते, और उन्हें सिगरेट और शराब से भी परहेज नहीं है। इस नास्तिकता के पीछे ज्ञान का तर्क है, वैज्ञानिक सोच है, और जीवन का अनुभव है। लेकिन संवेदनशीलता की हद यह है कि उनके हर काम में पूर्ण समर्पण, निष्ठा, ईमानदारी, और पूरी काबलियत नजर आती है। नौकरी के कारण उन्हें घर से बाहर रहने को विवश होना पड़ा तो आज वह देहरादून के नौजवानों को वहीं पर रोजगार कर पाने का प्रशिक्षण देते हैं ताकि उन्हें अपने परिवार से अलग न होना पड़े। उन्हें अगर रेहड़ी-फड़ी वाले, दर्जी, धोबी आदि में भी अनुशासन दिखे, काम में काबलियत दिखे तो उसे लेकर वे पॉडकास्ट बनाएंगे, लेख लिखेंगे और उसकी सिफारिश भी करेंगे। लोगों को प्रेरित करना, उनके जीवन में आशा का संचार करना उनका एकमात्र लक्ष्य है। वे बॉलीवुड या क्रिकेट के सितारों के अंधानुकरण से दूर जीवन के उन नायकों की बात करते हैं जिन्हें हम अक्सर उपेक्षित कर देते हैं। सेवा भाव, विनम्रता, वफादारी, बहादुरी, रफ्तार और 'हो जाएगा' का उम्मीद भरा नजरिया उनकी ताकत हैं। कार्पोरेट जीवन से बाहर आकर उन्होंने जब देहरादून में अपना व्यवसाय आरंभ किया तो निश्चित आय का साधन जाता रहा। इससे जीवन में उतार-चढ़ाव आए, बहुत सी असफलताएं मिलीं और तकलीफें सहनी पड़ीं। इन तकलीफों ने उन्हें तोडऩे के बजाय मजबूती दी, तकलीफें उनकी प्रेरणा बन गईं और उनके कवि मन की संवेदना ने उन्हें एक बेहतर इनसान बना दिया। उसी का फल है कि आज वे नौजवानों को ऐसा प्रशिक्षण दे रहे हैं ताकि वे सफल हों और सफलता के साथ-साथ बेहतर इनसान भी बनें। 'सहज संन्यास मिशन' में हमें चार नियमों का पालन करना सिखाया जाता है। वे नियम हैं .. तन की सेवा, मन की सेवा, जन की सेवा और मनन की सेवा। अपनी सेहत का ध्यान रखना, शक्तिवर्धक भोजन खाना, व्यायाम करना आदि तन की सेवा के उदाहरण हैं। क्रोध न करना, उदास न होना, डर से न डरना, पछताते न रहना आदि मन की सेवा के उदाहरण हैं। अपने आसपास के लोगों की सहायता, उनका मार्गदर्शन, उनकी सेवा आदि जन की सेवा के उदाहरण हैं, और बेहतर इनसान बनने, अपनी कमियां सुधारने तथा अपनी काबलियत बढ़ाने आदि के लिए किया गया आत्मचिंतन मनन की सेवा का उदाहरण है। विनीत पंछी मन की सेवा, जन की सेवा और मनन की सेवा की कसौटी पर खरे उतरते हैं। विनीत पंछी की माता जी सिख धर्म की सच्ची अनुयायी हैं। सिख परंपरा में सेवा धर्म का खुलासा करते हुए जिस आदर्श वाक्य का पालन किया जाता है, वह है .. 'नाम जपो (परमात्मा का स्मरण), किरत करो (मेहनत और ईमानदारी की कमाई), वंड छको (मिल-बांट कर खाओ)'। विनीत पंछी किसी पूजास्थल पर नहीं जाते, भक्ति का दिखावा नहीं करते, पर वे मेहनत और ईमानदारी की कमाई खाते हैं और नौजवानों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें जीवन में सफलता के मंत्र सिखाते हैं, रोजगार के साधनों और अवसरों की जानकारी देते हैं।

आप का नजरिया

वर्षान्त पर्यटन पैकेज

पर्यटन संस्कृति को सरकारी दायित्व में अपनाते हुए हिमाचल ने कुछ तो नियमों की शब्दावली बदली है, लेकिन हम गोवा, गुजरात या केरल की पांत में खड़े हों, इसके लिए निरंतर प्रयास की जरूरत है। बहरहाल, सप्ताहांत से वर्षान्त पर्यटन की तलाशी में हिमाचल पुनः नए वर्ष की उम्मीदों के साथ खड़ा है, तो पर्वतीय प्रांगण में गुलदस्ते हाजिर हैं। विंटर कार्निवाल की प्रस्तुति में शिमला अपनी सेज पर सैर सपाटा सजाए, पर्यटकों की महफिल का आगाज कर चुका है, तो पहाड़ों पर बर्फ की चांदनी ने चमत्कार किया है। ऐसे में कुछ तो ऐसा है कि नए साल की शुरुआत रोमांच का पर्व बन गई। यह दीगर है कि फिलवक्त घंटियां उन्हीं हिल स्टेशन पर बज रही हैं, जो अंग्रेजी हुकूमत की दरगाह बनी सैलानियों को दर्शन दे रही हैं। बेशक हुकूमत ने साल के मनोरंजन से कानून की बेडियां ढीली की हैं, लेकिन पर्यटन की ताजपोशी के लिए पूरे राज्य की तैयारी को नया आयाम मिलना चाहिए। नए साल की घंटियां तो तमाम मंदिरों में भी बजती हैं और दियोटसिद्ध में तो बाकायदा समारोह मनाया जाने लगा है। प्रदेश में दिसंबर से जनवरी के पूरे महीने तक पर्यटन का राष्ट्रीय फलक खुलता है। यह खुली धूप सेंकने से पहाड़ों पर बर्फबारी के खुमार तक एक ऐसी दस्तक है, जो पूरे परिदृश्य को बदल सकती है। इस बीच लोहड़ी, मकर संक्रांति और कांगड़ा, बैजनाथ और मंडी के घृतमंडल समारोहों की भूमिका का परिचय जुड़े तो कमाल का पैकेज बन जाएगा। पर्वत की गुनगुनी धूप में सुजानपुर का मैदान, चंबा का चौगान और अन्य प्रमुख मैदानों पर अगर वसंतोत्सव की थाप पर पतंगबाजी के लिए आकाश चुना जाए, तो लोक संस्कृति के कई महोत्सव जमीन पर उतर आएंगे। सुक्खू सरकार ने वर्षान्त पर्यटन को सुखद अनुभव बनाने के लिए बाजारों की बंदिश को चौबीस घंटे खोल दिया है, लेकिन इस आजमाइश को पर्यटन की जरूरत से जोडऩे के लिए सारे प्रदेश में पर्यटन या नाइट मार्किट की शुरुआत होनी चाहिए। पर्यटक गांव की परिकल्पना एक शुरुआत है, लेकिन इसकी पहल में पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की भूमि रूठ गई या धर्मशाला के नरघोटा की प्रस्तावित साढ़े छह सौ कनाल भूमि से सियासी निजाम रूठ गया। एशियन विकास बैंक के ऋण व केंद्र की सहायता से हिमाचल की पर्यटन परियोजनाओं का श्रृंगार परिवर्तन ला सकता है। प्रस्तावित 2416 करोड़ की परियोजनाओं में से 1680 करोड़ की स्वीकृति से एक खाका तो बनाया जा सकता है, लेकिन बेहतर इस्तेमाल की वजह सामने आनी चाहिए। अतीत में पर्यटन के नाम पर सियासी बुर्ज तो खड़े हुए, लेकिन कई परिकल्पनाएं औंधे मुंह गिरीं। पर्यटन में रोमांच ही असल में सैलानियों को करीब लाता है। हिमाचल की प्राकृतिक झीलों के अलावा कृत्रिम बांधों की विरासत में पर्यटन का ढांचा पौंग, भाखड़ा व कोल डैम के आसपास विकसित होना चाहिए। साल में वसंत की पैरवी में ऐतिहासिक या धरोहर उत्सव अगर कुछ संगीत महोत्सवों की रूपरेखा में कांगड़ा किला या सुजानपुर के मैदान को रोमांच से भर दें या लोहड़ी उत्सव की धुन में गरली-परागपुर के अंगीठों में फिर से अलाव के साथ संगीत समारोह तथा फूड फेस्टिवल जोड़ दिया जाए, तो हिमाचल में एक साथ कई गोवा सामने आ जाएंगे। जाहिर है हिमाचल को अपने पर्यटन कैलेंडर के अनुशासन में साल भर ऐसे महोत्सव चुनने व बुनने होंगे जो यहां की संस्कृति, गीत-संगीत, खानपान और रोमांच का प्रतिनिधित्व करें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आप–को अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 27 दिसंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 02:29 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 08:29 तक
योग : धृति रात्रि 10:36 तक
करण : कौलव दोपहर 01:42 तक
चन्द्रराशि : तुला दोपहर 01:57 तक
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 05:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 05:53 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सड़क दुर्घटना में जिम्मेदारी तय कर करें सख्त कार्यवाही : भजनलाल

जयपुर,26 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें सरकार, प्रशासन और जनता सभी का योगदान आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए मिशन मोड पर काम करें। उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर इनका शीघ्र सुधार किया जाए तथा प्रदेशभर में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनवरी से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं तथा इसके अन्तर्गत स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही, जनसाधारण को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है जिसमें विभिन्न विभागों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि परिवहन एवं सड़क सुरक्षा, पुलिस, सार्वजनिक निर्माण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा शिक्षा सहित विभिन्न विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने का प्रयास करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण एवं प्रभावितों की बेहतर देखरेख हेतु राज्य में 6ए (एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, इवेल्यूएशन, एन्गेजमेंट) आधारित रणनीति के तहत कार्यवाही प्रारंभ की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले ई (एजुकेशन) के तहत सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में लोगों को शिक्षित किया जाए। दूसरे ई (इजीनियरिंग) के तहत सड़कें, ब्रिज अन्य बुनियादी ढ़ांचे को सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए बेहतर डिजाइन किया जाए। उन्होंने कहा कि तीसरे ई (एनफोर्समेंट) के तहत यातायात कानूनों की सख्ती से पालना सुनिश्चित किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना एवं अन्य दंडात्मक कार्रवाई की जाए। चौथे ई (इमरजेंसी) के तहत दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा पांचवे ई (इवेल्यूएशन) के तहत सड़क सुरक्षा उपायों का नियमित रूप से मूल्यांकन कर सुरक्षा उपायों में सुधार किया जाए तथा छठवें ई (एन्गेजमेंट) के तहत समुदाय एवं विभिन्न हितधारकों को सड़क सुरक्षा अभियानों में शामिल किया जाए।

शर्मा ने कहा कि यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग, साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर सहित तमाम प्रबंध सुनिश्चित किया जाए जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं स्पीड मॉनिटरिंग उपकरण व ऑटोमेटेड चालान प्रणाली लागू की जाए। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग यह सुनिश्चित करे कि बिना परमिट के वाहनों की सड़कों पर आवाजाही ना हो तथा उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। साथ ही, ट्रोमा केयर सुदृढ़ीकरण करने, गैर मोटर चलित वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप अभियान चलाने एवं जिलों में सड़क सुरक्षा समितियों के माध्यम से आईरैड के आधार पर एंबुलेंसों की प्री–पोजिशनिंग के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए।

हर सात दिन में रिर्पोट दे, सड़क खराब मिली तो निरीक्षणकर्ता की जिम्मेदारी तय होगी : दिया कुमारी

जयुपर,26 दिसंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को विशेष अभियान चला कर दुर्घटना सम्भावित क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत, अतिक्रमण हटाने, स्पीड ब्रेकर ठीक करवाने, जेबरा क्रोसिंग,साईनेंज सहित अन्य आवश्यक सुविधायें विकसित करने के निर्देश दिए है। उपमुख्यमंत्री गुरुवार को निर्माण भवन में आयोजित समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी।

उपमुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को नियमित फिल्ड विजिट कर सड़कों की गुणवत्ता जांच करने के निर्देश दिए है। उन्होनें निर्देश दिए है कि अधिकारी जिन सड़कों का निरीक्षण करेंगे उसकी रिर्पोट हर सात दिन में प्रस्तुत करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यदि निरीक्षण की गई सड़को की गुणवत्ता खराब मिलेगी तो निरीक्षण करने वाले अधिकारी की जिम्मेदारी तय होगी।उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि कार्बन फुट प्रिंट कम करने के लिए सड़क निर्माण में पर्यावरण हितैषी सामग्री का इस्तेमाल करें। उन्होनें बायो बिटूमिन का प्रयोग कर एक सड़क पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए है।

भगवती और महेश बल्दवा का नागरिक अभिनंदन

डूंगरगढ, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थान के श्री डूंगरगढ़ की बेटी और प्रसिद्ध उद्यमी भगवती बल्दवा का उद्योगपति और भामाशाह महेश बल्दवा के साथ भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। श्री डूंगरगढ के माहेश्वरी सेवा सदन में आयोजित सम्मान समारोह में बल्दवा दंपति को उनकी अद्वितीय उपलब्धियों के लिये सैकड़ों प्रवासी राजस्थानी उद्य–ोगपतियों, कारोबारियों और प्रसिद्ध कथावाचक डॉ रामप्रसाद महाराज की मौजूदगी में सम्मानित किया गया। समारोह में श्री डूंगरगढ़ और सुरजनसर बास के करीब 125 परिवारों की उपस्थिति भी रही। जो देश दुनिया से खास तौर पर इस कार्यक्रम में पहुंचे। इस भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह में श्री डूंगरगढ़ के सैकड़ों की तादाद में लोग शामिल हुए। इस मौके पर श्री डूंगरगढ़ की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने बल्दवा दंपति को सम्मानित करते हुए उनकी उद्यमशीलता व समाज सेवा में योगदान को सराहा और उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की।

समारोह में भगवती बल्दवा ने अपने संबोधन में कहा कि देश और दुनिया में सम्मान मिलता रहा है, लेकिन अपनी जन्मस्थली पर इस तरह का नागरिक अभिनंदन मेरे लिए सौभाग्य और गर्व की बात है। डूंगरगढ़ की मिट्टी से मुझे जो ताकत और प्रेरणा मिली है, उसी ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि यह वही जमीन है, जिसने उन्हें निडर बनने और ऊंचे सपने देखने की प्रेरणा दी। भगवती बल्दवा ने इस मौके पर महिलाओं को एक खास संदेश देते हुए कहा कि हर बहन और बेटी को अपने पिता और पति की बातों को सुनना और मानना चाहिए। उनके समर्थन और मार्गदर्शन से महिलाएं अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकती हैं। उनका यह संदेश महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और बड़े सपने देखने की प्रेरणा देता है। इस मौके पर प्रसिद्ध उद्योगपति और भामाशाह महेश बल्दवा भी इस सम्मान से अभिभूत नजर आए। उन्होंने कहा कि राजस्थान की माटी में एक विशेष ताकत है, जो हमें आगे बढ़ने का हौसला देती है। इस धरती पर सम्मान मिलना अपने आप में खास होता है। महेश बल्दवा ने सभी से सनातन संस्कृति के मूल्यों और परंपराओं से जुड़े रहने की बात कही।इग्जोरियल बायोमैड की चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर भगवती बल्दवा और प्रवासी राजस्थानी उद्योगपति महेश बल्दवा हर्बल फार्मा के क्षेत्र में बड़ा नाम हैं। जिनकी कंपनी आयुर्वेदिक नवाचार के कारण आज 65 से अधिक देशों में लोकप्रिय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने कार्यक्रम मन की बात में इग्जोरियल बायोमेड के नवाचारों और उनके भारतीय आयुर्वेद को विश्व मंच पर ले जाने के प्रयासों की प्रशंसा की थी। इन्होंने राजस्थान से निकलकर ना केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता पाई है, बल्कि अपनी जन्मभूमि से भी गहरा जुड़ाव बनाए रखा है।

राजस्थान पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 को रद्द करने की अनुशंसा

गृह विभाग ने सरकार को भेजी रिपोर्ट

जयपुर,26 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में उप निरीक्षक पुलिस प्लाटून कमाण्डर भर्ती परीक्षा–2021 को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य सरकार ने इस परीक्षा में हुए अनुचित साधनों के उपयोग के बाद इसे रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले में एसआईटी (विशेष जांच दल) द्वारा दी गई अनुशंसा के बाद अब सरकारी स्तर पर इसे लागू करने के लिए कार्यवाही की जा रही है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा 2021 में कुल 859 उप निरीक्षक पुलिस प्लाटून कमाण्डर के पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। हालांकि, इस परीक्षा में व्यापक रूप से अनुचित साधनों का उपयोग होने की रिपोर्ट सामने आई है। इसके बाद, राज्य सरकार ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए 16 दिसंबर 2023 को एक एसआईटी का गठन किया, जिसका नेतृत्व अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्री विजय कुमार सिंह, आईपीएस द्वारा किया गया।

एसआईटी की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया कि परीक्षा के दौरान कई अभ्यर्थियों ने धोखाधड़ी के तरीके अपनाए थे, जिसके परिणामस्वरूप अयोग्य उम्मीदवारों का चयन हुआ। जांच के दौरान यह पाया गया कि इन अनुचित साधनों के कारण चयनित उम्मीदवारों की पहचान करना बेहद मुश्किल था। इसके बाद, राज्य सरकार ने इस परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया और पुनः परीक्षा आयोजित करने की अनुशंसा की। 22 अगस्त 2024 को राजस्थान पुलिस के महानिदेशक ने एसआईटी की रिपोर्ट को मंजूरी दी और गृह विभाग को भेजा।

प्रधानमंत्री के प्रयासों से हर साल 26 दिसंबर को देशभर में मनाया जाता है 'वीर बाल दिवस': नायब सिंह

चंडीगढ़,26 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर लोगों से गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों द्वारा दिए गए बलिदानों से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को साहिबजादों की तरह साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का महत्व सिखाएं और उनके जीवन में इन मूल्यों को शामिल करें। यही उनके अद्वितीय बलिदान के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी धर्म गुरुओं और सभी सामाजिक संस्थानों से आग्रह करते हुए कहा कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट होकर जन आंदोलन चलाएं, ताकि इस गंभीर समस्या को जड़ से खत्म कर युवा शक्ति को बचाया जा सके। दोनों वीर साहिबज़ादों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा ज़ोरावर सिंह और बाबा फ़तेह सिंह का अद्वितीय बलिदान हमें राष्ट्रहित में बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए प्रेरित करता है। छोटी सी आयु में शहादत देने वाले वीर साहिबज़ादों की अमर गाथा इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है।

नायब सिंह सैनी ने वीर साहिबज़ादों के शहीदी दिवस को हर वर्ष 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से अब हर वर्ष 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' पूरे देश में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार के सभी सदस्यों ने एक ही सप्ताह 20 से 27 दिसम्बर, 1704 में धर्म व आम जन की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दी थी। उनके परिवार की शहादत को दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी शहादत माना जाता है। उनकी कुर्बानियां देश, धर्म और समाज की रक्षा के लिए थीं। उनका बलिदान कमजोर और बेसहारा की रक्षा के लिए था। उन्होंने मानव मात्र के लिए सत्य, न्याय और धर्म का संदेश दिया।

साहिबजादों की शहादत का बदला लेने वाले महान वीर बाबा बन्दा सिंह बहादुर जी को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पहले ऐसे सिख सेनापति हुए, जिन्होंने मुगलों के अजेय होने के भ्रम को तोड़ा। उन्होंने गुरु गोबिन्द सिंह जी के संकल्प को पूरा करते हुए प्रभुसत्ता सम्पन्न सिख राज्य की राजधानी लोहगढ़ की नींव रखी, जो हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में स्थित है।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों के तबादलों पर जारी किए निर्देश

एच.आर.एम.एस. के माध्यम से किए जाएं सभी तबादले

चंडीगढ़,26 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने सभी विभागाध्यक्षों, बोर्डों और निगमों के प्रबंध निदेशकों और मुख्य प्रशासकों को निर्देश दिए हैं कि किसी कर्मचारी के एक स्थान से दूसरे स्थान पर तबादले के संबंध में स्थापित दिशा–निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, अस्थायी समेत सभी तबादला आदेश एच.आर.एम.एस.(मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली) मॉड्यूल के माध्यम से जारी किए जाने चाहिए। इस प्रणाली के बिना जारी किए गए किसी भी आदेश को अवैध माना जाएगा। एच.आर.एम.एस. द्वारा जारी आदेशों के बिना स्थानांतरित कर्मचारियों को उनके नए स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें अपने वर्तमान पद पर बने रहना होगा। इसके अलावा, ज्वाइनिंग रिपोर्ट भी एच.आर.एम.एस. मॉड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि सरकार के संज्ञान में कुछ ऐसे मामले आए हैं, जहां विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय से अनिवार्य सलाह लिए बिना या एच.आर.एम.एस. मॉड्यूल का उपयोग किए बिना स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे। इस तरह के उल्लंघन स्थापित नियमों के खिलाफ हैं और पारदर्शी प्रबंधन प्रक्रिया को बाधित करते हैं। राज्य सरकार ने एक बार फिर दो–हराया है कि ग्रुप–ए, बी, सी और डी कर्मचारियों का कोई भी तबादला मुख्यमंत्री की ट्रांसफर एडवाइजरी के बिना न किया जाए। ऐसी सलाह मिलने पर, एच.आर.एम.एस. मॉड्यूल के माध्यम से तुरंत तबादला आदेश जारी किया जाना चाहिए। इन निर्देशों का पालन न किए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में नगर निगम मेयर चुनाव : यूएलबी विभाग ने निकाला ड्रा, पदों का आरक्षण तय

चंडीगढ़,26 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में आगामी नगर निगम मेयर चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है, क्योंकि राज्य के स्थानीय निकाय विभाग (यूएलबी) ने मेयर पदों के आरक्षण के लिए ड्रा निकाला है। इस ड्रा में विभिन्न नगर निगमों के मेयर पदों को अलग–अलग श्रेणियों में आरक्षित किया गया है, जिससे राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गुड़गांव नगर निगम : गुड़गांव नगर निगम का मेयर पद इस बार बीसी–ए वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। यह फैसला पिछड़े वर्गों के सामाजिक समावेश और प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है। हरियाणा का आर्थिक केंद्र होने के नाते, गुड़गांव का चुनाव खास महत्व रखता है, और इस आरक्षण से नए बदलाव की संभावना है।

फरीदाबाद नगर निगम : फरीदाबाद का मेयर पद महिला जनरल के लिए आरक्षित किया गया है। यह महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक अहम कदम है, और औद्योगिक क्षेत्र के तौर पर फरीदाबाद में महिला नेतृत्व एक नया आयाम जोड़ सकता है।

रोहतक नगर निगम : रोहतक नगर निगम का मेयर पद अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। यह ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, और एससी वर्ग का प्रतिनिधित्व इस शहर की राजनीतिक दिशा में बदलाव ला सकता है।

यमुनानगर नगर निगम : यमुनानगर नगर निगम का मेयर पद एससी वर्ग की महिला के लिए आरक्षित किया गया है। यह समाज के वंचित वर्ग और महिला सशक्तीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह यमुनानगर में पहला अवसर होगा जब एससी वर्ग की कोई महिला मेयर पद की कमान संभालेगी।

मानेसर नगर निगम : मानेसर नगर निगम का मेयर पद इस बार सामान्य वर्ग के लिए खुला रखा गया है। मानेसर के तेजी से विकास के चलते यहां का चुनाव संघर्षपूर्ण हो सकता है, क्योंकि सामान्य वर्ग से विभिन्न उम्मीदवार इस पद के लिए मैदान में हो सकते हैं, जिससे मुकाबला दिलचस्प होगा। आरक्षण की इस घोषणा ने हरियाणा की राजनीति में हलचल मचा दी है। राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों में सक्रियता बढ़ गई है, और आगामी चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इन आरक्षणों ने राज्य में विभिन्न वर्गों और समुदायों को समान अवसर देने का प्रयास किया है, जो हरियाणा की राजनीति में नए बदलाव का संकेत है। यह देखना अब दिलचस्प होगा कि जनता इन आरक्षित पदों पर अपने शहरों का नेतृत्व करने के लिए किसे चुनती है और किस तरह से चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ती है।

वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) पर बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सिख गुरुओं की प्रेरणा से बढ़ेंगे तो काबुल-बांग्लादेश होने से बचेंगे

सिख-हिंदू एक दूसरे के पूरक, लड़ाने वालों से सावधान रहना चाहिए

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख परंपरा काफी समृद्ध है। इन्होंने विपरीत परिस्थितियों में लड़ते हुए न केवल अपनी परंपरा को सुरक्षित-संरक्षित रखा, बल्कि देश व धर्म के लिए भी बलिदान देकर नई प्रेरणा प्रदान की। एक तरफ इनका गौरवशाली इतिहास है तो दूसरी तरफ सुनते हैं कि काबुल में सिखों के दो, चार-दस परिवार ही बचे हैं। जब बांग्लादेश की घटना व पाकिस्तान के अंदर अत्याचार के बारे में सुनते हैं, तब सिख गुरुओं के त्याग-बलिदान का स्मरण होता है। सिख गुरुओं के आदर्श हमें आगे बढ़ने की ऊर्जा देंगे। उनका आशीर्वाद हमारी प्रेरणा है। उस प्रेरणा से आगे बढ़ेंगे, तब काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे, तब किसी ननकाना साहिब के लिए आंदोलन-संघर्ष की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि वह हमें स्वतस्फूर्त भाव से प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवार को वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) का मुख्य आयोजन किया गया। इस दौरान ऐतिहासिक समागम व 11,000 सहज पाठ का भी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के श्लोकों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया। सीएम ने कहा कि देश के इस जुझारू व समृद्ध कौम ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ व परिश्रम से मिसाल प्रस्तुत की है। कभी बड़ी संख्या में फौज में जाकर सिखों ने भारत की सुरक्षा के लिए खुद को समर्पित किया, लेकिन वे कौन दुश्मन हैं, जो उनके परिश्रम व पुरुषार्थ को कुंद करने की साजिश कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को ड्रग की चपेट में लाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इन्हें पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। सिख-हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। गुरु महाराज हमें मित्र-शत्रु पहचानने की ताकत दें।

सीएम ने कहा कि 2019 में गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री आवास पर शबद-कीर्तन कार्यक्रम हुआ था। उसके उपरांत 2020 से अनवरत वीर बाल दिवस का आयोजन मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है। अब यह पूरे देश का आयोजन हो गया है। आज की तिथि पर गुरु गोबिंद सिंह के दो साहिबजादे (बाबा जोरावर सिंह-फतेह सिंह) वजीर खां के हाथों दीवार में चुने गए थे। चमकौर के युद्ध में दो बड़े साहिबजादे (बाबा अजीत सिंह-जुझार सिंह) शहादत को प्राप्त हुए। मां गुजरी इसे बहुत अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं कर पाईं। इन लोगों पर उस समय क्या बीता होगा, यह दर्द कोई महसूस नहीं कर सकता, फिर भी एक ही लक्ष्य था कि देश व धर्म पर आंच नहीं आने देंगे। इसके लिए गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने शहादत देकर देश व धर्म की रक्षा की पक्की नींव खड़ी की। जिस पर न केवल आज भी सिख पंथ, बल्कि पूरा देश गौरव की अनुभूति करता है।

सीएम ने कहा कि सिख पंथ की शुरुआत ही देश व धर्म के लिए हुए थी। गुरु नानक देव ने सबसे पहले बाबर के अत्याचार का विरोध किया था। लाहौर में गुरु अर्जुन देव का बलिदान जहांगीर के अत्याचार से बचाने के लिए था। गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश नहीं झुकने दिया, इसलिए आज कश्मीर भारत का हिस्सा और शीश बना हुआ है। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज ने अपनी आंखों के सामने अपने पुत्रों और पिता को बलिदान होते देखा।

सीएम ने कहा कि गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोविंद सिंह महाराज, चार साहिबजादों से लेकर पंच प्यारों तक, सिख गुरुओं का इतिहास देश व धर्म के लिए शहादत का इतिहास है। यह केवल कौम का नहीं, देश का इतिहास है। यह भारतवासियों के लिए प्रेरणा है। जाति-पाति का भेदभाव समाप्त हो, इसके लिए गुरुनानक ने शबद-कीर्तन की प्रेरणा दी। मिल-बांटकर खाने के लिए जिस लंगर की शुरुआत की, उसका अनुसरण आज भी हर गुरुद्वारा कर रहा है। गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव ही समृद्धि व खुशहाली का कारण बनता है। भेद परिवार में नहीं, शत्रु-मित्र में होता है। इस भेद को पहचानने की आवश्यकता है।

सीएम ने कहा कि यह वर्ष गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी वर्ष है। लखनऊ का सौभाग्य है कि गुरु तेग बहादुर जी गुरु गोबिंद सिंह को लेकर यहां आए थे। सीएम ने कहा कि इस ऐतिहासिक परंपरा को मजबूती देने के लिए नगर निगम के साथ बैठकर सुंदरीकरण की विस्तृत कार्ययोजना बननी चाहिए। पैसा हम उपलब्ध कराएंगे, लेकिन एक-दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी न डालें। राज्य सरकार, नगर निगम, विकास प्राधिकरण की जमीन में हाईराइज बिल्डिंग या मॉल बनाकर दुकानदारों का पुनर्वास करें। ऐतिहासिक परंपरा से जुड़े गुरुद्वारे का सुंदरीकरण होना चाहिए।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में आयोजित करने की घोषणा के समय कहा था कि राष्ट्रधर्म हर भारतवासी का धर्म है। भारतवासियों के लिए देश व राष्ट्र सर्वोपरि है। महाराजा रणजीत सिंह ने जितना सोना स्वर्ण मंदिर में दिया, उतना ही बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर को दिया। इसका शिखर व दरवाजे स्वर्णमंडित हुए। सिख योद्धाओं व क्रांतिकारियों ने देश के लिए बलिदान दिया। सीएम ने अपील की कि कोई भी ऐसा कार्य न होने दें, जो गुरु परंपरा की भावनाओं के विपरीत हो। उन्होंने विश्वास दिलाया कि गुरु परंपरा के गौरवशाली इतिहास के सम्मान की रक्षा के लिए डबल इंजन सरकार सदा खड़ी रहेगी।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने आलमबाग गुरुद्वारे से लाई गई श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पावन स्वरूप को समागम स्थल पर स्थापित किया और कार्यक्रम के पश्चात पंगत में बैठकर लंगर छका। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर, बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक राजीव गुंबर, नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, हरि सिंह ढिल्लो, सुभाष यदुवंश समेत सिख समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

महाकुंभ 2025 : श्री शंभू पंचअग्नि अखाड़े का महाकुंभ क्षेत्र में हुआ भव्य प्रवेश

प्रवेश यात्रा में वैदिक संस्कृति और प्रतीकों की सुंदर झलक

ब्रह्मचारियों के अखाड़े में दिखा महाकुंभ का वैभवशाली दृश्य

महाकुंभ नगर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ नगर में भक्ति और अध्यात्म की धारा प्रवाहित हो रही है। एक एक करके महा कुंभ क्षेत्र में सनातन धर्म के सभी 13 अखाड़ों का प्रवेश हो रहा है। संन्यासियों के तीसरे अखाड़े श्री शंभू पंच दशनाम अग्नि अखाड़े ने छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। शहर के बीचों बीच से होकर गुजरी इस भव्य छावनी प्रवेश यात्रा का स्थानीय लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया।

महाकुंभ नगर में अखाड़ा सेक्टर में गुरुवार को तीसरे संन्यासी अखाड़े का भी प्रवेश हो गया। श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़े ने पूरी भव्यता के साथ छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया।

अनंत माधव स्थित अग्नि अखाड़े के स्थानीय मुख्यालय से आरम्भ हुई इस भव्य छावनी प्रवेश यात्रा में वैदिक संस्कृति और प्रतीकों की झलक देखने को मिली।

शंख ध्वनि और डमरू की थाप पर वैदिक मंत्रोच्चार ने यात्रा में वैदिक युग की अनुभूति प्रदान की।

हाथी, घोड़े और ऊंट के काफिले पर सवार संतों के दर्शन के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा। अग्नि अखाड़े के राष्ट्रीय महामंत्री सोमेश्वरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि प्रवेश यात्रा में पांच महामंडलेश्वर और आचार्य महामंडलेश्वर के अलावा अखाड़े के हजारों संत और वेद विद्यार्थी शामिल हुए।

अग्नि अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा अब तक सम्पन्न हुई सभी अखाड़ों की छावनी प्रवेश यात्रा में सबसे लंबी थी। चौफटका के अनंत माधव मंदिर से छावनी क्षेत्र पहुंची संतों की इस यात्रा ने 13 किलोमीटर का सफर तय किया।

महा मंडलेश्वरों के रथों की सवारियों को देखने के लिए जैसे रास्तों में पूरा शहर उमड़ पड़ा। इस यात्रा आधा दर्जन ऊंट, 15 घोड़े, 60 रथ की व्यवस्था की गई है। फूलों के भव्य सिंहासन पर सवार संतों की सवारियों से पूरा क्षेत्र महक उठा।

अग्नि अखाड़े की प्रवेश यात्रा का एक तिहाई मार्ग ऐसा था जो शहर पश्चिमी में आता है। यहां एक वक्त माफिया अतीक अहमद का आतंक था जिसमें इस तरह की भव्य शोभा यात्राओं का आयोजन लोगों के लिए एक दिवास्वप्न होता था। जिस समय यह यात्रा उस इलाके से गुजरी तब स्थानीय लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियों से पूरे मार्ग को पाट दिया। स्थानीय नागरिक रघुनाथ साहू बताते हैं कि पूज्य संतों की इस भव्य यात्रा के दर्शन दशकों बाद हुए हैं। योगी जी का शासन न होता तो यह पुण्य अवसर भी इस क्षेत्र के लोगों को देखने को न मिलता।

महाकुंभ-2025 : पांच एकड़ में की जाएगी यूपी पवेलियन की स्थापना

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से गुलजार होगी महाकुंभ की सांझ

लखनऊ, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार की तरफ से दिव्य-भव्य महाकुंभ-2025 में पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 05 एकड़ में उत्तर प्रदेश स्टेट पवेलियन की स्थापना की जायेगी। पर्यटक यहां प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों सहित अन्य आकर्षणों की झलक देख सकेंगे। हस्तशिल्प बाजार और सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित कई अन्य आयोजन भी होंगे। पवेलियन में लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध हस्तशिल्प बाजार सजाया जाएगा। इसके अलावा धार्मिक स्थलों की झांकी भी प्रस्तुत की जाएगी।

महाकुंभ क्षेत्र सेक्टर-7 नागवासुकि मंदिर के समीप लगभग पांच एकड़ क्षेत्र में उत्तर प्रदेश स्टेट पवेलियन का निर्माण हो रहा है। उत्तर प्रदेश के 12 प्रमुख सर्किटों-रामायण सर्किट, कृष्ण ब्रज सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, महाभारत सर्किट, शक्तिपीठ सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, सूफी-कबीर सर्किट, जैन सर्किट, बुंदेलखंड सर्किट, वाइल्ड लाइफ एवं ईको सर्किट, क्राफ्ट सर्किट, स्वतंत्रता संग्राम सर्किट के महत्वपूर्ण स्थलों को यहां दर्शाया जाएगा। साथ ही, 15,000 स्क्वायर फीट के वृहद मानचित्र पर थ्री-डी तकनीक के माध्यम से अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, कुशीनगर, सारनाथ, नैमिषारण्य सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों को दर्शाया जाएगा। इन स्थलों के महात्म्य के बारे में बताया जाएगा।

योगी सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रत्येक क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की अपनी विशिष्टता है। धार्मिक-आध्यात्मिक, प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के साथ-साथ यहां के व्यंजन, हस्तशिल्प, गीत और नृत्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। महाकुंभ-2025 में लगभग 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना हैं। इन्हें प्रदेश की प्रसिद्ध विरासत से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक जिले के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के लिए 75 स्टॉल लगाए जाएंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए तीन मंच बनाए जाएंगे। खानपान के 20 से अधिक स्टॉल लगेंगे, जहां स्थानीय के साथ-साथ विभिन्न प्रांतों के व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे।

पवेलियन में अलग-अलग सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे, जहां पर्यटक सेल्फी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि अबकी बार का महाकुंभ पारम्परिक महाकुंभ से कुछ अलग होगा। इसमें सुरक्षा के साथ साफ-सफाई एवं नये उपकरणों से पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की व्यवस्था की गयी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ-2025 को भारत की सांस्कृतिक विविधिता, एकता, अध्यात्म को विश्व पटल पर पहुंचाना चाहते हैं।

महाकुंभ-2025 : 4 हजार से अधिक संस्थाओं को हुआ भूमि आवंटन

अखाड़ों, महामंडलेश्वर, खालसा, दांडीवाड़ा को भूमि आवंटन पूरा

महाकुम्भ नगर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

सनातन आस्था के सबसे बड़े समागम महाकुंभ 2025 को अब चंद दिन शेष रह गए हैं और मेला क्षेत्र में गितिविधियां तेजी से बढ़ गई हैं। महाकुंभ का सबसे बड़ा आकर्षण अखाड़ों की स्थापना का कार्य भी प्रगति पर है और दो से तीन अखाड़ों का छावनी प्रवेश भी हो चुका है। मेला प्राधिकरण की ओर से अखाड़ा समेत ज्यादातर संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष संस्थाओं समेत नई संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य प्रगति पर है और इसे 31 दिसंबर तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने अपनी विजिट के दौरान भूमि आवंटन के कार्य में तेजी लाते हुए 31 दिसंबर तक इसे पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। सीएम योगी के निर्देश के बाद त्वरित गति से संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य किया जा रहा है। अब तक 4 हजार से ज्यादा संस्थाओं को भूमि आवंटित कर दी गई है। महाकुंभ में 8 हजार से 10 हजार के बीच संस्थाओं के आने का अनुमान है।

महाकुंभ-2025 : श्रद्धालुओं की सुरक्षा करेंगे 56 स्पेशल साइबर योद्धा

महाकुंभ में साइबर सुरक्षा का विशेष इंतजाम

महाकुंभनगर, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की साइबर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महाकुंभनगर में 56 साइबर योद्धा तैनात किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डिजिटल महाकुंभ की पूरी मॉनिटरिंग खुद एसएसपी महाकुंभनगर के द्वारा की जा रही है। साइबर सुरक्षा की विशेष योजना के तहत साइबर ठगों के खिलाफ बड़ा एक्शन प्लान तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर महाकुंभनगर के सभी थानों में एक स्पेशल साइबर हेल्प डेस्क बनाई जा रही है, जिसमें साइबर पेट्रोलिंग के लिए एक्सपर्ट तैनात किए गए हैं। मेला के साथ ही पूरे प्रयागराज ने वीएमडी पर फिल्म के साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से भी श्रद्धालुओं को जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए बाकायदा एआई, एक्स, फेसबुक और गूगल का विधिवत उपयोग किया जा रहा है।

महाकुंभनगर में तकरीबन 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को जागरूक करने के लिए योगी सरकार ने प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया हर प्लेटफार्म का प्रयोग करने का फैसला किया है।

इसी योजना के तहत पूरे मेला क्षेत्र और कमिश्नरेट में जगह-जगह वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले (वीएमडी) लगाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस योजना के तहत 40 वैरिएबल मैसेजिंग डिस्प्ले मेला क्षेत्र और 40 कमिश्नरेट में लगाए जा रहे हैं, जिन पर साइबर सिक्योरिटी को लेकर श्रद्धालु जनों को जागरूक किया जाएगा, ताजी वो साइबर ठगों से सावधान रहें।

पहली बार दिव्य और भव्य के साथ-साथ डिजिटल महाकुंभ की योजना तैयार की गई है। जिसके तहत पहली बार बेहद हाईटेक इंतजाम किए जा रहे हैं। यहां देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को जागरूक करने के अलावा उन्हें एआई, डार्क वेबसाइट और सोशल मीडिया स्कैमर्स से बचाने के लिए महाकुंभ साइबर थाना बनाया गया है। इसका उद्देश्य महाकुंभ में श्रद्धालुओं की ऑनलाइन सुरक्षा का इंतजाम पुख्ता करना है। साइबर ठगों के फर्जी लिंक के हथियार महाकुंभ में पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिए जाएंगे। यहां काम करने वाली प्रदेश के चुनिंदा एक्सपर्ट की टीम ने फिलहाल लगभग 50 वेबसाइटों को अपने रडार पर लेकर उनके खिलाफ कार्यवाही भी शुरू कर दी है।

इसके अलावा ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मोबाइल साइबर टीम भी सक्रिय कर दी गई है, जो श्रद्धालुओं को बड़े पैमाने पर जागरूक करने का काम भी कर रही है। महाकुंभ मेले से संबंधित जानकारी के लिए 1920 नंबर भी जारी किया गया है। इसके साथ-साथ सरकारी वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा फर्जी वेबसाइटों की सूचना भी यहां थाने में दी जा सकती है, जिस पर साइबर थाना तुरंत कार्रवाई करेगा। इसके साथ साथ ठगों का ऐसा गिरोह जो एआई, फेसबुक, एक्स या इंस्टाग्राम के माध्यम से लोगों से पैसे मांगते हैं, उन पर भी साइबर एक्सपर्ट नजर रख रहे हैं। शिकायत मिलते ही उन पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। इनके अलावा फर्जी वेबसाइट और लिंक के जरिए धोखाधड़ी करने वालों पर भी सख्ती की जाएगी। महाकुंभ के एसपी राजेश द्विवेदी ने कहा, सभी 56 थानों में साइबर हेल्प डेस्क स्थापित किए जा रहे हैं। साइबर ठगों से सावधान रखने को पूरे मेला क्षेत्र में वीएमडी पर फिल्म चलकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

रोप-वे के खिलाफ हड़ताल का दूसरा दिन

वैष्णो देवी के श्रद्धालु दूसरे दिन भी दर-ब-दर

जम्मू, 26 दिसंबर (ब्यूरो)। विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल वैष्णो देवी आने वाले हजारों श्रद्धालु आज लगातार दूसरे दिन भी दर-ब-दर रहे क्योंकि रोप-वे के खिलाफ हड़ताल और बंद का आज दूसरा दिन था। फिलहाल संघर्ष समिति ने तीन दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया था पर अब हिरासत में लिए प्रदर्शनकारियों को रिहा न करने की स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल की धमकी दी जा रही है।

कटड़ा में गंडोला के खिलाफ चल रहा प्रदशर्न आज दूसरे दिन भी जारी रहा।

श्री माता संघर्ष समिति के कुछ सदस्यों को बुधवार को यानी हड़ताल के पहले दिन हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद कुछ स्थानीय युवा भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। उसके बाद कुछ और युवाओं को हिरासत में लिया गया था। वहीं आज कटड़ा के स्थानीय लोगों द्वारा हड़ताल के समर्थन और हिरासत में लिए गए लोगों

को छुड़वाने के लिए शहर में काले झंडे लगा कर प्रदर्शन किया गया।

याद रहे कटड़ा में श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति द्वारा 72 घंटों के लिए हड़ताल का ऐलान किया गया था।

बुधवार से यहां हड़ताल जारी है। कटड़ा और यात्रा मार्ग के दुकानदार, पिट्ठू, पालकी, घोड़ा वालों के साथ सभी आटो चालक भी इस हड़ातल में शामिल हैं। ये हड़ताल श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा कटड़ा (ताराकोट) मार्ग से सांझी छत तक लगाए जा रहे गंडोला (रोप-वे) परियोजना के खिलाफ है। हड़ताल के चलते माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

72 घंटे की हड़ताल से बंद का खासा असर कटड़ा में देखने को मिला है।

देश के अलग-अलग राज्यों से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आ रहे यात्रियों का कहना है कि हमें दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि खाने-पीने की दुकान बंद हैं। पिट्ठू, पालकी, घोड़ा वाले नहीं चल रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना था कि सरकार को इन लोगों के साथ बातचीत करके बीच का हल निकालना चाहिए। जबकि श्राइन बोर्ड का कहना है रोप-वे परियोजना का फायदा वो लोग ले पाएंगे जो माता के दर्शन करना तो चाहते हैं, लेकिन अपनी स्वास्थ्य स्थिति के काम नहीं कर पाते। इसका ज्यादा फायदा बुजुर्ग, विकलांग, बच्चों को होगा। इस गंडोला प्रोजेक्ट के लगते ही श्रद्धालु 6 मिनिट में कटड़ा से भवन तक का रास्ता तय कर लेंगे, जिसमें अभी पैदल 6 से 7 घंटे का समय लगता है। पर श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति (जिसमें स्थानीय दुकानदार, व्यापारी, दुकानदारों, पिट्ठू, पालकी, घोड़ा वाले आदि शामिल है) का कहना है कि इससे उनके व्यापार पर असर पड़ेगा। साथ ही उनका तर्क है कि कटड़ा से लेकर भवन तक कई पड़ाव हैं, जहां माथा टेकते हुए श्रद्धालु भवन तक पहुंचते हैं और अगर गंडोला लग जाता है तो श्रद्धालु इन सब के दर्शन नहीं कर पाएंगे, जिससे यात्रा पूर्ण नहीं होगी। इन पड़ावों में बाण गंगा, चरण पादुका, आधीकुवारी, सांझीछत, हाथीमथा आदि शामिल हैं।

जानकारी के लिए पिट्ठू, पालकी, घोड़ा वालो की तादात यहां तकरीबन 10 से 12000 की है। इन पिट्ठू, पालकी, घोड़ा वालों का कहना है कि हम दिन में 1000 से 2000 रुपए के बीच कमाते हैं। ऐसे में अगर यह रोप-वे लगा तो वह बेरोजगार हो जाएंगे। उनका आरोप है कि इस रोप-वे को लगाकर सरकार सीधे हमारे रोजगार पर प्रहार कर रही है। वहीं, माता वैष्णो देवी मंदिर ट्रैक पर तकरीबन 2000 से 2500 दुकान हैं। दुकानदारों का कहना है कि अगर रोप-वे लगा तो हमारा तो रोजगार ही खत्म हो जाएगा। हम कहां जाएंगे? कई हजार लोग यहा पर इन दुकानों में काम करते हैं, उनका क्या होगा?

कश्मीर में आसान नहीं है जीवन सर्दी में

जम्मू, 26 दिसंबर (ब्यूरो)। कश्मीर में सर्दी का मौसम आते ही कश्मीरवासियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे यहां के निवासियों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। कश्मीरियों का मानना है कि ठंड वादी में जीवन की एक खासियत है, लेकिन इसके साथ-साथ जरूरी वस्तुओं की कमी, बिजली की कटौती और कालाबाजारी की बढ़ती गतिविधियां लोगों के लिए सर्दियों को खास तौर पर मुश्किल बना रही हैं।

श्रीनगर के पुराने शहर में रहने वाले मोहम्मद असलम कहते हैं, हाल के वर्षों में कश्मीर की सर्दियों का पारंपरिक आकर्षण रोजमर्रा की जिंदगी के संघर्षों के कारण फीका पड़ गया है। ठंड की शुरुआत के साथ ही हीटिंग सप्लाई, गर्म कपड़े और ईंधन और खाद्य जैसे जरूरी सामानों की मांग आसमान छू जा रही हैं। हालांकि, लगातार आपूर्ति की कमी और कालाबाजारी करने वालों की वजह से बढ़ती कीमतों ने पहले से ही सीमित संसाधनों से जूझ रहे परिवारों पर काफी दबाव बढ़ा दिया है। बिजली और पानी जैसी बुनियादी सेवाओं के प्रबंधन से चुनौतियां लगातार और बढ़ रही हैं। बिजली कटौती, जो

अक्सर लंबे समय तक हो रही है, ठंड के महीनों में कई निवासियों को गर्मी और रोशनी के बिना छोड़ रही है। कुछ इलाकों में पाइप जम जाने के कारण पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे दैनिक जीवन और भी मुश्किल हो गया है।

एक अन्य स्थानीय निवासी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन से खराब हुए मौसम की अप्रत्याशितता ने कठोर परिस्थितियों के लिए तैयार रहना और भी कठिन बना दिया है, और इन मुद्दों को दूर करने के लिए प्रशासन के प्रयास स्थानीय आबादी के लिए निरंतर चिंता का विषय बने हुए हैं। इन बढ़ती कठिनाइयों के बावजूद, कश्मीर के लोग उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखे हुए हैं। समुदाय संसाधनों को साझा करने, हीटिंग समाधानों के साथ एक-दूसरे की मदद करने और सर्दियों की चुनौतियों से निपटने के लिए अभिनव तरीके खोजने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हालांकि, कई निवासी प्रशासन से आवश्यक आपूर्ति के सुचारू वितरण को सुनिश्चित करने, कीमतों को स्थिर करने और सेवाओं के प्रबंधन में सुधार करने के लिए अधिक प्रभावी उपाय करने का आह्वान कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों से मजबूत समर्थन के बिना, कश्मीरियों को डर है कि सर्दियों के महीने और भी असहनीय हो रहे हैं।

प्रवेश वर्मा के खिलाफ आपा ने ईडी में की शिकायत

चुनाव से पहले महिलाओं को पैसे बांटने का आरोप

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली चुनाव से पहले महिलाओं को पैसे बांटने के आरोपों में घिरे प्रवेश वर्मा की मुश्किलें अभी थम नहीं रही हैं। अब आम आदमी पार्टी (आपा) सांसद संजय सिंह ने ईडी दफ्तर पहुंचकर प्रवेश वर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। दिल्ली सीएम आतिशी ने भाजपा नेता प्रवेश वर्मा पर कैश बांटने का आरोप लगाया था।

शिकायत दर्ज कराने के बाद आपा सांसद संजय सिंह ने कहा, ईडी दफ्तरों ने शिकायत पत्र स्वीकार कर लिया है। लेकिन किसी अधिकारी ने हमें कार्रवाई का आश्वासन नहीं दिया। ईडी क्या करेगी, इस बारे में मैं नहीं कह सकता। उन्होंने शिकायत की आधिकारिक रिसीविंग दे दी है।

बता दें कि बुधवार से आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को लेकर भाजपा को घेर रही है और चुनाव में कैश की एंट्री को लेकर सियासत भी जमकर हो रही है।

गौरतलब है कि दिल्ली सीएम आतिशी ने भाजपा नेता प्रवेश वर्मा पर कैश बांटने का आरोप लगाया था। आतिशी ने कहा था कि बीजेपी नई दिल्ली विधानसभा में लोगों को वोटर कार्ड देख-देखकर पैसे बांट रही है। बीजेपी के प्रवेश वर्मा रंगे हाथों पैसे बांटते

हुए पकड़े गए हैं। सीएम आतिशी ने एक फोटो जारी कर दावा किया कि नई दिल्ली में स्थित बीजेपी नेता प्रवेश वर्मा के सरकारी आवास 20 विंडसर प्लेस पर महिलाओं को 1100 रुपए बांटे जा रहे हैं।

उन्होंने ईडी-सीबीआई और दिल्ली पुलिस से प्रवेश वर्मा के घर पर छापा मारने की अपील भी की थी। बता दें कि नई दिल्ली सीट से ही दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ते हैं। सीएम आतिशी का कहना है कि, प्रवेश वर्मा को जो सरकारी बंगला सांसद के तौर पर मिला था, वहां अलग-अलग झुग्गी-बस्तियों से महिला वोटर्स को बुलाया गया। उनका वोटर आईडी चेक करने के बाद एक फॉर्म भरवाया गया और हर महिला को लिफाफे में 1100 रुपए दिए गए।

तो वहीं इस मुद्दे पर पलटवार करते हुए प्रवेश वर्मा ने भी आपा को घेरा। बुधवार को भाजपा नेता ने कहा कि मेरे पिताजी ने राष्ट्रीय स्वाभिमान संस्था का निर्माण 25 साल पहले किया था। गुजरात में जो दो भूकंप आए थे, उसके बाद हमने वहां दो गांवों का निर्माण किया था। हमने वहां 2 हजार से ज्यादा मकान बनाए थे।

उन्होंने आगे कहा कि ओडिशा में मेरे पिताजी ने चार गांव बसाए थे, जिसका उद्घाटन तब के राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी ने किया था। कारगिल युद्ध के बाद सभी शहीदों के परिवारों को दिल्ली में बुलाकर एक-एक लाख रुपए दिए गए थे। मेरी संस्था बहुत पुरानी है, जिसके जरिए हम गरीबों और जरूरतमंदों की मदद की जाती है।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि आज मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि हम जो काम कर रहे हैं, उसकी सराहना आतिशी जी और केजरीवाल जी कर रहे हैं, मैं यहां महिलाओं का दुखी देख रहा हूं। मैंने तय किया कि हर महीने मेरा संगठन, हम एक योजना बनाएंगे और मासिक आधार पर उनकी मदद करेंगे। मुझे एक बात की खुशी है कि कम से कम मैं यहां शराब नहीं बांट रहा हूं, जो दिल्ली के मुख्यमंत्री पूरी दिल्ली में बांट रहे थे।

इसके बाद आज यानी गुरुवार को भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने पंजाब की आपा सरकार और दिल्ली की आपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब में अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं को 1000 रूपये प्रतिमाह देने का वादा किया, मगर 3 साल सरकार बने हो गए आज तक किसी को एक फूटी कोड़ी नहीं मिली।

साथ ही प्रवेश वर्मा ने दिल्ली की कुछ महिलाओं की वीडियो भी पोस्ट की है जो कि यह कह रही हैं कि 10 साल में कुछ नहीं दिया तो अब क्या देंगे।

चुनाव आयोग ने जारी किया लोकसभा चुनाव डेटा

पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने डाला वोट

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। इस साल देश में हुए लोकसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने एक बेहद ही विस्तृत आंकड़ा पेश किया है. इन आंकड़ों के जरिये बताया गया है कि कैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 2 महीने के दौरान चुनाव संपन्न करवाया गया। इन आंकड़ों में देश में कुल मतदाता से लेकर मतदान प्रतिशत और कुल मतदान केंद्रों से लेकर नामांकन तक पूरी जानकारी शेयर की है।

केंद्रीय चुनाव आयोग की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक 2024 लोकसभा चुनाव में कुल 97 करोड़, 97 लाख 51 हजार 847 पंजीकृत मतदाता थे। 2019 में 91 करोड़, 19 लाख 50 हजार 734 मतदाता थे। यानी कि 2019 की तुलना में 2024 में 7.43 प्रतिशत मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई है। साल 2024 में 64.64 करोड़ मतदाताओं ने वोट डाला जबकि 2019 में 61.4 करोड़ वोट डाले गए थे।

2024 के लोकसभा चुनाव का रिकॉर्ड- ईवीएम+पोस्टल वोट: 64,64,20,869.
ईवीएम वोट: 64,21,39,275.
पुरुष: 32,93,61,948.
महिला: 31,27,64,269.
थर्ड जेंडर: 13,058.
पोस्टल बैलेट: 42,81,594.

चुनाव आयोग के मुताबिक सबसे ज्यादा मतदान असम के धुबरी में 92.3 प्रतिशत हुआ। सबसे कम मतदान श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में 38.7 फीसदी हुआ, जबकि 2019 में इस सीट पर 14.4% मतदान हुआ था। 2024 में नोटा को 63 लाख 71 हजारा 839 (0.99%) वोट मिले, जबकि 2019 में

1.06 प्रतिशत वोट नोटा को पड़े थे। इस बार ट्रांसजेंडर मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 27.09 फीसदी रहा।

मतदान केंद्र को लेकर आंकड़े

2024 के लोकसभा चुनाव में 10 लाख 52 हजार 664 मतदान केंद्र बनाए गए, जबकि 2019 में 10 लाख 37 हजार 848 मतदान केंद्र थे। 2019 में 540 मतदान केंद्रों की तुलना में केवल 40 मतदान केंद्रों (कुल मतदान केंद्रों का 0.0038%) में पुनर्मतदान हुआ। मतदाताओं/मतदान केंद्रों की औसत संख्या: 931 रही। सबसे अधिक मतदान केंद्रों वाला राज्य उत्तर प्रदेश (1,62,069 मतदान केंद्र) रहा और सबसे कम मतदान केंद्रों वाला राज्य/केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप (55 मतदान केंद्र) रहा। 2019 की तुलना में 2024 में मतदान केंद्रों की संख्या में सबसे अधिक बढ़ोतरी वाला राज्य बिहार (4739 मतदान केंद्र) रहा, उसके बाद पश्चिम बंगाल (1731 मतदान केंद्र) में मतदान केंद्र बने।

नामांकन को लेकर जानकारी

2024 में 12 हजार 459 नामांकन दाखिल किए गए, जबकि 2019 में 11 हजारा 692 नामांकन ही दाखिल हुए थे। सबसे ज्यादा नामांकन वाले संसदीय क्षेत्र मलकाजगिर (तेलंगाना) रहा, जहां 114 नामांकन हुए और सबसे कम नामांकन वाली संसदीय सीट रही डीब्रूगढ़ (असम) जहां पर सिर्फ 3 नामांकन हुए।

देश भर में दाखिल कुल 12,459 नामांकनों में से नामांकन खारिज होने और नाम वापस लेने के बाद कुल 8,360 उम्मीदवार चुनाव लड़ने के योग्य पाए गए। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की संख्या 8054 थी।

पंजीकृत मतदाता

2024 में 97 करोड़ 97 लाख 51 हजार 847 में से 47 करोड़ 63 लाख 11 हजार 240 महिला मतदाता थीं, जबकि 2019 में यह संख्या 43 करोड़ 85 लाख 37 हजार 911 थी।

2024 में कुल मतदाताओं में से 48.62 फीसदी महिला मतदाता थीं, जबकि 2019 में यह संख्या 48.09 प्रतिशत थी।

2024 में महिला मतदाताओं की सबसे अधिक प्रतिशत हिस्सेदारी वाला राज्य पुडुचेरी (53.03%) रहा और उसके बाद केरल (51.56%) में महिला मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

2024 चुनावों में प्रति 1000 पुरुष मतदाताओं पर महिला मतदाताओं की संख्या 946 हो गई, जबकि 2019 में यह संख्या 926 थी।

मतदान प्रतिशत की रिकॉर्ड

2024 में 65.78 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया (सूरत को छोड़कर) जबकि पुरुष मतदाताओं ने 65.55 प्रतिशत मतदान किया।

2019 की तरह 2024 में भी महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक मतदान किया। देश के आम चुनावों के इतिहास में यह दूसरा मौका है, जब महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा रही।

साल 2024 में 800 महिलाएं चुनावी मैदान में उतरी, जबकि साल 2019 में 726 महिला चुनावी मैदान में थीं।

सबसे अधिक महिला उम्मीदवारों वाला राज्य महाराष्ट्र बना, जहां 111 महिलाएं चुनावी मैदान में उतरी, उसके बाद उत्तर प्रदेश का नंबर है, जहां 80 महिला चुनावी मैदान में उतरी थीं। तीसरे नंबर पर तमिलनाडु में 77 महिलाओं ने चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

देश की 543 लोकसभा में से 152 लोकसभा ऐसी भी रही, जहां एक भी महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में नहीं थी।

राजनीतिक पार्टियों का प्रदर्शन

2024 के लोकसभा चुनाव में 6 राष्ट्रीय दलों ने भाग लिया। इन 6 दलों का कुल वोट शेयर कुल वैध वोटों का 63.35 फीसदी था।

2019 में 6923 की तुलना में 7190 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई।

एक लोकसभा सीट सूरत (गुजरात) पर उम्मीदवार निर्विरोध जीते।

कुल 3921 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और उनमें से केवल 7 ही चुने गए। इसमें से 3905 निर्दलीय उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

बिहार में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज : बिहार में कोई खेला होने वाला है या फिर ऑल इज वेल है?

मांझी बोले- हमारे संपर्क में हैं राजद के नेता

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)। लगातार सर्द हो रहे मौसम के बीच बिहार की राजनीति में गर्माहट बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक चर्चाओं के बीच केंद्रीय मंत्री और एनडीए के सहयोगी जीतन राम मांझी ने बड़ा बयान दिया है। जीतन राम मांझी ने कहा है कि राजद के 12 नेता भाजपा के संपर्क में हैं। उन्होंने पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद के नेता तेजस्वी यादव के उस बयान का जवाब दिया जिसमें तेजस्वी ने कहा था कि जदयू के चार नेता हमारे संपर्क में हैं।

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा था कि बिहार में सरकार नीतीश कुमार नहीं चला रहे हैं बल्कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चला रहे हैं।

तेजस्वी के बयानों का जवाब देने के साथ ही जीतन राम मांझी ने कहा कि एनडीए मिलकर बिहार में 2025 का विधानसभा चुनाव लड़ेगा और इसका नेतृत्व नीतीश कुमार करेंगे। मांझी ने कहा कि उनकी पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा का पूरा समर्थन नीतीश कुमार के साथ है। मांझी ने नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने की भी मांग की।बिहार में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तब शुरू हुआ जब कुछ दिन पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार में अगला चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ने के सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले में

पार्लियामेंट्री बोर्ड फैसला लेगा। इसके बाद अचानक नीतीश कुमार ने अपने कुछ कार्यक्रमों को रद्द कर दिया। हलचल बढ़ते ही जेडीयू और बीजेपी के नेताओं की बैठक हुई और इसमें सभी ने नीतीश के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया।

इसके बाद भाजपा नेता और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने भी कहा कि अगला चुनाव सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा और इसे लेकर कहीं कोई भी प्रॉब्लम नहीं है। इसके बाद नीतीश कुमार ने भी कार्यक्रमों में भाग लेना शुरू किया। इस बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने सीएम नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की।बताना होगा कि नीतीश कुमार कई बार महागठबंधन और बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बना चुके हैं।

इसके अलावा जब राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के करीबी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि बिहार में खेला हो सकता है तब भी पटना में हलचल शुरू हुई थी। उन्होंने कहा था कि राजनीति में कोई भी स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। राजद विधायक ने कहा था कि अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सांप्रदायिक ताकतों को छोड़कर हमारे साथ आएंगे तो हम उनका स्वागत करेंगे।

राजद विधायक के इस बयान की वजह से बिहार में राजनीतिक पारा चढ़ गया था। उनके इस बयान पर भाजपा नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा था कि बिहार में दोबारा जंगल राज की वापसी नहीं होगी।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये से लेकर 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,150 रुपये से लेकर 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े, ब्रेंट क्रूड का भाव 73.58 डॉलर प्रति बैरल

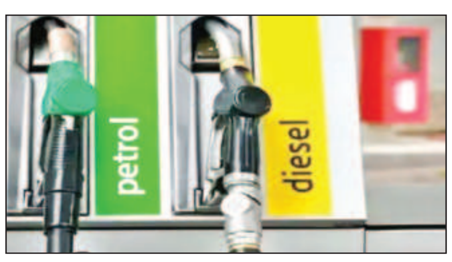

नई दिल्ली। क्रिसमस के अगले ही दिन गुरुवार को तेल कंपनियों ने कई शहरों में ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं। हालांकि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े महानगरों में कीमतें स्थिर रहीं। बिहार के पटना में पेट्रोल और डीजल के दाम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई। पेट्रोल 53 पैसे महंगा होकर 106.11 रुपये प्रति लीटर और डीजल 51 पैसे बढ़कर 92.92 रुपये प्रति लीटर हो गया। गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद समेत कई अन्य शहरों में भी मामूली बढ़ोतरी देखी गई। वहीं वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई के दाम में हल्की बढ़त ने इस बदलाव को प्रभावित किया है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 73.58 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई का रेट 70.29 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर इस मामूली उछाल का असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर साफ दिखाई दे रहा है। भारत में ईंधन की कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे अपडेट होती हैं। इनकी तय कीमत में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और वैट जैसे शुल्क जोड़ने के बाद उपभोक्ताओं को मिलने वाला दाम लगभग दोगुना हो जाता है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में हलचल का असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज की 238 करोड़ जुटाने की योजना, निवेशकों को 1.19 अरब शेयर प्रदान किए जाएंगे

नई दिल्ली। मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमएसई) ने अपने कारोबार को जारी

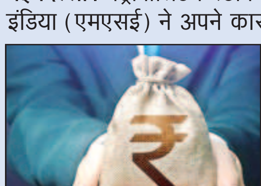

रखने के लिए चार इकाइयों से 238 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी की है। ग्रो की मूल कंपनी

आईडेंटिकल ब्रेन्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, निवेशकों को पहले दिन ही जोरदार मुनाफा

लिस्टिंग होते ही पहले लोअर सर्किट पर और फिर अपर सर्किट पर पहुंचा शेयर

नई दिल्ली,26 दिसंबर (एजेंसियां)।

फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और कॉमर्शियल्स को वीएफएक्स सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई और ये लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने दोबारा जोर लगाया, जिससे इस शेयर में तेजी का रुख बन गया।

आईपीओ के तहत कंपनी ने 54 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 75.93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 95 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर टूट कर 90.25 के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। राहत की बात यही रही कि थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने जोर लगाया, जिसकी वजह से ये शेयर लोअर सर्किट के फंदे से निकल कर 99.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले ही दिन इस शेयर से 84.72 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज का 19.95 करोड़ रुपये का आईपीओ 18 से 20 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। प्राइमरी मार्केट में इस आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 544.28 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 187.36 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,020.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 544.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 36.94 लाख नए शेयर जारी किए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने मौजूदा ऑफिस और स्टूडियो का रिनोवेशन करने, नई ब्रांच ऑफिस में कलर ग्रेडिंग करने, डिजिटल इंटरमीडिएट और साउंड स्टूडियो लगाने में करेगी।

महाराष्ट्र में वाहनों के हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट की कीमत तय

मुंबई। महाराष्ट्र में अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों में हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने बताया कि इस कार्रवाई के लिए वाहन मालिकों को 531 रुपये से 879 रुपये तक की कीमत अदा करनी होगी। वाहन के प्रकार के आधार पर यह लागत फिक्स की गई है, जैसे कि दोपहिया वाहनों के लिए 531 रुपये, ऑटो-रिक्शा के लिए 590 रुपये और बड़े वाहनों के लिए 879 रुपये। माना जा रहा है कि हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट का उपयोग दुर्घटनाओं और चोरी से बचाने के लिए ही नहीं, बल्कि यह एक अवसर भी प्रदान करेगा स्थानीय पुलिस को अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत पुराने वाहनों के साथ भी इस कार्रवाई को लागू किया गया है। यह नया पहलू वाहनों के सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है और वाहन मालिकों को इसे ध्यान में रखकर सुरक्षित रहने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

स्मार्टफोन की मांग से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 28 फीसदी की वृद्धि

निर्यात अप्रैल-नवंबर 25 में 22.5 बिलियन डॉलर तक बढ़ा

मुंबई,26 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात वित्त वर्ष 25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में 22.5 बिलियन तक पहुंच गया है, जो इसके पहले वित्त वर्ष 24 में इसी अवधि के 17.66 बिलियन डॉलर के मुकाबले लगभग 28 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। यह बढ़ोतरी इलेक्ट्रॉनिक्स को भारत के शीर्ष दस निर्यात क्षेत्रों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेक्टर बना रही है।

इसने छठे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है, केवल इंजीनियरिंग उत्पादों और पेट्रोलियम के बाद। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ावा देने वाली प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना को जाता है।

स्मार्टफोन निर्यात 13.11 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 24 के 9.07 बिलियन डॉलर के मुकाबले 45 फीसदी की वृद्धि है। स्मार्टफोन अब कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का 58 फीसदी हिस्सा रखते हैं, और यह हिस्सा वित्तीय 25 के आखिर तक 60-65 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात अब पेट्रोलियम निर्यात के आधे तक पहुंच रहा है, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है। अमेरिकी बाजार में स्मार्टफोन निर्यात ने अब हीरा निर्यात को भी पीछे छोड़ दिया है। सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और निर्यात आधारित विकास मॉडल को मजबूत करने के लिए टैरिफ संरचना की समीक्षा कर रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इतिहास से वर्तमान...

श्री मोदी ने कहा, संविधान हमें सिखाता है कि देश में कोई छोटा या बड़ा नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र की विशालता गुरुओं की शिक्षाओं, साहिबजादों के बलिदान और राष्ट्रीय एकता के मंत्र का प्रतीक है। श्री मोदी ने कहा, अतीत से लेकर वर्तमान तक, युवाओं की ऊर्जा ने भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई से लेकर 21वीं सदी के आंदोलनों तक, भारतीय युवाओं ने हर क्रांति में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि युवाओं की शक्ति के कारण ही दुनिया भारत की ओर आशा और उम्मीदों से देखती है। उन्होंने कहा कि आज, स्टार्ट-अप से लेकर विज्ञान, खेल से लेकर उद्यमिता तक, युवा शक्ति नई क्रांतियों को जन्म दे रही है। इसलिए सरकार का सबसे बड़ा फोकस युवाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी नीतियां, चाहे स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के लिए हों, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के भविष्य के लिए हों, खेल और फिटनेस क्षेत्र, फिनटेक और विनिर्माण उद्योग, या कौशल विकास और इंटर्नशिप योजनाएं, युवा-केंद्रित हैं और इनका उद्देश्य युवाओं को लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि देश के विकास से जुड़े हर क्षेत्र में युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं जबकि उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास को सरकार का समर्थन मिल रहा है।

स्वामित्व योजना के...

अब तक लगभग डेढ लाख गांवों के लिए लगभग 2 करोड 20 लाख संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं।यह योजना त्रिपुरा, गोवा, उत्तराखंड और हरियाणा में पूरी तरह से लागू हो चुकी है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों तथा कई केंद्र शासित प्रदेशों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

नई मुस्लिम...

भारत को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं।

इससे पहले गुरुवार को भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बेलगावी अधिवेशन में विकृत भारतीय मानचित्र पेश किए हैं। पूनावाला ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह कांग्रेस की 'भारत तोड़ो, टुकड़े-टुकड़े' वाली मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह भारत की संप्रभुता और एकता पर हमला है।

पूनावाला ने कहा, यह कांग्रेस की 'भारत तोड़ो, टुकड़े-टुकड़े' वाली मानसिकता है, जिस तरह से उन्होंने बेलगावी कार्यक्रम में विकृत मानचित्र लगाए हैं, जिसमें वे जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान और चीन का हिस्सा दिखा रहे हैं, यह कुछ ऐसा है जो कांग्रेस ने बार-बार किया है राहुल गांधी उमर के साथ खड़े थे जो चाहते हैं कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा हो। सोनिया गांधी एक ऐसे संगठन की सह-अध्यक्ष हैं जो कहता है कि कश्मीर को पाकिस्तान को दे दिया जाना चाहिए। जिस तरह से उन्होंने 370 को हटाने का विरोध किया और पाकिस्तान की ही धुन में बात की पाकिस्तान की धुन पर गाना और जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान को सौंपना कांग्रेस का एजेंडा रहा है और आज एक बार फिर उस मानसिकता का पर्दाफाश हुआ है। यह भारत की संप्रभुता और एकता पर हमला है। कांग्रेस पार्टी न तो संविधान के साथ खड़ी है और न ही भारत जोड़ो के साथ।'कांग्रेस ने इस मामले से दूरी बनाते हुए कहा कि ये कांग्रेस के आधिकारिक बैनर नहीं हैं। कांग्रेस के एमएलसी नागराज यादव ने कहा कि यह कांग्रेस के आधिकारिक बैनर नहीं हैं, ये कुछ अनुयायियों द्वारा लगाए हैं। अगर कुछ शुभचिंतक या अनुयायी नेताओं का स्वागत करने के लिए बैनर लगाते हैं, तो वे सरकार से सलाह नहीं लेते।

सरकारी नियंत्रण...

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी तरह-तरह के विषयों के जरिए अपनी नाकामियों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। हजारों किसानों को दिल्ली बॉर्डर पर रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि महंगाई का मुद्दा है। कई पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार हैं। आरक्षण है संविधान निर्माण के 75 साल बाद भी नहीं दिया गया। सरकारी संस्थानों को निजी कंपनियों को बेचा जा रहा है। संभल मुद्दे पर चर्चा नहीं हो रही है। इन सभी विषयों पर चर्चा से बचने के लिए उन्होंने (भाजपा और विहिप) इसे उठाया है।

ईश्वर-अल्लाह...

जैसे ही लोक गायिका देवी ने पंक्तियां गाईं, दर्शकों के एक वर्ग ने विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बढ़ने पर गायिका देवी ने मंच से माफी मांगी। उन्हें माफी मांगने को भी कहा गया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे स्थिति को संभालने के लिए आगे आए। वह लोक गायिक को मंच से उतारते भी दिखे। माफीनामे के बाद कार्यक्रम स्थल पर जय श्री राम के नारे गूंज उठे। अश्विनी चौबे ने भी जय श्री राम' की हुंकार भरी। महात्मा गांधी से निकटता से जुड़ा यह भजन एकता का संदेश देता है। मैं अटल रहूंगा' शीर्षक वाला कार्यक्रम, उनकी जयंती के अवसर पर भाजपा के दिग्गज नेता के योगदान को याद करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में चौबे के अलावा डॉ. सीपी ठाकुर, संजय पासवान और शाहनवाज हुसैन भी मौजूद थे। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए एक्स पर लिखा कि पटना में कल गायिका ने जब गांधी जी का भजन रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम गाया तो नीतीश कुमार के साथी भाजपाइयों ने हंगामा खड़ा कर दिया। भजन से ओछी समझ के टुच्चे लोगों की भावनाएं आहत हो गयी। भजन गायिका देवी को माफ़ी माँगनी पड़ी। उन्होंने आगे कहा कि संघियों और भाजपाइयों को जय सियाराम, जय सीताराम के नाम एवं नारे से शुरू ही नफरत है क्योंकि उसमें माता सीता का जयकारा है। ये लोग शुरू से ही महिला विरोधी है तथा जय श्री राम के नारे के साथ आधी आबादी महिलाओं का भी अपमान करते हैं।

लालू ने कहा कि गायिका देवी ने कल कार्यक्रम में बापू के नाम पर निर्मित सभागार में बापू का भजन गाकर उसने सीताराम बोल दिया तो टुच्चे भाजपाइयों ने माइक पर उससे माफ़ी मंगवाई तथा माता सीता के जय सीताराम की बजाय जय श्रीराम के नारे लगवाए। ये संघी सीता माता सहित महिलाओं का अपमान क्यों करते है?

चीन ने सैनिक...

हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि पीएलए पैंगोंग झील के उत्तरी तट पर विवादित क्षेत्रों में मौजूदा स्थिति को तेजी से मजबूत कर रहा है, जहां 2020 के गतिरोध से पहले संयुक्त रूप से गश्त की जाती थी।

ऐसा लगता है कि चीनी सेना पीछे हटकर अपनी स्थिति मजबूत कर रही है। रक्षा विशेषज्ञ कर्नल (सेवानिवृत्त) अजय रैना ने कहा कि भारत अभी भी सिरिजाप और खुरनाक को अपना क्षेत्र मानता है, लेकिन 1959-1962 के दौरान सिंधु में बहुत पानी बह चुका है, सिरिजाप और खुरनाक क्षेत्रों का ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि भारत उन्हें लद्दाख का हिस्सा मानता है, लेकिन 1959-1962 की अवधि के दौरान उसने प्रभावी नियंत्रण खो दिया। निर्माण और रणनीतिक विकास सितंबर में शुरू हुआ था, चीनी की ओर से निर्माण कार्य कई स्थलों पर जारी है, इसके बावजूद चीन की ओर से संबंधों को सामान्य बनाने की मांग की जा रही है। एक सैन्य सूत्र ने आजतक को बताया कि तस्वीरें दोहरे उपयोग वाले बुनियादी ढांचे को दिखाती हैं जो नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए है। तक्षशिला इंस्टीट्यूशन, बेंगलुरु में भू-स्थानिक अनुसंधान कार्यक्रम के प्रमुख डॉ. वाई. निथ्यानंदम ने सिरिजाप और खुरनाक को कवर करने वाली सैटेलाइट इमेज का विश्लेषण किया। उन्होंने खुरनाक में विस्तार, किलेबंदी के प्रयास और जमीनी रणनीति में बदलाव के साथ-साथ सिरिजाप में एक निर्माणाधीन जल निकासी नेटवर्क और झील के जीर्णोद्धार की ओर इशारा किया। ओएसआईएनटी विश्लेषक डेमियन साइमन ने हाल ही में हुए बदलावों को सबसे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कम-रिज़ॉल्यूशन वाली सैटेलाइट तस्वीरें शेयर करके उजागर किया। उन्होंने चीन द्वारा मौजूदा बफर ज़ोन से अलग क्षेत्रों में चल रहे निर्माण पर प्रकाश डाला। भारत-तिब्बत सीमा के एक पर्यवेक्षक नेचर देसाई ने कहा कि ये तस्वीरें पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की पश्चिमी कमान के तहत दक्षिणी झिंजियांग सैन्य जिले की यूनिट्स द्वारा पारंपरिक सीमा और साझा प्राकृतिक चरागाह इलाके में तैनाती के पुनर्गठन का प्रमाण हैं। देसाई ने यह भी कहा कि ओटे मैदान, जो कभी लद्दाखी चांगपा और तिब्बती खानाबदोशों के लिए शीतकालीन चारागाह हुआ करते थे, अब पैंगोंग झील के किनारे चीन की सलामी-स्लाइसिंग रणनीति का केंद्र बिंदु बन गए हैं। डॉ. नित्यानंदम ने हाल के महीनों में सिरिजाप में महत्वपूर्ण पुनर्विकास प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में साइट पर विकास गतिविधि में उछाल देखा गया है, पहले की सैटेलाइट इमेज में दिखाई देने वाली बिखरी और अस्थायी इमारतों की जगह अब अधिक स्थायी और बड़ी संरचनाओं का निर्माण किया गया है। वहीं, सैन्य सूत्रों ने पैंगोंग के पास बुनियादी ढांचे का विवरण दिया। ये निर्माण सीमावर्ती गांव से जुड़ा हुआ है और इसमें पुल या बांध जैसी संरचना के साथ ही जल निकाय के साथ सड़कें भी हैं, एक छोटा हेलीपैड है, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि इसका इस्तेमाल आपात स्थिति या वीआईपी मूवमेंट के लिए किया जा सकता है। इसकेअतिरिक्त, एक नई बनी सीधी सड़क है, लेकिन इसमें कवर की कमी है, जिससे यह हवाई टोही या हवाई हमलों के लिए असुरक्षित है। डॉ. नित्यानंदम ने खुरनाक में भी बदलावों को देखा, जिसमें किला परिसर के भीतर पुरानी संरचनाओं को ध्वस्त करना शामिल है। उन्होंने कहा कि सितंबर 2024 के अंत तक परिसर को ऊंची दीवारों के साथ किलाबंद कर दिया गया था। पास में 100 100 मीटर का हेलीपैड पहले के निर्माण स्थल की जगह ले चुका है। 2020 में हुईं झड़पों के बाद से भारत और चीन के प्रतिनिधियों की पहली बैठक हाल ही में बीजिंग में हुई थी, जिसमें एनएसए अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भाग लिया था। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया था कि प्रतिनिधियों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया था। उन्होंने ज़मीन पर शांतिपूर्ण स्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि सीमा पर मुद्दे द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य विकास में बाधा न बनें।

पूर्व प्रधानमंत्री...

साधारण पृष्ठभूमि से उठकर वे एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री समेत पदों पर काम किया। सालों तक हमारी आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। संसद के अंदर उनका योगदान बहुत ही महत्व-पूर्ण है। हमारे प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए।एक और पोस्ट में लिखा है- जब डॉ. मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे और मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब हम रोजाना बातचीत करते थे। हम शासन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा करते थे। उनकी बुद्धिमत्ता और विनम्रता हमेशा देखने को मिलती थी।इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं डॉ मनमोहन सिंह जी के परिवार, उनके मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति एम्स की प्रेस रिलीज के मुताबिक मनमोहन सिंह को रात 8:06 बजे गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। पूरे प्रयास के बावजूद उन्हें बचा नहीं जा सका। उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण रात 9:51 बजे पर उनका निधन हो गया।92 वर्षीय मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक देश के दो बार प्रधानमंत्री रहे थे, जबकि इससे पहले उन्होंने ही 90 के दशक में पीवी नरसिम्हाराव की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए देश में आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी। मनमोहन सिंह के आर्थिक सुधारों को ही भारतीय इकोनॉमी की वह नींव माना जाता है।डॉ मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। इससे पहले वह भारत के वित्त मंत्री और वित्त सचिव भी रह चुके हैं। नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान अर्थव्यवस्था के उदारीकरण में उनकी अहम भूमिका मानी जाती है। बतौर प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश में एक दशक से अधिक समय तक अभूतपूर्व वृद्धि और विकास का नेतृत्व किया था। डॉ. सिंह के नेतृत्व में, भारत ने अपने इतिहास में सबसे अधिक वृद्धि दर देखी, जो औसतन 7.7% रही और लगभग दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गई थी। डॉ. सिंह के सत्ता में आने के बाद भारत दसवें स्थान से उछलकर 2014 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 27 दिसंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

रेवंत रेड्डी ने फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने की योजना की घोषणा की

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हाल ही में तेलुगु फिल्म उद्योग के सदस्यों को संबोधित किया, जिसमें इसके विकास और समृद्धि का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण उपायों की रूपरेखा दी गई। सीएम रेड्डी ने उद्योग की चिंताओं को स्वीकार करते हुए कहा, फिल्म उद्योग ने अपनी समस्याओं को सरकार के ध्यान में लाया और बैठक में संदेह, गलतफहमियाँ और विचार साझा किए। इन मुद्दों को हल करने के लिए, तेलंगाना सरकार ने पहले ही कदम उठाए हैं, जिसमें आठ फिल्मों के लिए विशेष आदेश जारी करना और पुष्पा-2 के फिल्मांकन के लिए पुलिस ग्राउंड उपलब्ध कराना शामिल है। सरकार ने इसके निरंतर विकास को सुनिश्चित करने के लिए तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए एक नई ब्रांड पहचान बनाने का भी फैसला किया है। सरकार और उद्योग के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता दिल राजू को फिल्म विकास निगम (एफडीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने आगे एक कैबिनेट उप-समिति के माध्यम से उद्योग की चुनौतियों को हल करने की योजना की घोषणा की, जो उद्योग के नेतृत्व वाली समिति के साथ सहयोग करेगी।सीएम रेड्डी ने कहा, तेलुगु फिल्म उद्योग की समस्याओं के समाधान के लिए एक कैबिनेट उप-समिति गठित की जाएगी। उद्योग भी एक समिति बनाएगा। सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए सीएम रेड्डी ने फिल्म उद्योग से राज्य में इको-टूरिज्म और मंदिर पर्यटन को बढ़ावा देने का आग्रह किया। हैदराबाद की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, मुंबई वहां अनुकूल परिस्थितियों के कारण बॉलीवुड का केंद्र बन गया। हैदराबाद सभी महानगरीय शहरों में सबसे अच्छा शहर है। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों को आकर्षित करने की पहल का भी खुलासा किया। शहर में वैश्विक फिल्म उद्योगों को अपनी उपस्थिति स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रमुख सम्मेलनों की मेजबानी करने की योजनाएँ चल रही हैं। रेड्डी ने कहा, सरकार का मुख्य उद्देश्य फिल्म उद्योग को अगले स्तर तक बढ़ावा देना है।

इस बीच, भाजपा नेता अमित मालवीय ने सीएम रेड्डी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार मुख्यमंत्री के नियंत्रण और पैसे ऐंठने के कथित प्रयासों के खिलाफ सुपरस्टार्स के प्रतिरोध के कारण टॉलीवुड को निशाना बना रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, मालवीय ने आरोप लगाया, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के तहत तेलंगाना में कुछ परेशान करने वाली बात सामने आ रही है । प्रशासन कथित तौर पर भारत के सबसे बड़े और सबसे जीवंत फिल्म उद्योगों में से एक टॉलीवुड को निशाना बना रहा है, क्योंकि तेलुगु सुपरस्टार और फिल्म निर्माताओं ने मुख्यमंत्री के नियंत्रण और उनसे पैसे ऐंठने के प्रयासों का पालन करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने दावा किया, यह विवाद हैदराबाद में सुपरस्टार नागार्जुन के कन्वेंशन सेंटर को ध्वस्त करने से शुरू हुआ। इसके बाद, एक मौजूदा महिला कैबिनेट मंत्री ने नागार्जुन की अब अलग हो चुकी बहू और अपने आप में एक सफल अभिनेत्री सामंथा प्रभु पर व्यक्तिगत हमला किया। उत्पीड़न का अभियान अनुभवी अभिनेता मोहन बाबू तक फैल गया, उनके बेटे का कथित तौर पर राजनीतिक स्कोर को निपटाने के लिए इस्तेमाल किया गया। हाल ही में, टॉलीवुड के एक और प्रमुख व्यक्ति अल्लू अर्जुन ने खुद को निशाने पर पाया है।

जगदीप धनखड़ ने कान्हा शांति वनम का दौरा किया

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपनी पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ हैदराबाद के बाहरी इलाके में हार्टफुलनेस के मुख्यालय कान्हा शांति वनम का दौरा किया। उपराष्ट्रपति का यह हार्टफुलनेस मुख्यालय का पांचवां दौरा है, जहां वे मेदक से हेलीकॉप्टर द्वारा पहुंचे।

अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष रेव्ह. दाजी से हार्टफुलनेस मेडिटेशन सीखा। उन्होंने रेव्ह. दाजी के मार्गदर्शन में हार्टफुलनेस द्वारा किए जा रहे अच्छे काम की सराहना की। दोनों ने कृषि और शिक्षा में चल रही विभिन्न पहलों और जन कल्याण के लिए कार्यक्रमों को किस तरह से बेहतर तरीके से आगे बढ़ाया जा सकता है, इस पर चर्चा की।जगदीप धनखड़ ने कहा, कान्हा शांति वनम न केवल आज देश में सबसे अच्छा आध्यात्मिक रिट्रीट है, बल्कि एक अनुकरणीय पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में भी खड़ा है। हर बार यहां आने पर मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आदरणीय दाजी ज्ञान और शांति के अग्रदूत हैं। मैं चाहता हूँ कि हर कोई हार्टफुलनेस ध्यान का पालन करके लाभ उठा सके। रेव्ह. दाजी ने कहा, धनखड़ जी का हार्टफुलनेस परिसर में आना हमेशा सम्मान की बात होती है। जैसा कि हम कई तरीकों से समाज की सेवा करने का प्रयास करते हैं, यह भी प्रेरणादायी है कि सरकार आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान दोनों के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने में हमें अपना पूरा सहयोग दे रही है। हम सब मिलकर सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

सनातन व हिन्दू समाज की विभूति हैं हमारे ग्रन्थ : सुधांशु महाराज

बारिश के बीच हुआ पूज्य गुरुदेव का कलश यात्रा से स्वागत अभिनन्दन

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित अमृतधाम ललित कला तोरणम परिसर में आयोजित चार दिवसीय विराट भक्ति सत्संग महोत्सव में रिमझिम बारिश के बीच परम पूज्य गुरुदेव सुधांशु जी महाराज का आगमन हुआ। इस अवसर पर मण्डल के प्रधान एवं पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौर ने मंच पर उनका अभिनन्दन करते हुए स्वागत किया।

इस मौके पर महाराजश्री ने कहा कि सनातन धर्म एवं हिन्दू समाज के लिए हमारे ग्रन्थ पूजनीय हैं, अपने घरों में ग्रन्थों को रखें और उसका पाठन भी करें। राष्ट्र के प्रति एकजूट होकर हिन्दू समाज को जागृत करने के लिए सतत प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जब गुरु की कृपा अपने भक्तों के ऊपर होती है तब जीवन में नवीन रूपांतरण होने लगता है।

सदगुरुदेव सुधांशु महाराज ने कहा कि जीवात्मा को भगवान ने शरीर दिया है और शक्तिशाली बनाया है लेकिन संतुष्टि नहीं है। महाराजश्री ने बारिशों के मध्य उपस्थित अपने सभी भक्तों के अगाध श्रद्धा और समर्पण को देखते हुए अपना स्नेह भरा आशीष देते हुए गुरु कृपा प्राप्त होने की कामना की।

अवसर पर हैदराबाद मण्डल के प्रधान एवं पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौर ने बताया कि चार दिवसीय सत्संग का समापन 29 दिसंबर को सायंकालीन विधिवत रूप से सम्पन्न होगा। सत्संग का समय सायं 04.30 से 07.30 बजे तक रहेगा। श्री राठौर ने सभी भक्तों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पूज्य महाराजश्री जी द्वारा दिए जा रहे अमृत सन्देश को ग्रहण कर जीवन को धन्य करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में विश्व जागृति मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर, हैदराबाद मंडल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, बंकटलाल गिल्डा, कैलाशनारायन भांगडीया, नरेश बब्बानी, जसमत भाई पटेल, सज्जनलाल श्रीवास्तव, पी.रघुवीर, सुमेरसींह राठौर, सुखदेव जोशी, रामनिवास जोशी, डी.गोपाल, राजकुमार दायमा, डॉ.सवरूपानंद नायक, राजू भागचंदानी,शिवराज पाटिल, मानमल सैन, प्रकाश देवकर, भरत सुत्रवे, सनातन, गोरखनाथ भोसले, कैलाश खेमलानी, सुरेश बिरादर, प्रदीप लेले, जी.ओमप्रकाश, श्यामराव बागाडे, सुनील गोस्वामी, जे.भिक्षापती, भाग्यनारायण, रामचंदर राव, श्रीमती आसमान कंवर राठौर, कांता अग्रवाल, शिबानी मैथी, कालींदी चिंतावार, इंद्रानी भोपे, ममता ठाकुर, बबीता नागरे,नागेश्वरी,मंजु अग्रवाल सरोज अग्रवाल, वंदना श्रीवास्तव, एम. शांती, शोभा भोसले, राणी देवकर, स्मीता दायमा, कांता बिरादर, कविता दायमा व सैकड़ो भक्त उपस्थित थे।

चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार और नए रेलवे टर्मिनल का उद्घाटन कल

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार, दि. 28 दिसंबर को चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार और नए रेलवे टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, जन प्रतिनिधि और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी कार्यक्रम में भाग लेंगे।

चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन द्वितीय प्रवेश द्वार और नए रेलवे टर्मिनल के लिए विकास कार्य हाल ही में लगभग 413 करोड़ रुपये की लागत से पूरे हुए हैं। हैदराबाद-सिकंदराबाद जुड़वां शहर क्षेत्र में ट्रेनें मुख्य रूप से तीन मुख्य टर्मिनलों से चलती हैं जिसमें सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचीगुड़ा। शहर की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए, जुड़वां शहर के पश्चिमी भाग में लिंगमपल्ली को एक अन्य टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया। इसे आगे बढ़ाते हुए, चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन को एक अन्य टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है।

चर्लापल्ली हैदराबाद के पूर्वी हिस्से में स्थित है, जो तेजी से विकास का अनुभव करने वाला क्षेत्र है, और बाहरी रिंग रोड के पास सुविधाजनक रूप से स्थित है। तदनुसार, स्टेशन को टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित करने के लिए पहचाना गया था, न केवल जुड़वां शहर क्षेत्र में अन्य मौजूदा रेल टर्मिनलों पर भीड़ को कम करने के लिए, बल्कि शहर के पूर्वी हिस्से में यात्रियों की सेवा करने के लिए भी।

स्टेशन को लगभग 413 करोड़ रुपये की लागत से कई बुनियादी सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ विकसित किया गया है। स्टेशन में अतिरिक्त 15 जोड़ी ट्रेन सेवाओं को संभालने की क्षमता होगी। पुनर्विकसित स्टेशन में 4 अतिरिक्त उच्च स्तरीय प्लेटफ़ॉर्म होंगे, जबकि मौजूदा 5 प्लेटफ़ॉर्म को भी पूरी लंबाई की ट्रेनों को समायोजित करने के लिए बढ़ाया गया है। इसके अलावा, स्टेशन को अतिरिक्त 10 लाइनें प्रदान की गई हैं और कुल क्षमता 19 लाइनें होंगी।

तुलसी माता हर घर में होनी चाहिए तभी हम आगे बढ़ेंगे : स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोअर टैंकबंद स्थित भाग्यनगर गौशाला में श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट, देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान, योग वेदांत समिति और सर्वदलीय गौरक्षा मंच के तत्वावधान में तुलसी पूजन का भव्य आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में काशी से पधारे स्वामी करपात्रीधाम के संत स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी और विशिष्ठ अतिथि के रूप में दिल्ली से पधारे युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह, महिला अतिथि के रूप में पधारी माता ललिता की साधिका श्रीदेवी जी एवं अन्य गणमान्य लोगों ने तुलसी माता की आरती कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता के संवर्द्धन हेतु सबको आगे आना होगा। तुलसी माता हर घर में होनी चाहिए तभी हम आगे बढ़ेंगे। तेलंगाना को गौ वध से मुक्ति हेतु राज्य सरकार को कानून बनाना चाहिए।

युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा हम देश के नवनिर्माण के महायज्ञ को सफल बनाने हेतु काम कर रहे हैं। लार्ड मेकाले ने हमारी शिक्षा नीति को ध्वस्त करने का प्रयास किया परंतु कर नहीं सके। हम नई शिक्षा नीति की सराहना करते हैं जिसके कारण नई पीढ़ी अपने विरासत को जान सकेगी। उन्होंने कहा कि राजनेताओं को सनातन के ख़िलाफ बोलने के पहले विचार करना चाहिए। भारत माता के वैभव को बढ़ाने हेतु युवा वर्ग को खूब काम करना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि 2047 से पहले भारत को विश्वगुरु बनाना ही जीवन का लक्ष्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी ने कहा की हम गौ माता और भारत माता के प्रगति हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर आचार्य प्रमोद कृष्ण शास्त्री भाग्यनगर गौशाला मैनेजर पंडित दुबे और साथियों ने विधि- विधान से गौ पूजा और तुलसी पूजन का कार्यक्रम शास्त्रोक्त विधि से करवाया ।

पधारे अन्य लोगों में उत्तराखंड संस्थान के मंत्री बलवीर सिंह रावत, सुभाष चंद्र पेटवाल, राजेंद्र सिंह रावत, योगेश अग्रवाल, पवन कुमार, प्रमोद गोयनका,चेना राम सीरवी, धनजी भाई पटेल, शांति लाल सुथार आदि अनेकों गौ भक्तों के अलावा देवभूमि उत्तराखंड सेवा संस्थान की मातृ शक्ति के साथ तेलगु भाषी कोटि कुमकुमर्चन की माताओं ने तुलसी पूजन में भाग लिया । इस अवसर पर माताओं ने 501 तुलसी महिमा पुस्तक तथा 701 तुलसी वृक्ष वितरण में भाग लिया । अंत में कार्यक्रम में पधारे सभी भक्तों का नयाल सनातनी जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान किया गया

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत गुरुवार को हरचंद्र-कौशल्यादेवी अग्रवाल परिवार (पटवारी फार्मा, भोईगुड़ा) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार की सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल -सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई. जगन (चंपापेट), कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, मनीष फिटकारीवाला, सोनू फिटकारीवाली, रोहित अग्रवाल, वेदप्रकाश अग्रवाल, राजकिशोर अग्रवाल, हरिप्रसाद अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, मायारामजी अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

कच्छ दर्शन यात्रा के लिए कच्छी युवाओं का दल रवाना

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री कच्छी मित्र मंडल युवा समिति के तत्वावधान में कच्छी युवाओं का एक दल मातृभूमि कच्छ दर्शन के लिए रवाना हुआ।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री कच्छी मित्र मंडल के मंत्री पंकज सावला ने बताया की श्री कच्छी मित्र मंडल एवं यात्रा सहयोगी दाता प्रेमलक्ष्मी परिवार के सहयोग से कच्छी युवाओं का एक दल कच्छ दर्शन यात्रा (कच्छ नहीं देखा तो कुछ नही देखा) के लिए रवाना हुआ। जिसमें कच्छी समाज के युवक-युवती शामिल है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रा दल को मंडल के कार्यकारीणी सदस्य दिनेश गोसर एवं रिद्धीश जागीरदार ने रवाना किया।

युवा समिति संयोजक अंकीत वोरा ने कहा कि मंडल के इतिहास में पहली बार इस प्रकार की यात्रा का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें आज की पीढी के युवाओं खासकर जिन्होने आज तक अपने मातृवतन (मातृभूमि) को नहीं देखा उन्हें यात्रा में ले जाया जाया गया। यात्रा के अंतर्गत हैदराबाद से राजकोट एक्सप्रेस द्वारा दल हुआ जो 25 दिसंबर को दोपहर अहमदाबाद पहुंचा। वहां से भूज कच्छ होते हुए सफेद रण, होडको, रात्री सफेद रण मे विश्राम, अगले दिने दि. 27 को प्रातः धोलाविरा, काला डुंगर, दत्तात्रेय मंदिर (पहाड), तृतिय दिवस 28 को प्रातः नवकारशी कर 72 जिनालय के लिए प्रस्थान, बिदडा नेचर क्युर सेंटर, बिदडा गाँव, बिदडा सर्वोदय ट्रस्ट, श्यामजी कृष्णवर्मा स्मारक, अंबे धाम, विजय विलास पैलेस, मांडवी बीच रात्री विश्राम, 29 को स्वामी नारायण मंदिर, त्रिनेत्र मंदिर, स्मृतिवन, अर्थक्केक म्युझीयम, वंदे मातरम मेमोरियल, भुजोडी, आईना महेल आदि पर्यटन स्थल का दौरा कर गांधीधाम रेलवे स्टेशन से अहमदाबाद की ओर प्रस्थान तथा अहमदाबाद से सिकंदराबाद हेतु प्रस्थान्।

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि केएमएम युवा शक्ति की मातृभूमि कच्छ की यात्रा सुखद, स्मरणीय और मंगलमय हो । उन्ह-ोने युवाओं से अपने पैतृक गांव की जरूर मुलाकात लेने तथा अपने अपने देवस्थान कुलदेवी कुलदेवता के दर्शन अवश्य करने एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया। तथा गांव मे मिलने वाले बुजुर्गो से अपने पिताजी और दादाजी का परिचय देकर संस्मरण साझा करने का निवेदन किया।यात्रा में भक्ति राकेश नागडा, डॉ. ध्वनी मनीष नागडा, हिरल कापडिया, सिमरन पालन, सौरभ गडा, मित्तल वोरा, मान्या वोरा, साक्षी वोरा, पार्थ ठक्कर, यश नागडा, धवल हेणिया, मेघा हेणिया, तरूण शाह, मितेश शाह, अंशुल सचीन नागडा, तेज सचिन नागडा, जयादित्य ललीत शाह, अनय लालन आदि शामील है। अवसर पर यक्षा मनीष नागडा, गिरीश गोसर, भारती गोसर, रविन्द्र कापडिया, शैफाली कापडिया, मीता पालन आदि अभिभावक उपस्थित थे।

तीसरा दक्षिण भारतीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन आज से

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल एवं डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय, बिलासपुर के सहयोग से विकल्प तृशूर द्वारा आयोजित तीसरा दक्षिण भारतीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन 27, 28 दिसंबर को केरल के तृशूर जिले में संपन्न होगा । 27 को सुबह दस बजे विख्यात लेखिका मधु काँकरिया उद्घाटन करेंगी। प्रसिद्ध रचनाकार एवं रवीन्द्रनाथ विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलाधिपति संतोष चौबे बीज भाषण देंगे। प्रो. प्रभाशंकर नेमी (कर्नाटक), प्रो. शशि मुदिराज (तेलंगाना), प्रो. वाई. शिवारामी रेड्डी (आन्ध्र प्रदेश), डॉ. एम. गोविन्दराजन (तमिलनाडु), डॉ. जे. बाबु (केरल), डॉ. जे. सुरेन्द्रन (पांडिच्चेरी), डॉ. वृषालि मंडरेकर (गोवा) जैसे दक्षिण भारत के वरिष्ठ हिन्दी विद्वानों का सम्मान किया जायेगा ।

पांडिच्चेरी की पद्मप्रिया द्वारा प्रायोजित तीन पुरस्कार डॉ. आरसु (केरल), डॉ. राजलक्ष्मी कृष्णन (तमिलनाडु) एवं डॉ. के.जी. प्रभाकरन को (केरल) प्रदान करेंगे।प्रो. उपुल रंजीत (श्रीलंका), डॉ. संतोष कुमारी अरोड़ा (अरमेनिया), लीलाधर मंडलोई (नई दिल्ली), प्रो. शशि मुदिराज (तेलंगाना), प्रो. बीर पाल सिंह यादव (हरियाना), डॉ. मंजुनाथ (कर्नाटक), डॉ. आरसु (केरल), डॉ. अनामिका अनु (केरल) आदि साहित्यकार विभिन्न सत्रों में व्याख्यान देंगे। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा और साहित्य : वर्तमान परिवेश में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भाषाओं का भविष्य, समाज और कविता, समाज और कथा साहित्य, ए.आई. के ज़माने में हिन्दी आदि विषयों पर बहस होगी।

सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की पुस्तकों का विमोचन तथा जन विकल्प पत्रिका के अंक 18 का लोकार्पण भी किया जायेगा । हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी है। आयोजक समिति के अध्यक्ष डॉ. के.जी. प्रभाकरन, महासंयोजक डॉ. वी. जी. गोपालकृष्णन, संयोजिका मीरा मेनन, विकल्प तृशूर की कोषाध्यक्षा शोभना जे. एवं विकल्प की कार्यकारिणी समिति की सदस्या के. एस. मनीषा ने संवाददाता सम्मेलन में भाग लिया ।

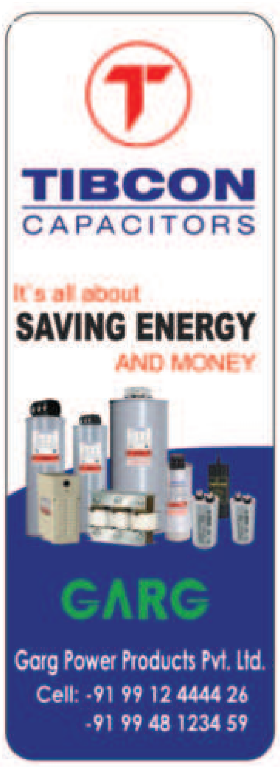
TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

सीरवी समाज ने किया जेडिमेटला टीम का सम्मान

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय सीरवी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बेंगलूरू में सम्पन्न हुआ। जिसमें सीरवी समाज की कुल 64 टीमों ने भाग लिया। फाईनल मुकाबले में हैदराबाद की जेडिमेटला टीम विजेता रही। गुरूवार को सीरवी समाज जेडिमेटला वडेर में समाज की ओर से विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। सभी विजेता खिलाड़ियों को साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर मेडचल टीम चैम्पियन किक्रेट खिलाड़ियों का भी सम्मान किया गया। राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने पर कवीता का सम्मान किया गया। समस्त सीरवी समाज जिडिमेटला बडेर के गणमान्य पदाधिकारी जिसमें- चैनाराम चोयल, मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, प्रेम पंवार, भीमाराम काग, जीवाराम हाम्बड़, मोहनलाल मुलेवा, राजुराम बर्फा, सुशील भायल, मोहन हाम्बड़, उम्मेद चोयल, मुलाराम पंवार, देवाराम मुलेवा, लुंबाराम, मांगीलाल सोलंकी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को जीत की शुभकामनाएं दी।

अन्ना विवि की छात्रा से हैवानियत पर एनसीडब्ल्यू ने लिया स्वतः संज्ञान

तमिलनाडु पुलिस की विफलता को लेकर उठाए सवाल

चेन्नई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने चेन्नई में अन्ना विश्वविद्यालय की 19 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न का स्वतः संज्ञान लिया है। एक बयान में आयोग ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और न्याय के लिए पीड़ित की लड़ाई में अपना समर्थन देने का वादा किया। एनसीडब्ल्यू ने कोट्टूरपुरम के 37 वर्षीय बिरयानी विक्रेता आरोपी ज्ञानशेखरन पर गंभीर चिंता जताई। आयोग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आरोपी एक आदतन अपराधी था, उसके खिलाफ पहले भी शिकायतें दर्ज की गई थीं। एनसीडब्ल्यू ने दावा किया कि इन मामलों पर कार्रवाई करने में तमिलनाडु पुलिस की विफलता ने उसे इस जघन्य अपराध को करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे तमिलनाडु में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठने लगे।

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष विजया राहतकर ने तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को पीड़िता के लिए मुफ्त चिकित्सा देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आयोग ने एफआईआर में बीएनएस, 2023 की धारा 71 जोड़ने की भी सिफारिश की, जो बार-बार अपराध करने वालों के लिए सजा से संबंधित है। इसके अलावा, उन्होंने डीजीपी को उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से पीड़िता की पहचान उजागर की, जो सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। यह हमला 23 दिसंबर को हुआ जब ज्ञानशेखरन ने एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के साथ मिलकर अन्ना विश्वविद्यालय परिसर के अंदर छात्रा और उसके पुरुष मित्र पर हमला किया। उत्त-रजीवी ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद ज्ञानशेखरन को गिरफ्तार किया गया, जिसने अपराध स्वीकार कर लिया। यह निर्धारित करने के लिए जांच चल रही है कि क्या उसने पहले भी इसी तरह के अपराध किए हैं।इस बीच, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की जिसमें उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन और अन्य डीएमके नेता ज्ञानशेखरन के साथ दिख रहे हैं। अन्नामलाई ने आरोपियों को डीएमके से जोड़ा और आरोप लगाया कि अपराधियों को अक्सर स्थानीय पार्टी पदाधिकारियों द्वारा बचाया जाता था, जिससे उन्हें जवाबदेही से बचने की अनुमति मिलती थी। अन्नाद्रमुक ने भी दावा किया कि आरोपियों के सत्तारूढ़ दल से संबंध थे। हालाँकि, द्रमुक ने आरोपियों से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 25^0
न्यूनतम : 21^0

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,690/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 90,560/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,472.48
-0.39 0.00% ↓
एनएसई :23,750.20
22.55 (0.1%) ↑

अन्नामलाई की प्रतिज्ञा खुद को कोड़े मारेंगे रखेंगे 48 दिन का उपवास

चेन्नई, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में छात्रा के साथ दुष्कर्म की वारदात ने तमिलनाडु की सियासत में उबाल ला दिया है। गुरुवार को घटना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इनमें पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन और उपाध्यक्ष कारू नागराजन भी शामिल हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

तमिलनाडु बीजेपी के प्रमुख के अन्नामलाई ने सत्तारूढ़ डीएमके सरकार को आड़े हाथों लिया। अन्नामलाई बेहद गुस्से में नजर आए, उन्होंने अपने जूते उतार दिए और कहा कि जब तक राज्य से डीएमके सरकार नहीं गिर जाती, वह जूते नहीं पहनेंगे।

अन्नामलाई ने शुक्रवार को, कोयंबटूर में अपने आवास के बाहर खुद को छह बार कोड़े मारने का वादा भी किया ताकि 'सभी बुराइयों को खत्म किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि वह राज्य में भगवान मुरुगन के सभी छह पवित्र धामों में जाने के लिए 48 दिनों तक उपवास रखेंगे। तमिलनाडु बीजेपी चीफ ने कहा, जब तक डीएमके सरकार को उखाड़ फेंका नहीं जाता, मैं नंगे पैर चलूंगा। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि कृपया इस सब पर गौर करें। उन्होंने आगे कहा: हमेशा की तरह, हम चुनाव जीतने के लिए पैसे नहीं देंगे। हम बिना पैसे बांटे चुनाव लड़ेंगे। जब तक डीएमके सरकार नहीं चली जाती, मैं चप्पल नहीं पहनूंगा। '

अन्नामलाई का रौद्र रूप अन्ना यूनिवर्सिटी में 19 वर्षीय छात्रा के यौन शोषण के मामले पर बीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिखा। उन्होंने मामले में एफआईआर लीक करने के लिए पुलिस पर भी निशाना साधा, जिससे 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की पहचान जाहिर हो गई।

2026 की शुरुआत तक गहरे समुद्र में मानव भेजने की तैयारी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत सरकार अपने महत्वाकांक्षी डीप सी मिशन के तहत एक इंसान को गहरे समुद्र में भेजने की तैयारी कर रही है। इस मिशन के 2026 की शुरुआत में होने वाले देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन के

अनुरूप होने की उम्मीद है। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आई एन सी ओ आई एस) में 2004 के हिंद महासागर सुनामी की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिंह ने वैज्ञानिक अन्वेषण में देश की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के दौरान डीप सी मिशन के पहले उल्लेख को भी याद किया, जिसमें समुद्री अनुसंधान और नवाचार में भारत की स्थिति को मजबूत करने में इसके महत्व को रेखांकित किया गया था। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मानव अंतरिक्ष मिशन, जिसे शुरू में 2025 के लिए निर्धारित किया गया था। 2026 की शुरुआत में गहरे समुद्र मिशन के साथ मेल खाने के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है। इस सरेखण में एक भारतीय वहां और एक भारतीय गहरे समुद्र में दिखाई देगा। सिंह ने कहा कि यह देश की वैज्ञानिक यात्रा में उल्लेखनीय मील का पत्थर है। भारत की 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और इसके प्रचुर समुद्री संसाधनों की सतत खोज और संरक्षण की वकालत करते हुए कहा कि मंत्री ने कहा कि सरकार इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए काम कर रही है। मीडिया से बात करते हुए, सिंह ने कहा कि आईएनसीओआईएस द्वारा प्रदान की गई सेवाएँ और जानकारी न केवल भारत के तटीय समुदायों के लिए बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए भी प्रासंगिक हैं।

अत्याधुनिक सुविधा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान ऐसी सेवाएं प्रदान कर रहा है जो न केवल विकसित भारत के विकास में योगदान देती हैं बल्कि दुनिया में भारत के महत्वपूर्ण योगदान में भी योगदान देती हैं। 2004 की सुनामी से हुई तबाही को याद करते हुए, सिंह ने सीखे गए महत्वपूर्ण सबक और उसके बाद परिवर्तनकारी नीतियों के बारे में बात की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस त्रासदी ने आईएनसीओआईएस जैसे संस्थानों की स्थापना को प्रेरित किया, जो अब जीवन और आजीविका की सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़ा है।

दमरे ने कम यात्रियों के कारण सबरीमाला विशेष ट्रेनें रद्द की

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दक्षिण मध्य रेलवे (एस-सीआर) ने सबरीमाला जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए विशेष ट्रेनों की घोषणा की है, लेकिन गुरुवार को इनमें से कुछ सेवाओं को रद्द कर दिया गया।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, एससीआर ने कहा कि सबरीमाला विशेष ट्रेनों में से कुछ को कम यात्रियों के कारण रद्द कर दिया गया है।

रद्द की गई सबरीमाला विशेष ट्रेनों में ट्रेन नंबर 07167 मौला-अली - कोट्टायम (24 जनवरी), ट्रेन नंबर 07168 कोट्टायम - मौला अली (25 जनवरी), ट्रेन नंबर 07171 मौला अली - कोल्लम (25 जनवरी), ट्रेन नंबर 07172 कोल्लम - मौला अली (27 जनवरी), ट्रेन नंबर 07169 काचीगुडा - कोट्टायम (26 जनवरी), ट्रेन शामिल हैं। नंबर 07170 कोट्टायम - काचीगुडा (27 जनवरी), ट्रेन नंबर 07157 नरसापुर - कोल्लम (27 जनवरी) ट्रेन नंबर 07158 कोल्लम - नरसापुर (29 जनवरी), ट्रेन नंबर 07065 हैदराबाद - कोट्टायम (28 जनवरी)।

रद्द की गई अन्य सबरीमाला विशेष ट्रेनें हैं ट्रेन नंबर 07066 कोट्टायम - सिकंदराबाद (29 जनवरी), ट्रेन नंबर 07167 मौला अली - कोट्टायम (31 जनवरी), ट्रेन नंबर 07168 कोट्टायम - मौला अली (01 फरवरी), ट्रेन नंबर 07161 सिरपुर कागजनगर - कोल्लम (24 जनवरी) और ट्रेन नंबर 07162 कोल्लम - सिरपुर कागजनगर (26 जनवरी)।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 : शारजाह वारियर्स की कप्तानी करेंगे टिम साउथी

शारजाह, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के आधुनिक क्रिकेट के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक टिम साउथी डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के आगामी संस्करण में शारजाह वॉरियर्स की कप्तानी करेंगे। 4 वनडे विश्व कप और 6 टी20 विश्व कप खेल चुके साउथी डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में पहली बार हिस्सा ले रहे हैं। साउथी ने अपने करियर के विभिन्न चरणों में न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम की कप्तानी की है। 36 वर्षीय साउथी ने भारत में आईपीएल के 10 सीजन खेले हैं, जिसमें केकेआर, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर जैसी टीमों के लिए खेला है, और यूके में द हंड्रेड और विटैलिटी ब्लास्ट में भी खेल चुके हैं।

गेंदबाज के तौर पर साउथी के मुख्य हथियार तेज गति और आउटस्विंग हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में उन्होंने क्रॉस-सीम डिलीवरी और ऑफ कटर फेंकने की क्षमता भी विकसित की है। साउथी की सटीक सटीकता और बेहतरीन विविधता ने उन्हें वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाने में मदद की है। 19 साल की उम्र में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने पहले टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया, जिसके बाद उन्होंने अपने देश के लिए वनडे और टेस्ट में अपना पहला मैच खेला। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 में डेब्यू करते हुए साउथी का पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट पॉल कॉलिंगवुड का था। कुल मिलाकर, उन्होंने 126 टी20 खेले हैं और 8 की इकॉनमी और 16.7 की स्ट्राइक रेट से 164 विकेट अपने नाम किए हैं। टी20 में इस दिग्गज पेसर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/18 है। शारजाह वारियर्स का मानना है कि साउथी का अनुभव और खेल का ज्ञान आईएलटी20 के आगामी सीज़न के लिए टीम को मज़बूती प्रदान करेगा। आईएलटी20 सीज़न 3 की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और शारजाह वारियर्स अपना पहला मैच 12 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ़ खेलेगा। इस अवसर पर टिम साउथी ने कहा, शारजाह वारियर्स के पास एक शानदार टीम है, जिसमें कई बेहतरीन बल्लेबाज़ और स्मार्ट और कुशल गेंदबाज़ हैं। इतने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कप्तानी करना और उनके साथ रहना वाकई रोमांचक होगा। टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत भी अब तक बहुत फ़ायदेमंद रही है और हमें पूरा भरोसा है कि यह सीज़न अच्छा रहेगा। मैं टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने के लिए वाकई उत्साहित हूँ। शारजाह वॉरियर्स के सीओओ, शेमल वैनगंकर ने कहा, हम, कैप्री स्पोर्ट्स में, टिम साउथी को शारजाह वॉरियर्स टीम में कप्तान के रूप में शामिल करने पर बहुत उत्साहित हैं। क्रिकेट के खेल के प्रति उनकी कार्य नीति और समर्पण बेमिसाल है और लड़ते रहने की उनकी दृढ़ता, योद्धा भावना के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साउथी न केवल आईएलटी20 के आगामी संस्करण के लिए हमारी टीम को मजबूत करते हैं, बल्कि इसमें गहराई और अनुभव भी जोड़ते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एचआईएल ने हमें नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया : हरमनप्रीत सिंह

राउरकेला। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने आगामी हीरो

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) सीजन में सूरमा हॉकी क्लब का नेतृत्व करने की तैयारी के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की है, जो 28 दिसंबर, 2024 से शुरू होने वाला है। हाल ही में नीलामी के दौरान सूरमा हॉकी क्लब द्वारा 78 लाख में खरीदे जाने के बाद हरमनप्रीत सिंह एचआईएल इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए और वह अपने अनुभव और ड्रैग फ्लिकिंग कौशल को फ्रैंचाइज़ी में लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं सूरमा हॉकी क्लब के खिलाड़ी के रूप में भारतीय हॉकी के इस नए अध्याय की शुरुआत करने और हीरो हॉकी इंडिया लीग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रोमांचित हूं। लीग खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करती है और मैं इस सीजन में टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। हीरो हॉकी इंडिया लीग सात साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रही है, लेकिन लीग की वापसी के साथ ही महिला लीग की शुरुआत भी हो रही है, जो भारत में अपनी तरह की पहली लीग होगी। हरमनप्रीत ने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम में भी एचआईएल का प्रभाव देखा जा सकता है। ओलंपिक में टीम की सफलता का श्रेय लीग को जाता है, जिसने हमें कम उम्र में ही काफी कुछ सिखाया। जिन खिलाड़ियों को आप आदर्श मानते हैं, उनके साथ खेलना और उनके खिलाफ रोजाना प्रतिस्पर्धा करना, हमें जितना हम सोच सकते थे, उससे कहीं बेहतर बनाता है। इस बार महिला एचआईएल भी शुरू हो रही है, मुझे यकीन है कि यह भारतीय महिला हॉकी टीम को भविष्य में और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

वेस्ट ब्रोम छोड़ने के बाद कार्लोस कोरबेरन ने संभाली वालेंसिया की कमान

मैड्रिड। ला लीगा के संयुक्त निचले क्लब वालेंसिया ने बुधवार को कार्लोस कोरबेरन को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। इंग्लिश चैम्पियनशिप टीम वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन को छोड़कर आए 41 वर्षीय कोरबेरन रुबेन बाराजा की जगह लेंगे। पूर्व कोच रुबेन बाराजा को सोमवार को बर्खास्त कर दिया गया था। इससे पहले वालेंसिया ने अपने घरेलू मैदान पर अलावेस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस मैच से पहले टीम ने अपने पहले 17 मैचों में केवल 12 अंक ही अर्जित किए थे। माना जा रहा है कि वालेंसिया ने कोरबेरन के रिलीज क्लॉज के लिए करीब तीन मिलियन यूरो का भुगतान किया है। वेस्ट ब्रोम ने एक बयान में पुष्टि की, एल्बियन ने कार्लोस कोरबेरन के क्लब छोड़ने और ला लीगा की टीम वालेंसिया के साथ एक नया अवसर तलाशने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है। 41 वर्षीय खिलाड़ी हमारे आभार के साथ अपने वतन लौटने के लिए तैयार है। वहीं, कोरबेरन ने कहा कि यह निर्णय मेरे जीवन का सबसे कठिन निर्णय था। उन्होंने कहा, इस विशेष क्लब के लिए मेरे दिल में हमेशा एक जगह रहेगी और मुझे उम्मीद है कि एक दिन मैं आप सभी के अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए वापस आ पाऊंगा।

आईसीसी ने बतौर मैच रेफरी 100 पुरुष टेस्ट मैच पूरे करने पर पाइक्रॉफ्ट को दी बधाई

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एंडी पाइक्रॉफ्ट को मैच रेफरी के रूप में 100 पुरुष

टेस्ट मैच पूरे करने पर बधाई दी है। मैच रेफरी के एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के सदस्य पाइक्रॉफ्ट ने गुरुवार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चौथे टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। 68 वर्षीय पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान ने 2009 से अब तक 238 पुरुष वनडे, 174 पुरुष टी20 और 21 महिला टी20 मैचों में भी अंपायरिंग की है। आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक - अंपायर और रेफरी सीन ईज़ी ने कहा, मैं एंडी को बधाई देना चाहता हूँ क्योंकि उन्होंने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में टेस्ट मैचों का शतक पूरा कर लिया है। हमारे एलीट पैनल के एक अनुभवी सदस्य के रूप में, वे खेल की रक्षा और सुधार के लिए क्रिकेट की अपनी समझ का लगातार लाभ उठाते हैं। एंडी का खिलाड़ियों और साथियों द्वारा समान रूप से सम्मान किया जाता है, और हम भाग्यशाली हैं कि वह हमारी टीम में है। एंडी पाइक्रॉफ्ट ने कहा, इतने सालों से अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी में शामिल होना और दुनिया भर में अलग-अलग संस्कृतियों को अपनाते हुए रेफरी करने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान और खुशी की बात है। मैं आईसीसी को उसके समर्थन के लिए, मेरे साथी मैच अधिकारियों, भूतपूर्व और वर्तमान को, उनके व्यावसायिकता और मित्रता के लिए, और मेरी पत्नी, करेन और मेरे परिवार को, उनके प्रोत्साहन और सहनशीलता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। यह एक पुरस्कृत यात्रा रही है, और मैंने इसके हर पल को संजोया है। पाइक्रॉफ्ट ने 1983 और 1992 के बीच तीन टेस्ट में 152 रन और 20 वनडे में 295 रन बनाए हैं।

मेलबर्न टेस्ट

पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर बनाए 311 रन, चार बल्लेबाजों ने लगाया अर्धशतक

मेलबर्न, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन 6 विकेट पर 311 रन बना लिए हैं। खेल खत्म होने पर स्टीव स्मिथ 68 और कप्तान पैट कमिंस 8 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चार बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ (नाबाद 68) उस्मान ख्वाजा (57), मार्नस लाबुशेन (72) और सैम कोंस्टास (60) ने अर्धशतक लगाए।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए।

इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने दूसरे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी की। 154 के कुल स्कोर पर बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। ख्वाजा ने 57 रनों शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

यहां से लाबुशेन और स्मिथ ने एक बार फिर से पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को वाशिंगटन सुंदर ने तोड़ा। सुंदर ने 237 के कुल स्कोर पर लाबुशेन को पवेलियन भेज भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन के आउट होने के बाद बुमराह ने ट्रैविस हेड (00) को बोल्ड कर भारत को बड़ी राहत दिलाई। इसके बुमराह ने 246 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श (04) को भी अपना शिकार बनाया। यहां से एलेक्स कैरी और स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। इस दौरान स्मिथ ने 71 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आकाशदीप ने 299 के कुल स्कोर पर कैरी (31) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद स्मिथ और पैट कमिंस ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया और टीम का स्कोर 311 रन तक पहुंचा दिया। स्मिथ 68 और कमिंस 8 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 3, आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने 1-1 विकेट लिया। बता दें कि इस मैच के लिए भारत ने अपनी टीम में एक बदलाव किया है। शुभमन गिल को बाहर किया गया है और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका मिला है, वहीं, कप्तान रोहित शर्मा मैच में ओपनिंग करेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने नाथन मैकस्विनी की जगह सैम कोंस्टास को टीम में शामिल किया।

सैम कोंस्टास ने कोहली के साथ हुई झड़प पर तोड़ी चुप्पी कहा-क्रिकेट में ऐसा होता है

मेलबर्न, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करने वाले युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपनी 60 रनों की धमाकेदार पारी से सुर्खियाँ बटोरीं। मैदान पर रहने के दौरान कोंस्टास ने कुछ धमाकेदार शॉट लगाए, खास तौर पर उन्होंने जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर जमकर बल्ला घुमाया। हालांकि, 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज की मैदान पर विराट कोहली के साथ तीखी बहस भी हुई।

आउट होने के बाद कोंस्टास ने बताया कि मैदान पर कोहली के साथ क्या हुआ था, उन्होंने कहा कि भावनाएं उन दोनों पर हावी हो गईं थी।

टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले मैच में अर्धशतक बनाने के बाद कोंस्टास मैदान के बाहर मुस्कुरा रहे थे। कोहली से जुड़ी घटना पर इस युवा खिलाड़ी को कोई शिकायत नहीं है।

कोंस्टास ने ब्रॉडकास्टर 7क्रिकेट से कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों की भावनाएं प्रभावित हो गई थीं। मुझे इसका अहसास नहीं हुआ क्योंकि मैं अपने दस्ताने पहन रहा था। लेकिन, क्रिकेट में ऐसा होता है।

कोंस्टास से बुमराह के खिलाफ उनकी योजनाओं के बारे में भी पूछा गया, जिसपर उन्होंने कहा, मेरी कोई योजना नहीं थी, मैं अच्छे क्रिकेट शॉट खेलने जा रहा था, लेकिन बुमराह निश्चित रूप से विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और हां, उन पर दबाव बनाने की कोशिश करना और उनकी रणनीति में बदलाव करना ही मुख्य बात थी।

ऑटोग्राफ देते हुए कोहली

मेलबर्न में भारतीय क्रिकेट टीम के विराट कोहली बाउंड्री के पास लोगों को ऑटोग्राफ देते हुए।

महज 14 साल की उम्र में भारतीय स्क्वैश टीम में जगह बनाने वाली अनिका ने कहा- भारत के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

महज 14 साल की उम्र में, अनिका दुबे, जिन्हें प्यार से पुणे की गोल्डन गर्ल के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली आगामी एशियाई टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाकर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है।

अपनी इस उपलब्धि पर अनिका ने बातचीत की। उन्होंने इस दौरान अपनी अब तक की यात्रा पर विस्तार से ब ताया।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर अनिका

ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना न केवल एक शानदार अवसर है, बल्कि एक रोमांचक अनुभव भी है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। स्क्वैश को अब ओलंपिक 2028 में शामिल कर लिया गया है, इसलिए खिलाड़ियों के लिए तैयारी शुरू करने और एक मजबूत टीम बनाने का यह एक रोमांचक समय है। मेरा मानना है कि दृढ़ता और समर्पण रास्ते में आने वाली किसी भी कठिनाई को दूर करने में मदद कर सकता है। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए अनिका ने कहा, शुरू में, पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती थी। मुझे कई रातें देर से पढ़ाई और सुबह जल्दी प्रशिक्षण सत्र की याद है। हालांकि, मैंने आखिरी क्षण तक इंतजार करने के बजाय पहले से अच्छी तरह से अध्ययन करके अपने समय प्रबंधन कौशल में सुधार किया। इससे मुझे आगे रहने और दोनों प्रतिबद्धताओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिली। एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी इस सवाल पर अनिका ने कहा, मेरा परिवार, खासकर मेरा छोटा भाई, सिर्फ़ सहायक ही नहीं रहा है।

लखीमपुर खेल महोत्सव का आतिशबाजी के साथ हुआ समापन

लखीमपुर खीरी, 26 दिसंबर (एजेंसियां)।

लखीमपुर खेल महोत्सव के पांचवीं और अंतिम दिवस का भव्य समापन मध्य रात्रि में क्रिकेट मैच के फाइनल व आतिशबाजियों के बीच हुआ। महोत्सव के अंतिम दिवस विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि इंजीनियर अवनीश सिंह पटेल द्वारा पुरस्कृत किया गया। खेल महोत्सव में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग के तहत खीरी पुलिस बनाम छात्रावास के मध्य मुकाबला हुआ जिसमें छात्रावास ने दो-एक से विजय

प्राप्त की।

क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ पहला सेमीफाइनल फतेहपुर 11 बनाम स्मार्ट बॉय 11 के मध्य हुआ जिसमें स्मार्ट बॉय 11 ने जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डाबला 11 बनाम द्वारिका थंडर 11 के मध्य हुआ जिसे डाबला 11 ने आसानी से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले के मध्य नगर के होनहार बच्चों ने अपने जूडो-कराटे के प्रदर्शन से सभी को अपनी ओर खींच लिया।

महोत्सव का अंतिम आयोजन क्रिकेट के फाइनल मैच डाबला 11 और स्मार्ट बॉय 11 के बीच हुआ। फाइनल का यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए डाबला 11 ने निर्धारित 15 ओवर में 93 रन बनाए और जीत के लिए स्मार्ट बॉय 11 के आगे 94 रन का लक्ष्य रखा। कांटे के इस मुकाबले में स्मार्ट बॉय 11 ने पांच विकेट से जीत हासिल कर क्रिकेट की ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मुकाबले के होते ही राजकीय इंटर कॉलेज का मैदान आतिशबाजी की जगमगाती रोशनी से जगमगा उठा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रान्त प्रचारक अवध प्रान्त कौशल , विशिष्ट अतिथि इं. अवनीश सिंह पटेल स्नातक एमएलसी, विभाग प्रचारक अभिषेक , विधायक योगेश वर्मा, विधायक विनोद शंकर अवस्थी, विधायक मंजू त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद मिश्रा, अभिषेक सिंह सोमू, लखीमपुर ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, सदर विधायक योगेश वर्मा, पालिका अध्यक्ष डॉक्टर इरा श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, क्रीडा भारती से कपिल श्रीवास्तव कनिष्क बरनवाल आनंद वर्मा आशीष सिंह चौहान दुर्गेश वर्मा सहित नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी व मौके पर भारी भीड़ उपस्थित रही, जिसने होने वाले सारे कार्यक्रमों का भरपूर मनोरंजन उठाया। कार्यक्रम का कुशल संचालन राम मोहन गुप्ता द्वारा किया गया।

गरीबों को 4.5 लाख इंदिरम्मा घरों का संक्रांति उपहार

खम्मम, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने संक्रांति के उपहार के रूप में पात्र परिवारों को 4.5 लाख इंदिराम्मा घर स्वीकृत करने की घोषणा की। यह घोषणा खम्मम के सांसद रामसहायम रघुराम रेड्डी के साथ नचाराम, दम्मापेटा मंडल में 40 लाख की लागत से निर्मित नए

ग्राम पंचायत भवन के उद्घाटन के दौरान की गई। मंत्री पोंगुलेटी रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि लाभार्थी चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए पहले चरण में सबसे गरीब परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3,500 घर आवंटित किए जाएंगे, साथ ही अधिक आवश्यकताओं के कारण अनुसूचित जनजाति आरक्षित क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त आवंटन पर विचार किया जाएगा। आवास की घोषणा के अलावा, मंत्री ने रिकॉर्ड की समीक्षा करने के लिए दम्मापेटा तहसीलदार कार्यालय का औचक दौरा किया और केशवप्पागुडेम और मुलकापल्ली में नए उच्च स्तरीय पुलों की आधारशिला रखी। रेड्डी ने उपस्थित लोगों को आश्वासन दिया कि हम पात्र परिवारों का समर्थन करने और बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हरीश राव ने संध्या थिएटर भगदड़ पीड़ित श्रीतेज से अस्पताल में मुलाकात की

हैदराबाद , 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और विधायक टी. हरीश राव के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं के एक दल ने गुरुवार को केआईएमएस अस्पताल में श्रीतेज से मुलाकात की, जो संध्या थिएटर भगदड़ में लगी चोटों से उबर रहे हैं। उन्होंने श्रीतेज के परिवार को समर्थन दिया और भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाली रेवती के निधन पर संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर बोलते हुए हरीश राव ने श्रीतेज के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और असाधारण देखभाल प्रदान करने के लिए डॉक्टरों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने श्रीतेज की मां रेवती के निधन पर भी शोक व्यक्त किया, जो अपने बेटे को बचाने के प्रयास में भगदड़ में मर गईं।वरिष्ठ बीआरएस विधायक ने त्रासदी पर देरी से प्रतिक्रिया के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कैबिनेट मंत्री की आलोचना की। उन्होंने कहा, राज्य में जो कुछ भी गलत होता है उसके लिए हमें दोषी ठहराने के मुख्यमंत्री के प्रयासों के कारण हम दुखद घटनाओं के दौरान भी राजनीति करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने पिछले एक साल में राज्य भर में आवासीय कल्याण स्कूलों में छात्रों की मौतों पर राज्य सरकार की निष्क्रियता और अनदेखी पर चिंता जताई। हरीश राव ने कोंडारेड्डीपल्ली में पूर्व सरपंच साई रेड्डी की आत्महत्या के मामले में निष्क्रियता पर सवाल उठाया, जिन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा था, जिसमें मुख्यमंत्री के भाइयों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। उन्होंने जानना चाहा कि मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि कानून सबके लिए समान है। कोई कार्रवाई या पूछताछ क्यों नहीं हुई?

ट्रैफिक पुलिस ने लंबित ई-चालान पर छूट की झूठी जानकारी को खारिज किया

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद

ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि तेलंगाना पुलिस द्वारा लंबित ट्रैफिक ई-चालान पर छूट के बारे में सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर झूठी और भ्रामक जानकारी प्रसारित की जा रही थी। हैदराबाद के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, पी. विश्वप्रसाद ने एक बयान में स्पष्ट किया कि लंबित ट्रैफिक ई-चालान पर कोई छूट नहीं दी गई। उन्होंने कहा, लंबित ट्रैफिक ई-चालान पर छूट का कोई भी दावा फर्जी, शरारती और धोखाधड़ी से भरा हुआ है।उन्होंने नागरिकों से ऐसे किसी भी फर्जी और भ्रामक दावे या सूचना पर विश्वास न करने या उस पर कार्रवाई न करने को कहा। सभी आधिकारिक घोषणाएँ विशेष रूप से तेलंगाना पुलिस के सत्यापित प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से की गईं, जिसमें वेबसाइट: https://echallan.tspolice.gov.in/publicview/ और इसके आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट शामिल हैं। लोगों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए विश्वप्रसाद ने कहा कि फर्जी संदेशों को साझा या अग्रेषित करने से अनावश्यक भ्रम पैदा हो सकता है और यह कानून के तहत दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा, नागरिकों से अनुरोध है कि वे साझा करने से पहले तथ्यों को सत्यापित करें। लंबित यातायात ई-चालान के संबंध में किसी भी संदेह या स्पष्टीकरण के लिए कृपया हेल्पलाइन नंबर: 040-27852772 और 27852721 पर संपर्क करें या वेबसाइट पर जाएं।

झील से सब-इंस्पेक्टर का शव बरामद

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले में एक झील से एक महिला पुलिस कांस्टेबल और एक सहकारी समिति में काम करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर के शव बरामद होने के कुछ घंटों बाद, गुरुवार को एक सब-इंस्पेक्टर का शव निकाला गया। भिकनूर पुलिस स्टेशन में काम करने वाले सब-इंस्पेक्टर साई कुमार का शव सदाशिवनगर मंडल के अदलुर एल्लारेड्डी में झील से निकाला गया।

कांस्टेबल श्रुति (33) और कंप्यूटर ऑपरेटर निखिल (29) के शव बुधवार रात को उसी झील से बरामद किए गए। जब एसआई का मोबाइल फोन, पर्स और कार झील के पास मिली, तो पुलिस ने जलाशय में अपनी तलाश जारी रखी और सुबह उसका शव बरामद किया। कामारेड्डी जिले की पुलिस अधीक्षक सिंधु शर्मा ने झील के पास तलाशी अभियान की निगरानी की।पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि तीनों लोगों की मौत आत्महत्या से हुई या दुर्घटनावश डूबने से हुई या फिर कोई साजिश थी। एसपी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा, अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हम अपनी जांच पूरी करने के बाद ही विस्तृत जानकारी देंगे। सब-इंस्पेक्टर (एसआई) शादीशुदा थे और उनके दो बच्चे थे। श्रुति ने अपने पति से तलाक ले लिया था। बुधवार से एसआई का मोबाइल फोन बंद होने के कारण भीकनूर पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी।पुलिस के अनुसार बीबीपेट पुलिस स्टेशन में कार्यरत श्रुति बुधवार सुबह ड्यूटी पर जाने के बाद घर के लिए निकली थी। जब वह घर नहीं लौटी तो उसके माता-पिता ने बीबीपेट पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। जब उन्हें बताया गया कि वह काफी समय पहले घर के लिए निकल गई थी तो उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन के सिग्नल के आधार पर उसका पता लगाने का प्रयास शुरू किया। इससे वे बुधवार देर रात अदलुर एलारेड्डी झील तक पहुंचे। उसका मोबाइल फोन झील के बांध पर मिला। पुलिस ने एक और मोबाइल फोन भी बरामद किया जो सहकारी समिति में काम करने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर निखिल का था।जांच अधिकारियों को झील के पास एसआई कुमार की कार और उनके जूते भी मिले।

विधायक श्री गणेश ने सीएम से संसाधन व्यक्तियों के लिए नियमितीकरण और लाभ का अनुरोध किया

हैदराबाद, 26 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कैंटोनमेंट विधायक श्री गणेश ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की और एमईपीएमए (नगर पालिका और पंचायत सशक्तिकरण और प्रबंधन एजेंसी) के तहत काम करने वाले संसाधन व्यक्तियों (आरपी) की चिंताओं को संबोधित करते हुए एक याचिका प्रस्तुत की। याचिका में इन कर्मचारियों को नियमित करने, सरकारी आदेश संख्या 60 के अनुसार वेतन और 10 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर देने की मांग की गई।अपनी याचिका में, श्री गणेश ने राज्य के विकास में विशेष रूप से शहरी गरीबी से निपटने के प्रयासों में आरपी द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने उनके समर्पण और कड़ी मेहनत को स्वीकार किया, यह देखते हुए कि कई ठझ कई वर्षों से सेवा कर रहे हैं, तेलंगाना के विकास और कल्याण में योगदान दे रहे हैं। विधायक ने मुख्यमंत्री से उनकी सेवा को मान्यता देने और नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके पदों को नियमित करने का आग्रह किया।श्री गणेश ने सीएम रेवंथ रेड्डी से सरकारी आदेश संख्या 60 में उल्लिखित वेतन संरचना को लागू करने की भी अपील की, जो राज्य के विभागों में आउटसोर्स और अनुबंध कर्मचारियों पर लागू होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.